



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 10] नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 7, 1987 (फाल्गुन 16, 1908)
No. 10] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 7, 1987 (PHALGUNA 16, 1908)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि वह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और
भारत सरकार के संलग्न और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union
Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached
and Subordinate Offices of the Government of India]

प्रवर्तन निदेशालय

विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम

नई दिल्ली—110003, दिनांक 10 फरवरी 1987

नियुक्ति

सं० फा० ए-11/3/75:—प्रवर्तन निदेशक एतद्वारा
इस निदेशालय के श्री एम० एच० खान को इस निदेशालय
के गोहाटी क्षेत्रीय कार्यालय में 20-1-1987 (पूर्वाह्न)
से तदर्थ आधार पर 6 महीने के लिये स्थानापन्न मुख्य प्रवर्तन
अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

काली चरण,
मुख्य प्रवर्तन अधिकारी (प्रशासन)

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 11 फरवरी, 1987

सं० 2/10/87-प्रशासन:—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद्वारा
श्री विनय भूषण भाटिया, अनुभाग अधिकारी,
डाक विभाग, संचार मंत्रालय को आयोग में अनुभाग अधिकारी

के पद पर वेतनमान रु० 2000-60-2300 द० रो०-
75-3200-100-3500 में प्रतिनियुक्ति पर 6 फरवरी,
1987 (प्रवराह) से अगले आदेश तक नियुक्त करते हैं।

मनोहर लाल,
अवर सचिव (प्रशासन)
रुहे केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त

कार्मिक एवं प्रशिक्षण, प्रशा० सुधार

लोक जिकायत तथा पेंशन मंत्रालय,

कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 30 जनवरी, 1987

सं० ए-32012/1/85-प्रशा०-3—मुख्यालय आदेश
सं० 94/87 दिनांक 30-1-87 (सं० ए-32012/1/85-
प्रशा०-3) के अनुसरण में श्री एस० वी० अग्रवाल, वैयक्तिक
सहायक (श्रेणी "ग" आशुलिपिक) ने दिनांक 30 जनवरी,
1987 अग्रहस्त से रु० 2000-60-2300 द० रो०-75-
3200 के समकाल में, आशुलिपिक, श्रेणी "ख" के रूप में

पब्लिश होने पर, के० अ० ब्यूरो मुख्या० में संयुक्त निदेशक केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

सी० के० पाठक,
पुलिस अधीक्षक (मुख्या०)

गृह मंत्रालय

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

अपराध शास्त्र एवं विधि विज्ञान संस्थान

नई दिल्ली, दिनांक 7 जनवरी, 1987

सं० 1/5/86-अ० वि० वि० सं०:—राष्ट्रपति, श्री ए० के० गुप्ता, सहायक निदेशक, विधि विज्ञान प्रयोगशाला, हरियाणा मधुबन, को अपराध शास्त्र एवं विधि विज्ञान संस्थान (गृह मंत्रालय) नई दिल्ली में दिनांक 7-11-86 पूर्वाह्न से १० 1100-1600 के वतनमान में एक साल की अवधि के लिये जो कि 3 साल की अवधि तक बढ़ाई जा सकती है प्रतिनियुक्ति के आधार पर सहायक निदेशक (प्रलेख) के पद पर नियुक्त करते हैं।

आर० एस० कुलकर्णी,
निदेशक,

महानिदेशालय के० रि० पु० बल,

नई दिल्ली-110003, दिनांक 4 फरवरी 1987

सं० ओ० दो० 2314/86-स्थापना:—राष्ट्रपति जी ने, डाक्टर श्रीमती अनु बर्मा को अस्थाई रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जनरल ड्यूटी आफिसर ग्रेड-II (डी० एस० पी०/कम्पनी कमाण्डर) के पद पर दिनांक 29 नवम्बर, 1986 पूर्वाह्न से सहर्ष नियुक्त किया है।

दिनांक 5 फरवरी 1987

सं० ओ० दो० 2315/86-स्थापना-1—राष्ट्रपति जी ने डाक्टर श्रीमती तिला कृष्णा कुमार डेमेरे को अस्थाई रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जनरल ड्यूटी आफिसर ग्रेड-II (डी० एस० पी०/कम्पनी कमाण्डर) के पद पर दिनांक 8 दिसम्बर, 1986 पूर्वाह्न से सहर्ष नियुक्त किया है।

सं० ओ० दो० 2346/87-स्थापना—राष्ट्रपति जी ने डाक्टर श्रीमती नीना नायर को अस्थाई रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जनरल ड्यूटी आफिसर ग्रेड- (डी० एस० पी०) कम्पनी कमाण्डर/के पद पर दिनांक 30 जनवरी, 1987 पूर्वाह्न से सहर्ष नियुक्त किया है।

दिनांक 6 फरवरी, 1987

सं० ए० छः 2/86-स्थापना-1—राष्ट्रपति, श्री रविन्द्र कुमार पाण्डेय को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, में पुलिस उप अधीक्षक (कम्पनी कमाण्डर/क्वार्टर मास्टर) पद पर अस्थाई रूप से अग्रले आदेश तक के लिये सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री रविन्द्र कुमार पाण्डेय ने आ० सु० अ० के० रि० पु० बल, माउण्ट आबू में प्रशिक्षण हेतु रिपोर्ट कर दिया है और दिनांक 8-12-86 (पूर्वाह्न) से अपने पद का कार्य भार संभाल लिया है। उन्हें ग्रुप केन्द्र के० रि० पु० बल, पिन्जौर में तैनात किया गया है।

दिनांक 9 फरवरी, 1987

सं० ओ० दो० 2136/86-स्थापना—नेशनल सेकुरिटी गार्ड, नई दिल्ली में महानिदेशक पद की पदोन्नति के फलस्वरूप श्री के० एल० वर्मा, भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी (उ० प्र० 1956) ने दिनांक 28-1-87 (अपराह्न) से पुलिस महानिरीक्षक, सेक्टर-3, के० रि० पुलिस बल नई दिल्ली का कार्यभार त्याग दिया।

दिनांक 11 फरवरी, 1987

सं० एफ० 2/3/87-स्थापना (के० रि० पु० बल)—राष्ट्रपति, श्री आर० पी० सिंह, सहायक कमाण्डेंट जो कि इस समय अपराध शास्त्र एवं विधि विज्ञान संस्थान (गृह मंत्रालय) में प्रतिनियुक्ति पर है, कमाण्डेंट (नान सलैक्शन ग्रेड), के० रि० पु० बल के पद पर दिनांक 25-9-86 (अपराह्न) से प्रोफार्मा पदोन्नति की स्वीकृति प्रदान करते हैं।

सं० एफ० 2/46/86-स्थापना (के० रि० पु० बल)—राष्ट्रपति पुलिस उप अधीक्षक श्री विनोद कुमार शर्मा जो कि भू० पी० पुलिस कम्प्यूटर केन्द्र में प्रतिनियुक्ति पर है, सहायक कमाण्डेंट के पद पर दिनांक 28-4-86 से प्रोफार्मा पदोन्नति की स्वीकृति प्रदान करते हैं।

एम० अशोक राज
सहायक निदेशक (स्थापना),

महानिदेशालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 9 फरवरी 1987

सं० ई-16013/(2)/24/82-कार्मिक-1/13—अपने मूल कांडर अर्थात् पश्चिम बंगाल को प्रत्यावर्तन होने पर, श्री पी० के० सहाय, भा० पु० से० (प० बं० 74) ने 22 जनवरी, 1987 के आग्राह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट, एस० ए० एम० सी०, बुरगापुर के कमाण्डेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 12 फरवरी 1987

सं० ई-165013(1)/187-कार्मिक-1:—प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति होने पर श्री आर० विश्वनाथन, भा० पु० से०

(कर्नाटक: 66) ने 9 फरवरी 1987 के पूर्वाह्न से उप महानिरीक्षक उत्तरी क्षेत्र के ओ० सुब० नई दिल्ली के पद पर कार्यभार सभाल लिया।

ह० अपठनीय

महानिदेशक
के० ओ० सुब०

भारतीय लेखा परीक्षा एवं, लेखा विभाग

कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा

केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली-110002, दिनांक 11 फरवरी 1987

सं० प्रशासन-1/का० आ० सं० 284--निदेशक लेखा परीक्षा केन्द्रीय राजस्व-1 को इस कार्यालय के स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी श्री के० सी० गोविल को 2375-3500 रु० के वेतनमान में दिनांक 1-2-1987 से स्थाई रूप से नियुक्त करते हैं।

मोहन खुराना

उपनिदेशक लेखापरीक्षा (प्रशासन)

महालेखाकार का कार्यालय (ले०) I आंध्र प्रदेश

हैदराबाद, दि 10 फरवरी 1987

सं० प्रशासन I/8/132/86-87/170--श्री एल० वी० विश्वनाथन लेखा परीक्षा अधिकारी महालेखाकार (लेखा परीक्षा) का कार्यालय आन्ध्र प्रदेश हैदराबाद अपरगच्छ 31-1-1987 को सेवा से निवृत्त हुए।

ह०/अपठनीय

(उप-महालेखाकार प्रशासन)

सं० प्रशा० I/पदोन्नति/8-132/86-87/169--महालेखाकार द्वारा (लेखापरीक्षा) आ० प्र० हैदराबाद ने सहर्ष निम्नलिखित सहायक लेखापरीक्षा अधिकारियों को स्थानापन्न लेखापरीक्षा अधिकारियों के रूप में 2375-75-3200-द. अ.-100-3500 वेतनमान में उनके कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से प्रभावी अगले आदेशों तक पदोन्नति दी जाती है। पदोन्नति के लिए दिए गए आदेशों उनके बर्षों के बावो पर बिना कोई प्रभाव डाले, यदि कोई हो और आन्ध्र प्रदेश उच्च न्यायालय/उच्चतम न्यायालय में संवित किए जाचिकाओं के परिणामों के अधिन माने जाएंगे।

उन्हें चाहिए कि वे अपना विकल्प भारत सरकार का० जा० सं० एफ/7/1/80-स्थापना पी० टी० 1. दिनांक 26-9-1981 की शर्तों के अनुसार पदोन्नति की तारीख से एक महीने के अन्दर दे।

नाम	पद ग्रहण की तारीख (पूर्वाह्न)
1. श्री सी० सत्यनारायण	30-1-87
2. श्री यज्ञ नारायण शर्मा	29-1-87

ह० अपठनीय

वरिष्ठ उप महालेखाकार

(प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार

(लेखा एवं हकदारी) प्रथम, मध्य प्रदेश

ग्वासियर, दिनांक 27 जनवरी 1987

सं० प्रशासन एफ/ले० आ०/प्रमोशन/331/1778--लेखाकार (लेखा एवं हकदारी) प्रथम, म० प्र० ग्वासियर ने श्री एन० के० गौतम (02/446) स्थाई अनुभाग अधिकारी को दिनांक 22-1-87 पूर्वाह्न से स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर रु० 2375-75-3200 द० रो०-100-3500 के वेतनमान पर आगामी आदेशों तक पदोन्नत किया है।

[प्राधिकार: महालेखाकार (लेखा एवं सहकारी) प्रथम के आदेश दिनांक 21-1-87]।

निरञ्जन पन्त

वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

केरल के महालेखाकार (लेखा परीक्षा) का कार्यालय, केरल

तिरुवनन्तपुरम, दिनांक 9 फरवरी 1987

सं० हक/1/10-3/86-87--केरल के महालेखाकार (लेखा परीक्षा) का कार्यालय तिरुवनन्तपुरम के निम्नलिखित लेखा परीक्षा अधिकारी उनके नाम के सामने सूचित दिनांक से सरकारी नौकरी से सेवा निवृत्त हो गये हैं।

- | | |
|-------------------------|-------------------|
| 1. श्री एम० गंगाधर मेनन | 31-1-87 (अपराह्न) |
| 2. श्री ए० टी० मार्कोस | 31-1-87 (आराह्न) |
| 3. श्री के० श्रीधरन | 31-1-87 (आराह्न) |

श्री के० वी० जैन (संख्या 2) लेखा परीक्षा अधिकारी 1-2-87 के पूर्वाह्न से स्वेच्छिक रूप से सेवानिवृत्त हो गये हैं।

आनन्द शर्कर

महालेखाकार

(ने० प०)

कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा)--प्रथम पश्चिम बंगाल

कलकत्ता-700001 दिनांक 30 जनवरी 1987

म० प्रशासन-प्रथम/पदोन्नति-93/महा० लेप० आ०/2605--महालेखाकार (लेखा परीक्षा) प्रथम पश्चिम बंगाल ने निम्नलिखित अनुभाग अधिकारी (लेखा परीक्षा) को अस्थाई और स्थानापन्न रूप से सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी (वर्ग ख--राजपत्रित पद 2000-60-2300 दक्ष० मि० 75-3200 रुपये वेतनमान पर) 26वां दिसम्बर 1986 के पूर्वाह्न से नियुक्त करने की कृपा की है।

(1) श्री देवेन्द्र नाथ गुडन

(2) श्री श्रेष्ठ मोहन मण्डल

ये पदोन्नतियां माननीय उच्च न्यायालय कलकत्ता में लम्बित रिट याचिका के अन्तिम निर्णय के अधीन हैं।

नये पदोन्नत सहायक लेखा परीक्षा अधिकारियों को भारत सरकार वित्त मंत्रालय के जापन दिनांक 26-9-81 के अनुच्छेद 2(ख) के अनुसार एक माह के भीतर अपना वेतन या तो मूल नियम 22(क)(1) के अन्तर्गत पदोन्नति के तारीख के दिन से और फिर उसके बाद मूल नियम 22(ग) के अन्तर्गत नीचे के पद में आगामी वेतन वृद्धि की तारीख से या मूल नियम 22(ग) के अन्तर्गत सीधे पदोन्नत के तारीख के दिन से निर्धारण देने के लिए विकल्प देना होगा।

म० कु० मिश्र
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

कलकत्ता-700001, दिनांक 30 जनवरी 1987

म० प्रशा० 1/पदोन्नति-93/2756-58-महालेखाकार (लेखा परीक्षा) प्रथम पश्चिम बंगाल न निम्नलिखित सहायक लेखा परीक्षकों को पहली जनवरी 1987 के पूर्वार्द्ध में अगला आवेदन मिलने तक अस्थायी और स्थानापन्न रूप से महालेखाकार (लेखा परीक्षा) प्रथम और महालेखाकार (लेखा परीक्षा) द्वितीय पश्चिम बंगाल के कार्यालयों में नियुक्त करने की कृपा की है।

सर्वश्री

- (1) रजित कुमार भोमिक
- (2) नेपाल चन्द्र कांजीलाल

ये पदोन्नतियां माननीय कलकत्ता हाई कोर्ट में लम्बित रिट याचिका के अन्तिम निर्णय के अधीन हैं।

नये पदोन्नत लेखा परीक्षा अधिकारियों को पैरा 2(ख) के शर्त के अनुसार भारत सरकार, वित्त मंत्रालय

के जापन दिनांक 26-9-81 एक माह के भीतर अपना वेतन 22(क)(1) के अन्तर्गत पदोन्नति के तारीख के दिन से और फिर उसके बाद मूल नियम 22(ग) के अन्तर्गत नीचे के पद पर आगामी वेतन वृद्धि की तारीख से या सीधे पदोन्नति के तारीख से निर्धारण के लिये विकल्प दे सकते हैं।

हे० श्री मूर्ति
उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय निदेशक

लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं

नई दिल्ली-110001, दिनांक 11 फरवरी, 1987

म० 4812/ए-स्थापना/130/86-—वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त करने पर श्री पी० एन० हाडा, अस्थायी सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी, रक्षा सेवाएं दिनांक 31-1-1987 (अपराह्न) को सेना निवृत्त हुए।

बी० एम० गिल,
संयुक्त निदेशक लेखा परीक्षा

रक्षा मंत्रालय

ग्राइडनम्स फैक्टरी बोर्ड

डी० जी० ओ० एफ० मुख्यालय सिविल सेवा

कलकत्ता, दिनांक 28 जनवरी, 1987

म० 1/87/ए/ई-1(एन० जी०) —महानिदेशक आयुद्ध निर्माण महोदय निम्नलिखित व्यक्तियों की विद्यमान रिक्तियों में स्थानापन्न और प्रशासन तौर पर उन श्रेणियों में जो उनके नामों के नाम दर्ज हैं, तारीख से पदोन्नति करते हैं।

सर्वश्री

1 जे० सी० बन्नाफ

2 आर० एन० राय

3 पी० के० राय

4 एम० सी० चटर्जी

5 डी०सी० घोषाल

6 आर० के० सरकार

वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक निजी निवृत्त दिनांक 30-12- (तदर्थ) आ० नि० बाइ, वैयक्तिक सहायक 86 (पूर्वार्द्ध) से कलकत्ता आ० नि० बोर्ड, आगामी आदेश कलकत्ता होने तक

वही वही वही
वैयक्तिक सहायक (चयन) वही वही
श्रेणी) आ० नि० बोर्ड, कलकत्ता

वही वही वही
वही वही वही

वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक वही दिनांक 12-1- 87 (पूर्वार्द्ध) में कलकत्ता आ० नि० बाइ, आगामी आदेश होने तक

2. उपर्युक्त अधिकारीगण उनकी पदोन्नति की तारीख से दो वर्ष पर्यन्त परिवीक्षाधीन रहेंगे।

दिनांक 2 फरवरी, 1987

सं० 2/87/ए/ई-1(एन० जी०):—वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त करने पर निम्नलिखित अधिकारी दिनांक 31-1-1987 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए:—

1. श्री अश्विन्य कुमार भट्टाचार्य स्थानापन्न सहायक स्टाफ अधिकारी (मौ० एवं स्थाई उच्च श्रेणी लिपिक)
2. श्रीमती रेणुका मित्रा, स्थानापन्न सहायक स्टाफ अधिकारी (मौ० एवं स्थाई उच्च श्रेणी लिपिक)

सुदत्त दासगुप्ता,
उप महानिदेशक
कृते महानिदेशक आयुक्त निर्माणिया

कलकत्ता, दिनांक 11 फरवरी, 1987

सं० 2/जी/87:—वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त कर (58 वर्ष) श्री बी० एन० घोष, (मौलिक एवं स्थाई एम० ओ०) दिनांक 31 जनवरी, 1987 (अपराह्न) से सेवा निवृत्ति हुए।

एम० ए० अलहन,
संयुक्त निदेशक/जी,

श्रम मंत्रालय

कारखाना सलाह सेवा और श्रम विज्ञान केन्द्र महानिदेशालय
सायन

बम्बई-22, दिनांक 13 फरवरी, 1987

म० 15/1/87 स्थापना:—विभागाध्यक्ष कारखाना सलाह सेवा और श्रम विज्ञान केन्द्र महानिदेशालय ने श्री पी० के० रवीन्द्रनाथन को इस महानिदेशालय के अधीनस्थ कार्यालय राष्ट्रीय श्रम विज्ञान केन्द्र बम्बई में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर दिनांक 5-2-1987 से अगले आदेश आने तक स्थानापन्न रूप में नियुक्ति की है।

एस० बी० हेग्डेपाटिल,
उप महानिदेशक

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक आयात निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी, 1987

आयात एवं निर्यात व्यापार नियंत्रण

(स्थापना)

सं० 6/682/62-प्रशा० (राज०)/1820:—राष्ट्रपति, केन्द्रीय व्यापार सेवा के ग्रेड II अधिकारी (उप मुख्य नियंत्रक आयात

निर्यात) श्री आर० डब्ल्यू० लिङ्गोह को 29 जनवरी, 1987 से अगला आदेश जारी होने तक नियमित आधार पर केन्द्रीय व्यापार सेवा ग्रेड 1 पर (संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात) नियुक्त करते हैं। श्री लिङ्गोह की पदोन्नति विभागी पदोन्नति समिति की सिफारिशों के अनुसार है। केन्द्रीय व्यापार सेवा के ग्रेड 1 में श्री लिङ्गोह की पदोन्नति, समय समय पर यथा संशोधित केन्द्रीय व्यापार सेवा (ग्रुप "क") नियम, 1977 के प्रावधानों के अनुसार है।

राजीव लोचन मिश्र
मुख्य नियंत्रक

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 9 फरवरी, 1987

सं० 6/10/38/74-प्रशा० (राज०)/खण्ड-2810-राष्ट्रपति, आयात एवं निर्यात व्यापार नियंत्रण संगठन में श्री बी० ए० कुलकर्णी, सहायक मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात (केन्द्रीय व्यापार सेवा के ग्रेड-3) को 28-11-86 को पूर्वाह्न से और अगले आदेशों के होने तक केन्द्रीय व्यापार सेवा के ग्रेड-2 (उप मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात) के रूप में नियुक्त करते हैं।

शंकर चन्दा,
उप मुख्य नियंत्रक,
कृते मुख्य नियंत्रक,

वाणिज्यिक जानकारी एवं अकसंकलन महानिदेशालय

कलकत्ता, दिनांक 30 जनवरी, 1987

सं० एस्ट-1/1/85:—इस निदेशालय की अधिसूचना सं० एस्ट-1(1)/75/69/6918, दिनांक 3-6-86 की अनुवर्ती में वाणिज्यिक जानकारी एवं अकसंकलन महानिदेशालय, कलकत्ता के स्थाई अध्याक्ष श्री कुमुद रजन विष्वास को 1-2-87 से एक महीने (1) की अगली अवधि तक के लिये मशीन सारणीयन अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर बने रहने की अनुमति दी जाती है।

नियुक्ति की शर्तें पूर्ववत् बनी रहेंगी।

एस० आर० सेनगुप्ता,
वरिष्ठ उपमहानिदेशक

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्रालय

खाद्य विभाग, शर्करा निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी, 1987

सं० ए० 35021/1/86-स्था०:—खाद्य विभाग के तकनीकी अधिकारी (एस० एण्ड आर०) श्री टी० एन० सारस्वत को, प्रतिनियुक्ति पर अस्थाई स्थानान्तरण पर दिनांक 2 फरवरी, 1987 से अगले आदेश होने तक शर्करा निदेशालय में 2000-

60-2300-४० रो.-75-3200-100-3500 रुपये के वेतनमान में ग्रुप "बी" (राजपत्रित) पद पर निरीक्षण अधिकारी (शर्करा) नियुक्त किया जाता है।

बी० लक्ष्मीरतन,
संयुक्त सचिव (शर्करा)

निदेशक/निरीक्षण अधिकारी (अभियांत्रिकी) (परिवीक्षाधीन आरक्षण) के पद का कार्यभार संभाल लिया है। वे दो वर्ष की अवधि के लिये परिवीक्षाधीन रहेंगे।

आर. पी० शाही,
उप निदेशक (प्रशा०)

उद्योग मंत्रालय

औद्योगिक विकास विभाग

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 21 जनवरी, 1987

सं० 12(104)/61-प्रशा० (राज०):—सेवानिवृत्ति की आयु प्राप्त करने पर विकास आयुक्त (लघु उद्योग) कार्यालय, नई दिल्ली में औद्योगिक सलाहकार (रसायन) श्री पी० आर० मल्ल ने तारीख 31 दिसम्बर, 1986 (अपराह्न) से अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

दिनांक 30 जनवरी, 1987

सं० ए-19018(550)/31-प्रशा० (राज०):—यूनिटों के अधीन इण्डोनेशिया में, गवर्नमेंट इण्डस्ट्रियल डेटा बेस की परियोजना में परामर्शदाता के पद पर नियुक्ति होने पर, श्री एन० के० भटनागर ने विकास आयुक्त (लघु उद्योग) के कार्यालय में निदेशक, ग्रेड-II (उत्पादन सूचकांक) का कार्यभार दिनांक 2-1-87 (अपराह्न) से छोड़ दिया।

सं० ए० 19018(809)/87-प्रशा० (राजपत्रित):—विकास आयुक्त (लघु उद्योग), कृषि और सहकारिता विभाग में लेखा अधिकारी श्री बी० बी० शरण को विकास आयुक्त (लघु उद्योग) के कार्यालय में दिनांक 15-1-87 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक प्रतिनियुक्ति के आधार पर लेखा-अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

सी० भी० राय,
उप निदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महा निदेशालय

प्रशासन अनुभाग-6

नई दिल्ली-110001, दिनांक 14 जनवरी, 1987

सं० ए० 17011/3817/86-प्र०-6—सब लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित अभियांत्रिकी सेवा परीक्षा, 1984 के परिणाम के आधार पर, राष्ट्रपति श्री हंसराज शर्मा को दिनांक 13 नवम्बर, 1986 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों के दिये जाने तक भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप 1 "ए" के ग्रेड III की अभियांत्रिकी शाखा में सहायक निरीक्षण निदेशक निरीक्षण अधिकारी (अभियांत्रिकी) के पद पर नियुक्त करते हैं।

2 श्री शर्मा ने निरीक्षण निदेशक, बम्बई के कार्यालय में दिनांक 13-11-86 (पूर्वाह्न) से सहायक निरीक्षण

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 29 जनवरी, 1987

सं० 601 बी/ए-19011(1-के० के० बी)/86-19ए राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक भू-वैज्ञानिक श्री के० कृष्ण भट्ट को भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ) के पद पर उसी विभाग में नियमानुसार 700-40-900-४० रो०-40-1100-50-1300 रु० के वेतनमान के वेतन पर, स्थानापन्न क्षमता में आगामी आदेश होने तक 17-11-86 के पूर्वाह्न से नियुक्त कर रहे हैं।

जगदीश लाल,
निदेशक (प्रशासन)

कलकत्ता-700016, दिनांक 5 फरवरी, 1987

सं० ए-19011(2-जी० के०) /84-19 बी०.—राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक भू-भौतिकीविद श्री ए० ए० खोटेपाल को भूभौतिकीविद (कनिष्ठ) के रूप में उसी विभाग में नियमानुसार 700-40-900-४० रो०-40-1100-50-1300 रु० के वेतनमान के वेतन पर, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 21-5-85 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 957 बी/ए-19012(2-एम० एम० ए०)/86-19 बी०:—राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक भू-भौतिकीविद (उपकरण) श्री मन मोहन सिंह को भूभौतिकीविद (कनिष्ठ) (उपकरण) के पद पर उसी विभाग में नियमानुसार 700-40-900-४० रो०-40-1100-50-1300 रु० के वेतनमान के वेतन पर, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 29-10-86 के पूर्वाह्न से नियुक्त कर रहे हैं।

दिनांक 9 फरवरी, 1987

सं० 1327 सी/ए-19012(1-ए० के० ए० आर०) 79-19 बी०:—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक भूवैज्ञानिक श्री स्वप्न कुमार सिंह राय द्वारा दिये गए त्यागपत्र को वापस लेने की अनुमति दे दी है। इस कार्यालय के दिनांक 23-4-1985 की अधिवृत्ति सं० 4260 बी/ए-19012(1-ए०

के० एम० आर०) 79-19 ए का अधिक्रमण करते हुए इसे जारी किया जा रहा है।

दिनांक 10 फरवरी 1987

सं० 565एन/ए-201(1-आर० ए० ओ०)/2-19 ए०—राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी श्री के० एम० गोस्वामी को क्षेत्रीय प्रशासनिक अधिकारी के रूप में उसी विभाग में नियमानुसार 1300-50-1700 रु० के वेतनमान के वेतन पर स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आवेश होने तक, 25-11-86 के पूर्वाह्ल से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

अमित कुशारी,
निदेशक (कार्मिक)

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 11 फरवरी, 1987

सं० ए-19011/263/86-ए० पी० पी०—वार्धक्य आयु प्राप्त करने पर सेवा निवृत्ति के पश्चात् श्री सी० अश्वत्थनारायण, सहायक खान नियंत्रक, जो भारतीय खान ब्यूरो में दिनांक 1 फरवरी, 1986 के पूर्वाह्ल से उन्हें कार्य-मुक्त किया गया तथा तदनुसार इस विभाग में स्थापना संख्या में से उनका नाम काट दिया गया है।

दिनांक 13 फरवरी, 1987

सं० ए० 19012(82)/77-स्था ए०—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर, श्री एच० बनर्जी, सहायक प्रशासन अधिकारी की भारतीय खान ब्यूरो में रु० 840-40-1000-३० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में स्थानापन्न रूप में प्रशासन अधिकारी पद पर दिनांक 5 फरवरी, 1987 के पूर्वाह्ल से पदोन्नति की गई।

पी० पी० वादी,
प्रशासन अधिकारी
हूते महानियंत्रक
भारतीय खान ब्यूरो।

नागपुर, दिनांक 10 फरवरी 1987

सं० ए-19011(292)/85-स्था० ए०—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर, श्री एम० ब्रह्मानन्दन, सहायक खनिज अर्थशास्त्री (आ०) को भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न रूप में उप खनिज अर्थशास्त्री (आ०) के पद पर रु० 1100-50-1600 के वेतनमान में दिनांक 30-1-1987 के पूर्वाह्ल से पदोन्नति प्रदान की गई है।

सं० ए-19011(399)/87 स्था० ए०—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर श्री अरूपानन्द नाईक, सहायक खनिज भूविज्ञानी को भारतीय खान ब्यूरो में कनिष्ठ

खनिज भूविज्ञानी के पद पर दिनांक 29-1-1987 के पूर्वाह्ल से पदोन्नति प्रदान की गई है।

दिनांक 11 फरवरी 1987

सं० ए-19012(230)/87-स्था० ए०—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर, श्री वी० डी० वैद्य, वरिष्ठ तकनीकी सहायक (आ० प्र०) की भारतीय खान ब्यूरो में, स्थानापन्न रूप में सहायक अनुसन्धान अधिकारी (आ० प्र०) के पद पर दिनांक 3 फरवरी, 1987 के पूर्वाह्ल से पदोन्नति की गई।

सं० ए-19012(231)/87-स्था० ए०—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर, श्री ए० जी० पाटुक्ले, वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूविज्ञान) को भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न रूप में खनिज अधिकारी (आसूचना) के पद पर दिनांक 3 फरवरी, 1987 के पूर्वाह्ल से पदोन्नति किया गया।

जी० सी० शर्मा
सहायक प्रशासन अधिकारी
हूते महानियंत्रक
भारतीय खान ब्यूरो

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 3 फरवरी 1987

सं० सी-8/718-ए०—निम्नलिखित अधिकारियों को भारतीय सर्वेक्षण विभाग में स्थापना एवं लेखा अधिकारी (सा० सि० से० ग्रुप "बी") के पद पर संशोधित वेतनमान रु० 2375-75-3200-६० रो०-100-3500 पर उनके नाम के सामने दी गई तारीख से स्थानापन्न रूप में नियमित आधार पर नियुक्त किया जाता है:—

क्रम सं०	नाम तथा पद	यूनिट/कार्यालय	तारीख
1.	श्री पिताम्बर लाल शर्मा, दक्षिण पूर्वी अधीक्षक, महासर्वेक्षक का कार्यालय।	सर्किल, भुवनेश्वर	1-12-1986 (पूर्वाह्ल)
2.	श्री मनजीत सिंह, अधीक्षक, महासर्वेक्षक का कार्यालय।	पश्चिमोत्तर सर्किल, चण्डीगढ़।	30-12-1986 पूर्वाह्ल
3.	श्री प्रकाश नारायण शर्मा, अधीक्षक, महासर्वेक्षक का कार्यालय।	उत्तरी सर्किल, देहरादून।	22-12-1986

दिनांक 11 फरवरी 1987

सं० स्था-10/594-मैनेजर—श्री विजय कुमार गुप्ता, सामान्य केन्द्रीय सेवा ग्रुप "बी" (राजपक्षित), भारतीय

सर्वेक्षण विभाग में सहायक प्रबन्धक (मानविक पुनरुत्पादन) के अस्थायी पद पर स्थानापन्न रूप में 2000-60-2300-ब० रो०-75-3200-100-3500 रुपये के संशोधित वेतनमान में दिनांक 24 दिसम्बर, 1986 पूर्वाह्न से नियुक्त किए जाते हैं। उनका वेतन रु० 2060/- (रुपये दो हजार साठ केवल) प्रतिमाह निर्धारित किया जायेगा।

गिरीश चन्द्र अग्रवाल
मेजर-जनरल
भारत के महासर्वेक्षक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 6 अक्टूबर 1986

सं० 9/27/82-एस 3--इलेक्ट्रॉनिकी विभाग में वैज्ञानिक/इंजीनियर "एस० डी०" के रूप में स्थायी हो जाने के परिणामस्वरूप महानिदेशक आकाशवाणी श्री आर० सुबु-राज का आकाशवाणी में सहायक इंजीनियर के पद से 1 मई, 1984 से "तकनीकी त्यागपत्र" स्वीकार करते हैं।

बी० एस० जैन
प्रशासन उपनिदेशक (ई)
कृते महानिदेशक

परमाणु ऊर्जा विभाग

क्रय और भण्डार निदेशालय

बम्बई-400085 दिनांक 6 फरवरी 1987

सं० क्रम नि/बी-3/स्था०/87-प्रशा०/6080--क्रय और भण्डार निदेशालय के केन्द्रीय भण्डार एकक के स्थायी भण्डारी तथा स्थानापन्न सहायक भण्डार अधिकारी, श्री एल० एच० बागवे का 28 जनवरी, 1987 को वेतान्त हो गया।

सं० क्रम नि/2/1(26)/83-प्रशा०/7127--परमाणु ऊर्जा विभाग, क्रय और भण्डार निदेशालय के निवेशक ने स्थायी क्रय सहायक, श्री आर० सामीनाथन को इसी निदेशालय में दिनांक 19 जनवरी, 1987 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक 2000-60-2300-ब० रो०-75-3200-100-3500 रुपये के वेतनमान में सहायक क्रय अधिकारी के पद पर अस्थायी तौर पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

दिनांक 10 फरवरी 1987

सं० क्रम नि/41/12/85-प्रशा० 7484--परमाणु ऊर्जा विभाग, क्रय और भण्डार निदेशालय के निवेशक ने स्थायी क्रय सहायक श्री पी० एल० खन्ना, को इसी निदेशालय में दिनांक 1-9-1986 (पूर्वाह्न) से 24-10-1986 (अपराह्न) तक 2000-60-2300-ब० रो०-75-3200-100-3500 रु० के वेतनमान में सहायक क्रय अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है, यह नियुक्ति सहायक

क्रय अधिकारी, श्री टी० बी० रामस्वामी, के स्थान पर की गई है जिन्हें उक्त अवधि के लिए छुट्टी प्रदान की है।

बी० जी० कुलकर्णी
प्रशासन अधिकारी

परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-500016, दिनांक 12 फरवरी 1987

सं० पत्र प्र-8/7/85-भर्ती--निदेशक, परमाणु खनिज प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग एतद्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्न सहायक लेखा-पाल, श्री महावीर सिंह को उसी प्रभाग में श्री आर० एस० गुप्ता, सहायक लेखा अधिकारी के छुट्टी पर जाने पर 29-12-86 से 6-2-87 तक स्थानापन्न रूप से सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

अ० व० खान
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

निरीक्षण महानिदेशालय

सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क

नई दिल्ली, दिनांक 30 जनवरी, 1987

सं० 1/87--श्री ए० बी० बासु ने जो पहले केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तलय, बोलपुर में अधीक्षक, ग्रुप "ख" के पद पर तैनात थे, निरीक्षण महानिदेशालय के दिनांक 8-8-86 के आदेश संख्या 1041/47/84-पू० प्रा० यू के अनुसार निरीक्षण अधिकारी ग्रुप "ख" के पद पर नियुक्ति होने पर निरीक्षण महानिदेशालय (सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क) की कलकत्ता स्थित पूर्वी प्रादेशिक यूनिट में 1-1-87 (पूर्वाह्न) से निरीक्षण अधिकारी ग्रुप "ख" के पद का कार्यभार संभाल लिया।

एच० एम० सिंह
निरीक्षण महानिदेशक

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-110066, दिनांक 13 फरवरी 1987

सं० ए-19012/1180/86 स्थापना पांच--अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री निखिल चन्द्र कुन्डू, कनिष्ठ अभियन्ता को प्रतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरिंग) के ग्रेड में 2000-60-2300-ब० रो०-75-3200-100-3500 रुपये के वेतनमान में 18-8-1986 की पूर्वाह्न से एक वर्ष की अवधि के लिये अथवा पत्र के नियमित आधार पर भरे जाने तक जो भी पहले हो, पूर्ण अस्थाई तथा तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

एम० आर० सिंगल
अवर सचिव
केन्द्रीय जल आयोग

उद्योग मंत्रालय

कम्पनी कार्य विभाग

कम्पनी के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और मै० एस० एस० एम० इन्फोर-
मैटिक्स कन्सल्टैन्ट्स प्रा० लिमिटेड के विषय में।

नई दिल्ली, दिनांक 17 दिसम्बर 1986

सं० 12154/36072—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख के तीन माह के अवसान पर एस० एस० एस० इन्फोरमैटिक्स कन्सल्टैन्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दक्षित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

ह०/-अपठनीय
सहायक रजिस्ट्रार आफ कम्पनीज
देहली और हरियाणा
नई दिल्ली

आयकर आयुक्त का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 24 दिसम्बर 1986

आयकर

सं० आ० आ०-5/ज्यूस/12/86-87—आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43वां) की धारा 124 की
उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस सम्बन्ध में प्राप्त
अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त,
दिल्ली-5, नई दिल्ली निदेश देने है कि दिनांक 26-12-86
से निम्नलिखित आयकर वाडों का उन्मूलन किया जायेगा:—

क्रम संख्या	वाड	आई० ए० सी० जिनके प्रशासनिक नियंत्रण से वाड का उन्मूलन किया जायेगा
1.	11(12) अतिरिक्त	5 ए
2.	4(7) अतिरिक्त	5 सी

पी० महाजन
आयकर आयुक्त दिल्ली-5

प्रारूप आर्द्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 22 जनवरी, 1987

सं० ए० सी०-73 आर-II/कलकत्ता/86-87:—अतः

मुझे, एस० एन० तिवारी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 19/81 है, जो ब्लाक 'ई' न्यू अलिपुर, कलकत्ता-53 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ह्यमान प्रतिफल से ऐसे ह्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री निलधन मजूमदार।

(अन्तरक)

2. मै० सिगो मिगो हाउसिंग एण्ड क्रेडिट को० प्रा० लि०।

(अन्तरिती)

3. श्री निलधर मजूमदार एवं परिवार
श्री सत्येन्द्र मजूमदार एवं परिवार
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. श्री सुधोर चन्द्र मजूमदार, एस० एम० मजूमदार,
शंकर चन्द्र मजूमदार, सुभेन्द्र मजूमदार,
इन्द्रानी रॉय, संजय जूमदार,
रनजय और सुजय मजूमदार
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

उल्लिखित दलील सं० 37ईई/आई/आर-II/कल/86-87 तारीख 6-6-1986 के अनुसार 19/81, ब्लाक 'ई', न्यू अलिपुर, कलकत्ता-53 में 7 क० 43व० फुट स्थित है।

एस० एन० तिवारी,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज II, कलकत्ता

तारीख : 22-1-1987

मोहर :

प्रकृष बाई.टी.एन.एच.-----

1. श्री रघुनाथ प्रसाद कनोरिया और अन्य ।

(अंतरक)

2. चन्द्र हस्टेट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपाहस्ताक्षरी के पात्र निहित में किये जा सकेंगे।

व्याख्याकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही बर्ण होगा, जो उस अध्याय में विधा पया है ।

भाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाबकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 22 जनवरी 1987

निर्देश सं० ए० सी० 74/86-87.—अतः मुझे, एस० एन०
तिवारी,

भाबकेंद्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी संख्या 15 है, जो बर्दवान रोड, कलकत्ता में
स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधि-
कारी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन, 37 ईई/13/आर-II/कल/86-87
तारीख 11-6-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का
एकह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अत-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से कि किसी भाब की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाब या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय भाबकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अनुसूची

उल्लिखित दलील संख्या 37ईई/13/आर- /कल/86-
87 तारीख 11-6-86 के तहत 2 नि० 5 क० 10 छ/
जमीन सपित मजान 94, बर्दवान रोड, कलकत्ता पर स्थित
है।

एस० एन० तिवारी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक भाबकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जित ह—

तारीख : 22-1-1987
मोहर :

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

कौ यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को धारण के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधये :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह में सम्प्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राखपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा दबोहस्ताभरौ के पार लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसूची

पंजीकृत दलील सं० 378ई/14/आर-II/कल/86-87
तारीख 11-6-86 के अनुसार, 8, राजा सन्तोष रोड,
कलकत्ता-27 पर 2294 व० फुट अवस्थित है।

एस० एन० तिवारी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
भारत रजि. १, कलकत्ता

तारीख : 22-1-1987

मोहर :

संख्या आई.डी.एन.एच.-----

1. श्री मधुगुल उद्योग।

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती सरिता गोयेंका।

भारत सरकार

(अन्तरिती)

कार्गिसन, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्य 2—

कलकत्ता, दिनांक 28 जनवरी, 1987

सं० 2426/ए० सी० क्यू/आर-III/कल/86-87:—

अतः मुझे, आई० के० गायेन,

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उत्तमव्यवधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

और जिसकी संख्या 176 है तथा जो शरत बोस रोड कलकत्ता
स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय सं० आ०
आ० निरीक्षण अर्जन रेंज-3, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
16-7-1986

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
करने का कारण है कि वहाप्राप्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उक्त व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का
पञ्चम प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब बाका बका प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से अधिक नहीं किया गया है।

(क) अंतरण से हुई किसी बात की वाक्य, उक्त
अधिनियम की धारा 269-अ के अन्तर्गत की
वाक्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

प्लेट नं० 4 ए

क्षेत्र : 1800 वर्ग फुट

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसमें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

आई० के० गायेन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की अपूर्ण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित 3—

तारीख : 28-1-1987

मोहर :

प्रथम भाग, टी. एच. एच.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 28 जनवरी, 1987

सं० 2427/ए० सी० क्यू/आर-III/कल०/86-87:—

यतः मुझे, आई० के० गायन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

औ जिसकी संख्या 11 ए है तथा जो पाम एवेन्यू कलकत्ता
में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सं० आ०
आ० (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-6-86
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवधान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वस्थित सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवधान प्रतिफल से, ऐसे व्यवधान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब बाधा नया प्रति-
फल विमोचनार्थ उद्देश्य है उक्त अंतरण विहित के वास्तविक
रूप से कीमत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रभावार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. के० एन० प्रापटीज प्रा० लि०।

(अन्तरक)

2. ब्रेबोन इन्वेस्टमेंट लि०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के बाजार के मूल्य
कार्यवाहियों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के बाजार के मूल्य में कोई भी वाक्य:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त कच्चे और पक्के का, या उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 2 डी

क्षेत्र : 1927 वर्ग फुट

आई० के० गायन,

प्रासक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख : 28-1-1987

मोहर :

रूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 28 जनवरी, 1987

सं० 2428/एसी न्यू० आर-III/कल०/86-87:--

अतः मुझे, आई० के० गायेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 18/2 है तथा जो गाडियाहाट रोड
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और,
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सं० आ० आ० (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 26) "अधीन, तारीख
16-6-1987

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय
प्रतिफल के लिए वन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि वधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का
संग्रह प्रतिफल से अधिक है और वन्तरण (वन्तरणों) बाहु वन्तरणों
(वन्तरणियों) के बीच ऐसे वन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त वन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) वन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
हाथिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वस्तुओं
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ वन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्रीमती नन्दिनी बन्सल ।

(अन्तरक)

1. श्री रवि शंकर सारोगी और अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करूँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 8 बी ।

क्षेत्र 1406.50 वर्ग फुट ।

आई० के० गायेन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

तारीख : 28-1-1987

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री हर्मीत सिंह कालरा

(अन्तर्गत)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

2. मास्टर बिल्डर्स।

(अन्तर्गति)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

अर्जन रेंज कलकत्ता

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

कलकत्ता दिनांक 28 जनवरी 1987

सं० 2429/ए सी ब्यू०/आर-III/कल/86-87:—

यतः मुझे, आई० के० गायन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और ज़िम्मेदारी संख्या 190 है तथा जो शरत बोस रोड कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सं० आ०
आ० (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16-6-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तर्गति द्वारा छूट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

पक्षका मकान

जमीन 7 छ: 2 रुट्टा 20 ब० फुट

आई० के० गायन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख : 28-1-1987

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री गंगा देवि दास

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

2. सत्यम प्रोजेक्ट्स लिमिटेड।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 2 दिसम्बर 1987

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशंका :--

कलकत्ता सं० 2393/ए सी क्यू० आर-III/कल/86-87

यतः मुझे, आई० के० गायेन,

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-
रुपये से अधिक है

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

और जिसकी संख्या 2 है तथा जो विजय ब्रोम रोड कलकत्ता में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मक्षम प्राधि-
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 16-6-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से मुक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

साष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

अनुसूची

(ख) एंसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

12 कट्टा जमीन का अपर दोनला बाड़ी प्रेमिसेम नम्बर
2 विजय बासु रोड कलकत्ता मक्षम प्राधिकारी के पास
16-6-86 तारीख में रजिस्टर्ड किया।

आई० के० गायेन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधि-
3-486GI/86

दिनांक : 2-12-1986

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.—

1. जैनैलिक लिमिटेड

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. जिव शंकर वाम् ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 2 दिसम्बर, 1986

सं० 2394/ए. सी० क्यू० आर-III/कल/86-87 — यतः मुझे, आई० के० गायेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 34 है तथा जो एलेम्ब्ली रोड, कलकत्ता 28 में स्थित है और इसमें उभावद्ध अनुसूची में और रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-6-1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करमे या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नम्बर सी एण्ड डी, प्रेमिंस नम्बर 34 एलेम्ब्ली रोड, कलकत्ता-20 में एरिया 1752 वर्ग फुट, सक्षम प्राधिकारी, के पास 16-6-86 तारीख में रजिस्टर्ड हुआ।

आई० के० गायेन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज कलकत्ता

तारीख 15-12-1986

मोहर :

प्रकरण बाई. टी. एन. ए. २०००

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 फरवरी, 1986

मं० अई-2/37ईई/34551/85-86:—अतः, मुझे,
एम० एम० राय,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 51, ए. विंग, नरेन्द्र अपार्टमेंट
अपार्टमेंट खार दांडा बम्बई-52 में स्थित है (और इसमें उपा-
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख, के
अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री
है, तारीख 6-6-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके वर्तमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवधान प्रतिफल का
पट्ट प्रत्यक्ष से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिणी
(अंतरिणीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अंतरण में हुई किसी बात की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्ययिष में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तव्य
को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्-
नार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या
वा किया जाना चाहिए वा छिपाने में सविधा
के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
नहीं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैमर्स आर० एन० विल्डर्स।

(अन्तरक)

2. श्रीमती तबस्सुम डी० चौधरी

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 51, ए. विंग, पांचवी मंजिल, नरेन्द्र अपार्टमेंट,
खार दांडा, बम्बई-400062 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र सं० अई-2/37ईई/34551/85-
86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-6-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एम० एम० राय,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 9-2-1987
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री सुरेश एन्टरप्राइजेस।

(अन्तरक)

2. वासुदेव सी० बाधवा।

(अन्तरिती)

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) की अधीन सूचना

प्राप्त सूचना

कानून, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 फरवरी, 1986

सं० आई-2/38ईई/34877/85-86:—असः, मुझे, एम० एस० राय,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 61, प्लॉट नं० ए-7, खार, बम्बई-52 में स्थित है, (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 20-6-1987

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पक्ष में अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्घोष से उक्त अंतरण निश्चित में वास्तविक रूप से कायम नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) इसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्य का, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, निम्नलिखित में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्धन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृत्ति किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाद लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 61, जो, प्लॉट नं० ए-6, जंक्शन आफ 14 ए रोड और माउथ ऐवेन्यू, खार, बम्बई-400052 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/34877/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-6-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एम० एस० राय,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बम्बई

तारीख : 9-2-1987
मोहर :

प्रकाश बाई.डी.एन.एस.-----

1 मैसर्स सुरेश एन्टरप्राइजेस।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. मैसर्स देदानी एक्सपोर्ट्स (पी०) लिमिटेड।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्धन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

अर्जन रेंज, बम्बई

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

बम्बई, दिनांक 9 फरवरी, 1987

स० अई-2/37ईई/34878/85-86:— अतः, मुझे, एम०

एम० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट न० 32, शांतिवन, खार, बम्बई-52 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 20-6-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृत्विधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृत्विधा के लिए;

फ्लैट न० 32, शांतिवन, प्लॉट न० ए-7, अवशान आफ चौववा ए रोड और साउथ एवेन्यू, खार, बम्बई-400052 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र स० अई-2/37ईई/34878/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-6-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एम० एस० राय,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-2, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 9-2-1987

मोहर :

प्रकरण आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई दिनांक 9 फरवरी 1987

निदेश सं० आई-2/37/ईई-34879/85-86—अतः, मुझे
एम० एस० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 31, शांतीवन खार, बम्बई-52 में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा
269 क.ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई
में रजिस्ट्री है, दिनांक 20 जून 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स सुरेश एन्टरप्रायसेस।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स दुबानी एक्मपोर्टस् (पी) लिमिटेड।

अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, यही अर्थ होंगे जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

“प्लेट नं० 31, जो शांतीवन, प्लोट नं० ए-7, जंक्शन
आफ़ चोदवा ए रोड और माउण्ट एवेन्यू रोड, खार, बम्बई-
400052 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र०स० आई-2/37-ईई/34879/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
20-6-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एम० एस० राय,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2(बी), बम्बई,

तारीख : 9-2-1987
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई-2/37-ईई/34506/85-86—अतः, मुझे,
एम० एस० राय,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
263-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० फ्लैट नं० 3, मान्ताकृज प्री टी हिमालया,
मान्ताकृज (पु), बम्बई-55 में स्थित है (और इसमें उपा-
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री
है तारीख 6 जून 1986को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पट्टा प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) अद्यता बेन मनु भाई देसाई।

(अन्तरक)

(2) गारुमल के० सुराना और अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कायबाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जहाँ भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

“फ्लैट नं० 3, जो पहली मंजील, मान्ताकृज प्री०टी०
हिमालया को-आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, छठवां
रोड, डेना बैंक के सामने, मान्ताकृज (पु), बम्बई-400055
में स्थित है।अनुसूची जैसा की क्र० सं० आई-2/37-ईई/34506/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
6-6-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एम० एस० राय,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2-बी, बम्बई

तारीख : 10-2-1987

मोहर :

प्ररूप आर्द्. टी. एन. एस. ———

(1) मैमर्स ओमेगा कामर्शियल प्रा० लि० 35-ए रीगल बिल्डिंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) मैमर्स श्रीराम फादरिक्स प्रा०, लि०, एक्स प्रेंस बिल्डिंग, 9-10, बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तर्गति)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 15 जनवरी 1987

निदेश सं० आर्ड०ए०सी०/एक्यू० 37/ईई/15/
/414/86-87—अत मुझे, मानिक चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० प्लैट नं० 601, छठी मंजिल जो सूर्य बिहार गुडगांव में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रोहतक में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक 26-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति प्लैट नं० 601 छठी मंजिल जो सूर्य बिहार गांव बुझाहेडा गुडगांव में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय नि० महा० आयकर आयुक्त (अ जी) रोहतक में रजिस्ट्री संख्या 37-ईई/15/414/86-87/2219 दिनांक 26-9-1986 पर दिया है।

मानिक चन्द,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक।

तारीख : 15-1-1987

मोहर।

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 13 जनवरी 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 37ईई/16/415/
87-86—अतः मुझे, मानिकचन्द, []

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० अपार्टमेंट नं० 301, ब्लॉक बी जो सूर्य
बिहार गुडगांव में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कक्ष लिये रोहतक में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के
अधीन दिनांक 26-9-1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4—486GI/86

(1) मैसर्स ओमेगा कामशियल प्रा० लि०, 35-ए
रीगल बिल्डिंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स श्री राम फाइब्रिक्स लि०, एक्सप्रेस बिल्डिंग,
9-10, बहादुर शाहजफर मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति अपार्टमेंट नं० 301, ब्लॉक-बी जो सूर्य बिहार
गांव गुडगांव गुडगांव में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्री-
कर्ता के कार्यालय नि०सहा० आयकर आयुक्त (अर्जन रेंज)
रोहतक में रजिस्ट्री संख्या 37-ईई/16/415/86-87/2225
दिनांक 26/9/86 पर दिया है।

मानिकचन्द,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 15-1-1987

मोहर :

प्रमुख भाग: 21 एन. एन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 15 जनवरी 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू-37-ईई/17/416/86-

87—प्रतः मुझे, मानिक चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 402, चौथी मंजिल जो सूर्य विहार गुडगांव में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में रोहतक में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक 26-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धारित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैगर्स श्रोमेगा कार्माशियल प्रा० लि०, 35, रीगल बिल्डिंग, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैगर्स श्रीराम फाइब्रिक्स लि०, एक्सप्रेस बिल्डिंग 9-10, बहादुर गाह जफर मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताधारी के पास लिखित में दिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अ. न. च.

सम्पत्ति फ्लैट नं० 402 चौथी मंजिल जो सूर्य विहार गुडगांव गांव गुडगांव में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय नि० सं० आ० आयुक्त (अर्जन रेंज) रोहतक में रजिस्ट्री संख्या 37-ईई/17/416/86-87/2216 में दिनांक 26/9/1986 पर दिया है।

मानिक चन्द,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 15-1-1987
मोहर .

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 15 जनवरी 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू 37-ईई/18/417/86-

87—अत. सुझे, मानिक चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित

बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 602 छठवी मंजिल जो सूर्य बिहार गुडगांव में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रोहतक में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक 26-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैमर्स ओवेगा कामर्शियल प्रा० लि० 35 इरीगल बिल्डिंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) म० श्रीराम फाइब्रिकम लि०, एक्सप्रेस, बिल्डिंग, 9-10, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति फ्लैट नं० 602 छठवी मंजिल जो सूर्य बिहार गांव बुडहड़ा गुडगांव में स्थित है और जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय नं० 58/आयकर आयुक्त अर्जन रेंज रोहतक में रजिस्ट्री सख्या 37-ईई/18/417/86-87/2209 में दिनांक 26-9-86 पर दिया है।

मानिक चन्द,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 15-1-1987

मोहर :

प्रमुख आई. टी. एन. एच. - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 15 जनवरी 1987

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 37-ईई/19/418/

86-87—अनः मुझे, मानिक चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 502 पाचवी मंजिल जो सूर्य बिहार गुडगांव में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय रोहतक भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 26-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव., उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स ओमेगा कार्मशियल प्रा० लि०, 35, रीगल बिल्डिंग नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीराम फाइब्रिक्स लि०, एक्सप्रेस बिल्डिंग, 9-10, बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति फ्लैट नं० 502 पाचवी मंजिल जो सूर्य बिहार गांव डुंडाहेडा गुडगांव में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय नं० मह० आयकर आयुक्त (अर्जुन रंज) रोहतक में रजिस्ट्री सख्या 37-ईई/19/418/86-87/ दिनांक 26-9-1986 पर दिया है।

मानिक चन्द,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, रोहतक

तारीख : 15-1-1987

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 15 जनवरी 1987

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्यू० 37-ईई/20/419

86-87—अतः मुझे, मानिक चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अपार्टमेंट नं० 302, ब्लाक-सी जो सूर्य
बिहार गुडगांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय रोहतक में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के
अधीन दिनांक 26-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का
एक प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से है किसी बाय की बाय, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उक्त बाय से दायित्व के लिए
अर्थ है

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 77)
के प्रयोगकर्ता अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
क्या या या किया जाना चाहिए या किया जाने
से दायित्व के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जुन रेंज

(1) मैसर्स ओमेगा कामशियल प्रा० लि०, 35-ए,
रीगल बिस्किंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री एच० एन० चौधरी, औरंगजुली टी गार्डन,
पी० ओ० पनेरीहर, दारंग।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में उक्त-
बहुत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, जहाँ-जहाँ
उक्त लिखित में लिखित या लिखित।

लक्ष्यीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति अपार्टमेंट नं० 302-सी जो सूर्य बिहार गांव
हुंसाहेड़ा गुडगांव में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजि-
स्ट्रीकर्ता के कार्यालय नि०सहा० आयकर आयुक्त (अर्जुन रेंज)
रोहतक में रजिस्ट्री संख्या 37-ईई/20-41986-87/2366
दिनांक 26-9-86 पर दिया है।

मानिक चन्द,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, रोहतक

तारीख : 15-1-1987

मोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 15 जनवरी 1987

निदेश सं० आई० प० सी०/एक्यू० 37-ईई/21/470/
86-87—अतः मुझे, मानिक चन्द,
आयकर अधिनाम, 1961 (1961 का 43) (जिस हसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 407-बी बिल्डिंग छवी मंजिल
जो सूर्य विहार गुडगाव में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय रोहतक में भारतीय आयकर अधिनियम
1961 के अधीन दिनांक 26-9-1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
अन्तरित प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण है और किसी बाय की बायत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अधिन्य
में कमी करने या उक्त करने में सुविधा के लिए,
और/वा

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य व्यक्ति
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
अथवा अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अनुसूचार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या वा किया जाना चाहिए वा, विधान के द्वारा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसंरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :—

(1) मैजर्स ओमेगा कार्मिगियल प्रा० लि० 35-ए रीगल
बिल्डिंग संसद मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुधावेन सन्तकुमार शाह, श्री संजीव
सन्त कुमारशाह श्री प्रदीप सन्त कुमार शाह बजरिये
मल्टीप्राफ मशीनरी क० मानू मन्मन, 16 नहीद भगत
सिंह रोड, बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में आई.टी.एस. :—

(अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति फ्लैट नं० 907-बी बिल्डिंग नवी मंजिल जो
सूर्य विहार गुडगाव गुडगाव में स्थित है जिसका अर्धिक
विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय नि०महा० आयकर आयुक्त
(अर्जन) में रोहतक रजिस्ट्री मख्या 37-ईई/21/420/86
87/2206 में दिनांक 26/9/86 पर दिया है।

मानिक चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज, रोहतक

तारीख : 15-1-1987

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एम्. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 15 जनवरी 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एनयू० 37 ईई/22/421/86-

87 अतः मुझे, मानिक चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट नं० 902/सी बिल्डिंग नकी, मंजिल सूर्य विहार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रोहतक में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 26-9-1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किमी भू या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) मैजर्स ओमेगा कार्मिणियल प्रा० लि० 35-ए रीगल बिल्डिंग, संमद मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री नरेन्द्र कोराडिआ, 106/बी मितलावर नारी-मन पोईट, बम्बई-400021।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति प्लैट नं० 902/सी बिल्डिंग नकी मंजिल सूर्य विहार गांव हुंडादेडा गुडगांव में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय नं०महा० आयकर आयुक्त (अर्जन) में रोहतक में रजिस्ट्री संख्या 37-ईई/22/421/86-87/2203 में दिनांक 26/9/86 पर दिया है।

मानिक चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 15-1-1987

मोहर :

प्रकृषु बाई. टी. एन. ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 15 जनवरी 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एन्यू. 37-ईई/23/422/
/86-87—अतः मुझे, मानिक चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अपार्टमेंट नं० 4 बिल्डिंग नं० 27, डी
एल एफ कुतब इन्क्लेव गुडगांव में स्थित है (और इससे
उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय रोहतक भारतीय आयकर
अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 26/9/86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की इस्तेमाल
प्रतिफल के लिए अन्तरित हो गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके इस्तेमाल प्रतिफल से, ऐसे इस्तेमाल
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
शका प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से अधिक नहीं पाया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाधित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) डी०एल०एफ० यूनिसर्स लि० 21-22 नरेन्द्रा,
प्लेस संसद मार्ग नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री ए० के० मिश्रा एवं श्रीमती सुधा गुप्ता
बी-23, चिराग इक्लेव नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

बन्दीकरण :—इसमें प्रयुक्त सबों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही बर्त होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बन्तुची

सम्पत्ति अपार्टमेंट नं० 4 बिल्डिंग 27 में डी एल एफ
कुतब इन्क्लेव गुडगांव में स्थित है जिसका अधिक विवरण
रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय नि०सहा० आयकर आयुक्त (अर्जेन)
रोहतक में रजिस्ट्री सं० 37-ईई/23/422/86-87/2000
दिनांक 26-9-86 पर दिया है।

मानिक चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, रोहतक

तारीख : 15-1-87

मोहर :

प्रकृष बाई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

अनुरोध सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज रोहतक

रोहतक दिनांक 24 दिसम्बर 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०गुडगांव/84/86-87—

अतः मुझे, बी० एल० खत्री,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन उक्त अधिकारी को, यह विज्ञापन करने का अनुरोध है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 327 कनाल 15 मरले जो गांव चौमा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुडगांव भारतीय भायकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 8-9-1986

की पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवकाश इतिष्य के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विज्ञापन करने का कारण है कि वहापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का समूह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बावत उक्त अधिनियम के अधीन यह वर्ष के अनुसूची के बावत से कमी करने या उससे अधिक में सूविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसूची में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्षातु :—

5-486GI/86

(1) श्री राजीव सेठ पुत्र श्री हरतलाल सेठ श्री अमृतलाल सेठ पुत्र श्री श्रीनिवास सेठ नि० 80 पश्चिम भाग बसंत विहार, नई दिल्ली (अन्तरक)

(2) श्री महेश लाल पुत्र श्री श्रीराम सयाल श्री अरजुन सयाल पुत्र श्री महेश सयाल, निवासी, 3/68, सफवरजग इन्कलेष, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्णतः सम्पत्ति के बर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णतः व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वशुव किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होना चां उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 327 कनाल 15 मरले, गांव चौमा तहसील गडगांव में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुडगांव में रजिस्ट्री सख्या 3159 दिनांक 8/9/86 पर दिया है।

बी० एल० खत्री,

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज-रोहतक

तारीख : 24-12-86

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 24 दिसम्बर 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/अम्बाला/3/86-87---

अतः मुझे, बी०एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फैक्टरी बिल्डिंग जो कि मोहड़ा गांव में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अम्बाला में
भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक
28-8-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि गथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या आयकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकाशित नहीं किया गया है, का
बताव दिया था, स्थिति में सुविधा के लिए

(1) के० ए० ए० रवर इन्डस्ट्रीज प्रा० लि० शुक्ल कुंड
रोड, अम्बाला शहर।

(अन्तरक)

(2) बाटा इन्डिया लि० सेक्स्पीअर सरानी
कलकत्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति फैक्टरी बिल्डिंग जो अम्बाला काला जी० टी०
रोड पर मोहड़ा गांव में स्थित है जिसका अधिक विवरण
रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय अम्बाला में रजिस्ट्री संख्या 4251
दिनांक 28-8-86 पर दिया है।

बी० एल० खत्री,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, रोहतक

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्ग
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख : 24-12-1986

मोहर :

प्रारूप भाग-टी.एन.एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्बलिव., सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 6 जनवरी 1987

निवेश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू० 37-ईई/413/86-87-

अतः मुझे, बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 502 जो पांचवीं मंजिल पर है जो कि हुंडाहेड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रोहतक में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 20-6-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वहापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से इसके दृश्यमान प्रतिफल के एकत्र प्रतिफल से अधिक है और बंहरक (बंहरकों) और बंहरिणी (बंहरिणीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) वस्तुतः यह किसी नाम की वास्तु, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के प्रयोजन से कमी करने या उचित करने के सुविधा और/वा

(ख) ऐसी किसी नाम या किसी धन या अन्य मापदंडों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, जिसका अन्तरण भी किया।

(1) मैसर्स ओमेगा कामर्शियल प्रा० लि० रीगल बिल्डिंग, कनाट प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मिस्टर ओमप्रकाश माथुर एवं डा० (श्रीमती) मिसेज माथुर 10 मिस्टरी मेनार नेपयन सी रोड, बम्बई-400006।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति फ्लैट नं० 502 पांचवीं मंजिल पर सूर्य बिहार (हुंडाहेड़ा जिला-गुड़गांव में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय रोहतक में रजिस्ट्री संख्या 37-ईई/413/86-87 दिनांक 20-6-86 पर दिया है।

बी० एल० खत्री,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार जो, य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रेषित है—

तारीख : 6-1-1987
तहरीर : —

(2) श्रीमती रीटा एम०टी० रेबेल्सो, सपत्नी स्व०
श्री जे०एम०जे० रेबेल्सो, "प्रेम विहार)",
फसनीर, मंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूरे स्त सम्पत्ति को बर्जन के विपु कार्यवाहियों करता है।

सत्यतः सत्यमित्येव सर्वत्र सर्वे शब्दाः सर्वे शब्दाः ॥

(क) इस सूचना को साधन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बड़ा र. समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इत सूचना के साखपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ब्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिद्धित में किए जा सकेंगे।

समाधीकरण:—इसमें प्रयुक्त कर्मों नीर पत्रों का, जो उनमें
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहाँ अर्थ होगा, जो उन अध्याय में विद्या
गया है।

बजट सुन्नी

(दस्तावेज सं० 437/86-87/17-6-1986)

स्थावर संपत्ति, मलजेंट राइट पर धारित, मंगलूर तालुक के अलावर गव. में और मंगलूर नगर निगम के बलमट्टा बार्ड के अंदर मंगलूर सिटी के उप-जिला के पंजीकरण के अंदर स्थित तथा निम्नसूचित व्योरो सहित :—
ग्रार०एस० सं० टी०एस०सं० बिस्तार ग्रन्थ्यक्तियां

42 125/1 ए०सर०-23 उत्तर-पश्चिम भागांश

सीमाएँ :-

उत्तर और पश्चिम : सब लाइनों
 पूरब : श्री एम०पी०एस० रेबेल्सों को
 दक्षिण : विनियत क्रमांक के ही बाकी अंश
 उसी धमक व साधारण मार्ग का
 बाकी अंश डोर सं० 16-8-532
 नया युक्त भवन, वृक्ष, उपाबंध तथा मार्ग व जल के
 मामली भोगाधिकार सहित ।

अर० भारद्वाज,
सहस्र प्राधिकारी,
मुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज बंगलूर

तारीख : 8-1-1987
मोहर :

(प्रत्येक)

प्रकाशक: श्री. एच. एस. एस.

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 9 जनवरी 1987

निवेश सं० सी०आर० 62/5017/86-87—अतः सुभे, आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 110/5 है, तथा जो 7 फ़ास, राजमहल बिलास, बंगलूर-80 में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19-6-1986, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसकी दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वस्तुओं को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) 1. श्री पी०सी० गिरि, सुपुत्र स्व० एम०सी० गिरि
2. श्री अविनाश गिरि
3. विनोद गिरि और राजीव गिरि सुपुत्र श्री पी०सी० गिरि, सं० 110/6, 7-फ़ास राजमहल, बंगलूर-80। (अन्तरक)

(1) श्री बी०आर० सचदेव सुपुत्र एच, अमरनाथ सचदेव

1. श्री बी०आर० सचदेव

2. श्रीमति पुष्पा सचदेव, समस्ती श्री बी० आर० सचदेव

3. राजिव सचदेव सुपुत्र श्री बी०आर० सचदेव।

271, अप्पर फैलेम आरचर्ड्स, बंगलूर-560 006।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(इस्तालेज सं० 462 ता० 19-6-1986)

भूमि का वह सभी अंश और भाग, उपर के भवन सहित जो अब निगम सं० 110/6 से परिचित है और जो निगम प्रभाग सं० 82 (पूराना सं० 45) बंगलूर में 7 फ़ास, राममहल बिलास एक्स्टेंशन में स्थित है।

सीमाएं :—

पूरब	: 7 फ़ास से
पश्चिम	: पुराने निवेश सं० 107 से धारित निजी संपत्ति से
उत्तर	: पुराने निवेश सं० 109 से धारित निजी संपत्ति से
दक्षिण	: पुराने निवेश सं० 111 से धारित निजी संपत्ति से

आर० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 9-1-1987

मोहर :

प्ररूप आर्ह.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, 16 दिनांक जनवरी 1987

निदेश सं० सी० आर० 62/50193/86-87 यतः

मुझे आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 275/31 है तथा जो 17वां क्रॉस रोड, सदाशिव-नगर, बंगलूर में स्थित है और जिसकी सं० और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 न (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 3-9-1985, गांधीनगर,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) प रामस्वामी,

2. अशीश राजन,

पुत्र के० रान, राजन सं० 115, जवाहन रोड,
राजमहल विलास एक्सटेंशन,
बेंगलूर-560080

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ममता आर० शेटी,

पुत्री आर० एन० रोही,

सं० 122, कश्मिरा रोड, बेंगलूर-560052।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वस्तावेज सं० 1104, दिनांक 3-9-86)

सब सम्पत्ति है जिसका सं० 275/31, पुराना सं० 275, 17वां क्रॉस रोड, सिवाजवनगर, कारपोरेशन डिवी न सं० 82 (पुराना डिविजन सं० 45) बेंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बेंगलूर

दिनांक : 16-1-1987

मोहर :

अथवा कोई टी. ए. ए. ...

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 1 दिसम्बर 1986

निदेश सं० डी० आर० 1767 यतः मुझे, आर० भारद्वाज, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 41, और 42 है तथा जो टांगिाही पणजी, गोवा में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), री स्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 के का 16) के अधीन, दिनांक 2-6-1986, बेंगलूर

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतर्गती (अंतर्गतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. श्री आंटोनियो बेंडोकारमी लुसी पेडरो रोडरिक्स
2. श्रीमती आलिस विशेंकटा डि० पीडेड डैयास,
3. कुमारी मारिया डि० फातिमा डा० पीडेड डैयास रोडरिक्स, 4. श्रीमती आलवा फ्रान्सिसको ड पीडेड डैयास डे रोडरिक्स, 5. श्री फरनांडी जोसो फेलिक्स ड० सलवा 6. श्री जीसलिटो ड पीडेड डैयास ड० रोडरिक्स, 7. श्रीआंटोनियो तुलेमिनी माटियास निक्वेरा मारटिन्स और 8. श्रीमती ऐलगा.एरेस फरनांडीस मारटिन्स एसब टांगिाए गांव, पणजी, गोवा में रहने वाले ।

(अन्तरक)

- (2) मेमर्न थालीस होम्स और एस्टेट्स पणजी, गोवा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वाबन सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वस्तु सं 1315/86-87 दिनांक 2-6-86)
सब सम्पत्ति का नाम 'अपोनसचि टोलाय' चलता सं० 41 और 42, का पी० टी० शीट सं० 152, इल्हास, पणजी, गोवा सं० 10815 के लिए री स्ट्रीकरण था है और जिस सम्पत्ति टांगिाही गांव में स्थित है जिस 2664 वर्ग मीटर सम्पत्ति या पेडयू इस प्रकार है पूर्व में टांगिाए गांव पंचायत का लोकल निमित्स, पश्चिम में आक्सो वीगस का सम्पत्ति और सार्वजनिक रोड, उत्तर में वासगी सम्पत्ति और दक्षिण में आ रे-लियानो डि० मेलो का सम्पत्ति है ।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 1-12-1986
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक दिसम्बर 1986

निदेश सं० डी० आर० 1768/86 87 यतः मुझे, आर०
भारद्वा ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० चलता सं० 54 है, तथा जो आलटिनो मनुको
गोवा में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक 2-6-1986, बंगलूर ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
त, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. लुइस रफेल आगुस्टिनो डि० सं०
2. गिसिला प्रान्तिम जोस डि० सं०
3. आन्टोनियो बालफागो डि० सं० अलियास
आन्टोनियो डी० सं० 4. श्रीमती हेलेन डी० सं०
प्लाट सं० 602, प्रह्लाद, 17, लिफिंग रोड
संता क्रुज, बम्बई-54 ।

(अन्तरक)

- (2) मेसर्स आलकनु रियल एस्टेट्स (प्रा०) लिमिटेड
बेलहो ब्रिलिडिंग
पणजी, गोवा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(वस्तुतः सं० 1316/86-87, दिनांक 2-6-86)

सब सम्पत्ति जिसका ना टेमेरिकी मोखो और एक ब्रिलिडिंग
है जिस सम्पत्ति सिविला न्यायालय का पास, आलटिनो में मणुका
टन म्युनिमपल लिमिटेड, बारदेज, तालुक गोवा में है, जिस सम्पत्ति
का घर नोबिस लूइस डि सैजा और मारिया नखीना
प्राणापसका डिसेना इस 1 फेवर रजिस्ट्रीकरण किया है
रजिस्ट्रीकरण का म्याटरिज प्रीडियल न० 1068, चलता सर्वे सं०
54 पी० टी० शीट सं० 124 का संमत्ति का एरिया 1069 वर्ग
मीटर है जिसका गड्यूल अग्रीमेट का दिनांक 29-3-86 में पूरा
सूचन किया है ।

आर० भारद्वा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

दिनांक 8-12-86

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 7 9 जनवरी 1987

निदेश सं० आर० 2212/86-87--ए० सी० क्यू०/

बी-यतः मुझे, आर भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 2 (पुराना सं० 9) है, तथा जो चर्च स्ट्रीट, सिविल स्टेशन, बंगलूर में स्थित है या और इसमें उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्जित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 2-6-1986, बंगलूर--1

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचन में सुविधा के लिए; और/या

(क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

6-486GI/86

(1) श्री के० जी० फेलिक्स, पावर आफ अटार्नी होल्डर मेमर्स प्रेस्टीज कमर्शियल काम्पलेक्स, सं० 2, (पुराना सं० 9),

चर्च स्ट्रीट, सिविल स्टेशन,
बंगलूर-560 001

(अन्तरक)

(2) श्री अर्जुन एम० मेंडा,
केयर आफ/मिसम् के० राहोजा डेवलपमेंट कारपोरेशन
III, पलोर, सेंटिनेरी बिल्डिंग;
सं० 28, एम० जी० रोड, बंगलूर-560 001

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1722/86-87 दिनांक 2-6-1986)

सं० 2 (पुराना सं० 9), चर्च स्ट्रीट, सिविल स्टेशन, बंगलूर मध्यक भूमि में अविभाजित हिस्से के 84 × का वह भूमि अंश व भाग जिसका नापतोला है 150 × फीट 86 फीट और जिसमें संपूर्ण भवन मिला हुआ है सिवा नीचे तल्ले के स्वामित्व और उपयोग के अर्थात् पहले, दूसरे, तीसरे व चौथे तल्लों का संपूर्ण निर्मित क्षेत्रफल हर तल्ला 9620 वर्ग फुट तथा पांचवें तल्ले का निर्मित क्षेत्रफल 2874 वर्ग फुट तथा संपूर्ण तहखान क्षेत्रफल जो पूरब में सं० 1 चर्च स्ट्रीट से, पश्चिम में सं० 3 चर्च स्ट्रीट से, उर में चर्च स्ट्रीट से तथा दक्षिण में नेस्ट हाउस रोड में स्थित एक मकान से घिरा है।

भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 9-1-1987

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर दिनांक 9 जनवरी 1987

निदेश सं० आर० 2218/86-87—यतः सुझे आर०
भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 15 (पहले सं० 15) है तथा जो पामग्रव रोड
आस्टिन टाउन, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाधधनसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन बंगलूर दिनांक 2-6-1986
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (1) श्रीमती पी० शारदा देवी
समत्नी स्व० श्री के० नवनीता
सं० 47 रंगस्वामी मन्दिर स्ट्रीट
बंगलूर-560 023 ।

(अन्तरक)

- (2) मेमर्स स्काइलाइन कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड
यूनिट-11 महली तल्ला सेंट प्रेट्रिक्स बिसनेस का
काम्पलेक्स म्यूजियम रोड
बंगलूर-560 025 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिमिटेड में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(दस्तावेज सं० 1768/87 दिनांक 2-6-1986)

भूमि का वह सभी भाग व अंश उस पर खड़े निर्माणों-
सहित जो 'दि पाम' के नाम से परिचित है और अब म्यूनिसिपल
सं० 15 (पहले 2) पामग्रव रोड आस्टिन टाउन
बंगलूर-560 047 क पतेवाला है करीब 33700 वर्ग फीट
नापनेवाला ज़िम्की मीमाएं हैं :—

उत्तर में	: खामगी संपत्ति
दक्षिण में	: खामगी संपत्ति
पूरब में	: खामगी संपत्ति और मेहन पामग्रव रोड और
पश्चिम में	: खामगी संपत्ति

भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बंगलूर

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)

दिनांक : 9-1-1987

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर दिनांक 15 जनवरी 1987

निदेश सं० सी० आर० 62/डी० आर० 1769/86-87/ए० सी० क्यू०/बी--यत मुझे आ० भागद्वारा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे सं० 113 है तथा जो कावेल्लोसिम गांव साल्सेत गोवा में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अंगीन बंगलूर-1 दिनांक 2-6-1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में किसी करण या उसमें बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) 1. श्रीमती रोसिना राडिगस सम्पत्ति ली श्री ऐनटोनियो रेबेल्लो व कोस्टा 2. श्रीमती एस्टेल्ला राडिगस सपत्नी श्री कानसैसाओ डयास डयास 3. श्रीमती दामसिया ल्यूकाडिया डयास सपत्नी

श्री कैसिमिगे रेडेस कावेल्लोसिम गांव साल्सेत ताल्लूका गावा (क्रमांक 1 से 3)

(अन्तरक)

- (2) श्री मेससे टूरिस्म इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, रुम सं० 14, बम्बई मिचुअल चेंबर्स, 19-21, अम्बालाल दोशी मार्ग बम्बई-400 023।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1317/86-87 दिनांक 2-6-1986)

कृषि भूमि के वे सभी भाग व अंश जिनमें नारियल के वृक्ष-समूह व माग-सब्जी बाग हैं और जो अब "नोनो लाको द प्राइस" के नाम से परिचित हैं और जो माल्मेत ताल्लूका व उप-जिल्ला कावेल्लोसिम गांव में गोवा जिल्ला के कावेल्लोसिम ग्राम-पंचायत क्षेत्र की सीमाओं के अन्दर स्थित हैं और जो साल्सेत के भूमि-पंजीकरण कार्यालय में सं० 25176 के अन्दर तथा भूमि-राजस्व-अभिलेख के सं० 935 के अन्दर सर्वे सं० 113 के तहत वर्णित हैं। और जिनका विस्तार 30250 वर्ग मीटर या उसके ग्रामपाम है और दूसरा जो "लाको डस प्राइस" के नाम से परिचित है और जो माल्मेत ताल्लूका व उप-जिल्ला और कावेल्लोसिम ग्राम में ही स्थित है और जो गोवा जिल्ला के कावेल्लोसिम ग्राम-पंचायत क्षेत्र का सोमाग्रों के अंदर ही स्थित है और जो साल्सेत में भूमि पंजीकरण कार्यालय में सं० 41856 के अन्दर तथा भूमि-राजस्व-अभिलेखों में सं० 936 के अन्दर सर्वे सं० 113 के तहत वर्णित हैं और जिसका विस्तार 6875 वर्ग मीटर या ग्राम पास का है और जो साथ सलगन प्लेन में अंकित है और जो लाल रंग की सीमा-प्रक्रियों द्वारा दर्शाया गया है।

आर० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

दिनांक 15-1-1987

मोहर :

प्ररूप आर्द्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 9 जनवरी 1987

निर्देश सं० डी० आर० 1770/86-87 ए० सी० क्यू०/

बी—यत मुझे आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे सं० 127/9 है तथा जो आल्टो बेटिम पेल्ना द फान्का ग्राम पंचायत बाडोज ताल्लूक इल्हास जिल्ला गोवा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन बंगलूर में दिनांक 17-6-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) कुमारी लियोनार गंगेल गिरेरो
पोवोरिम बाडोज
गोआ ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स जेनित मैग्नेटिक्स प्राइवेट लिमिटेड
सं० 106 मिट्टल चेंबर
नागमन पाइंट बम्बई ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसूची

(दस्तावेज सं० 1323/86-87 दिनांक 17-6-1986)
गोवा जिल्ला इल्हास उप-जिल्ला बाडोज ताल्लूका पेल्ना दि फास के पंचायत में आल्टो बेटिम में स्थित सर्वे सं० 127/9 की संपत्ति का वह भाग भाग व अंश तथा भूमि का क्षेत्रफल 2000 वर्ग मीटर नापने वाला है और दिनांक 29-1-1985 के कगार के साथ सलग्न अनसूची में अधिक विस्तार से वर्णित है ।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 9-1-1987

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 21 जनवरी 1987

निदेश सं० डी० आर० 1771/86-87—यतः मुझे

आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नाम 'मालबटा' है तथा जो मारगोवा मालसीट
गोवा में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में औ
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन बंगलूर दिनांक 25-6-86 ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के एमो अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स जै० डि० साडेकर और ब्रदर्स
न्यू मार्केट, मारगोवा, गोवा ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स कुरतारकर गियल एस्टेट्स
सं० 322-ए मालभट
मारगोवा, गोवा ।

(अन्तरिती)

और यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किंगी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दम्नावेज सं० 1332/86-87 दिनांक 25-6-86)

मब संमति का नाम 'मालियाबटा' था 'मालबटा' मारगोवा
मालसीट गोवा में स्थित है जिस संपत्तिसालसीट ल्यांड रजिस्ट्रेशन
कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण किया था सं० 17400 में जिस
संपत्ति का पूरा विवरण अग्रीमेंट डीड ता० 12-5-1986 में
दिया है ।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 21-1-87
मोहर :

अथवा 'टी. टी. एन. एस.' का प्रयोग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
धारा 269-ब (1) के अधीन संशोधित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 9 जनवरी 1987

निदेश सं० आर० 2219/86-87—ए एम० जी०/वी०—

यतः मुझे, आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी का, ... का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 14 है, तथा जो एम० जी० रोड, बंगलूर में
स्थित है (और इसे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन बंगलूर, दिनांक 2-6-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्तावेज
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
... का कारण है कि उक्त अधिनियम के
अधीन बाजार मूल्य, उसके दस्तावेज प्रतिफल है, ... का
प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकां)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से पहले किसी आय का दावत, ...
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में किसी वरने या जसस करने में सविधान
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) के अधीन ...
अधिनियम, 1957 (1957 का 23)
... का प्रयोग ...
... का प्रयोग ...
... का प्रयोग ...

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की धारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. टी० एन० कृष्णा रेड्डी
2. टी० एन० आनन्द रेड्डी पावर आफ अटार्नी होल्डर श्री टी०
3. टी० एन० रामकृष्ण एन० कृष्णा रेड्डी से प्रतिनिधित
रेड्डी
4. श्रीमती टी० एन० श्रीवत
5. टी० एन० विजयानारायण रेड्डी
सं० XVI-613, एम० जी० रोड, मदनमल्ली,
चित्तूर जिल्ला, आंध्र प्रदेश (क्रमांक 1 से 5)
6. पी० चंगा रेड्डी
7. पी वरदा रेड्डी
8. श्रीमती पी० राजेश्वरम्मा पावर आफ अटार्नी
9. श्रीमती पी० ज्योती होल्डर श्री पी० चंगा
रेड्डी रेड्डी से प्रतिनिधित
10. पी० प्रद्युम्न रेड्डी, सं० 4,
चोया स्ट्रीट, रटलांड गेट, गुग्गाकम, मद्रास-6
(क्रमा सं० 6 से 10)

(अन्तरक)

- (2) मे.स. नवीन होटल लिमिटेड,
सं० 4, प्रशोकनगर रोड,
हवली ।

(अन्तरिती)

... के अधीन ...
...

... के अधीन ...

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
प्राग्विकृत में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1769/86-87 दिनांक 2-6-1986)
सं० 14, एम० जी० रोड, बंगलूर में स्थित वित्त भूमि
का वह सारा भाग व अंश जो 12215 वर्ग फीट मापता
है ।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 9-1-1987
मोहर :

प्रारूप आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 19 जनवरी 1987

निदेश सं० डी० आर० 1774/86-87—यत, मुझे,
आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 276 तथा 277 है, तथा जो पणजी, इलहाबाद,
गोवा में स्थित है (और इस उपावृद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक 4-7-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरको) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मे० सी० सौ० टवर्स
हा० डामिंगोस रोक डि सौजा रोड
आपोसिट म्युनिसिपल गार्डन
पणजी, गोवा

(अन्तरक)

(2) श्री एन्जेलो डि सौजा
फि० ए० लक्ष्मी एच० एम० जी० एम० ओ० सी०
कोबा मारगाव, गोवा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होना हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1343 दिनांक/86-87 दिनांक 4-7-86)

सब सम्पत्ति, 'कामा डा० डामिंगोस एच० डी० सेंसा का
ग्राउंड अन्तर्गत में, 24-82 वर्ग मीटर एरिया का रोक दुकान सं०
जि 5, बिल्डिंग और 35 वर्ग मीटर बेसमेंट एरिया, जिस
संपत्ति पणजी, इलहाबाद, गोवा (जिल्ला में स्थित है जिस संपत्ति
का पूरा विवरण, अग्रीमेंट ता० 18-4-86 का रेड्यूल
में दिया है ।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज, बंगलूर

दिनांक : 19-1-1987

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 20 जनवरी 1987

निदेश सं० सी० आर 62/50133/86-87—यतः

मुझे, आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-
रुपये से अधिक है

और जिनकी सं० गवर्ने सं० 49/1 तथा 49-3 है, तथा जो गवर्ने-
याविपाल्या, बंगलूरही जिल बंगलूर दक्षिण तालूक में स्थित है
(और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 4-6-86 ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, निष्पत्ति में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती रामरत्नम्मा, पति राजगोपाल,
नं० 355, V मैन, III ब्लॉक, III स्टेज,
बालवेस्वरनगर, बंगलूर 560079 ।

(अन्तरक)

- (2) श्री के० एस० महमद शब्बीर
पुत्र सैयद मोहिदुल्लाह,
"सैयद मन्जिल", पी० ओ० कुकुन्दूर,
कार्केला (एम० के०)

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त मर्यादित के अर्जन के लिए
आवश्यक करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

- (दस्तावेज सं० 1566, दिनांक 4-6-1986)
भूमि सर्वे सं० 49/1 और 49/3, गवर्णाविपाल्या,
हीनामन्ना दाखाले, बंगलूर होब्लि, बंगलूर दक्षिण तालूक ।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 20-1-1987

मोहर :

प्रारूप आइ. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 21 जनवरी 1987

निदेश सं० सी० आर० 62/50186/86-87—यतः

मुझे, आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 8 (पु. सं० 3/5 तथा जो मिल्लसर्टैंक बण्ड कविरप्पा ले आऊट सिविल स्टेशन, बंगलूर है (और इससे उपानुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नगर में दिनांक 13-8-86,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से मुक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने से अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनिरीती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

7-486GI/86

(1) श्रीमती नेलुकरजेव,
सं० 1, क्लीवलैंड रोड,
बंगलूर-560005

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जयन्ति श्याम और अदर्स,
सं० 18, कस्तूरबाई रोड,
बंगलूर-560001

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1204/86-87, दिनांक 13-8-86
सम्पत्ति जिसकी सं० 8 (पुराना सं० 3/5) मिल्लसर्टैंक बण्ड रोड, कविरप्पा ले आऊट, सिविल स्टेशन, बंगलूर-560052, कारपोरेशन डिवाजन सं० 59 में स्थित है।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक 21-1-1987

मोहर :

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर दिनांक 21 जनवरी 1987

निदेश सं० सी० आर० 62/50195/86-87—यतः सभे

आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 43/2 है तथा जो सुब्बराम-विज रोड बसवन-
गडि बंगलूर 560004 में स्थित है (और इससे उपाध्द
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 7-8-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
संग्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सत्य पाया गया
है कि, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक निश्चित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव्य
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की अन्तरक
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपभाग (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री वै० रामचन्द्र नाइडू
सं० 109/2 II मैन रोड
टाटासिल्क फार्म बंगलूर-560004

(अन्तरक)

(2) 1. आर० ए० एन० सजीवमूर्ति
2. आर० ए० हेरीश सं० 10 सन्निधि रोड
बसवनमूडि बंगलूर-560004 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशुध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1305 दिनांक 7-8-86)

जो सम्पत्ति है जिसका सं० 43/2 सुब्बरामचेट्टि रोड
बसवनगडि बंगलूर-560004 में स्थित है ।

आर० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बंगलूर

दिनांक 21-1-87

मोहर

बन्धन बाई (टी. एन. एन.)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) की अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 21 जनवरी 1987

निवेश सं० सी० आर० 62/50176/86-87—यतः मझे
आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब की अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 10/2 (टी-115) है तथा जो जिगलरपेरि-
यसगलि सवीरपट्टप्पा रोड क्रॉस बेंगलूर में स्थित है (और इससे
उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 6) के अधीन दिनांक 29-
8-86 गांधीनगर

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहे या, जिन्हें न सूचना
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्रीमती सैडनवि 10/2 I फ्लोर
तिगलरपेरियसमल्लि
सरवार पत्तप्पा रोड क्रॉस बेंगलूर-560002
(अन्तरक)

(2) मेसर्स श्री एण्टरप्राइजेस
रिप० आई मैनेजिंग पार्टनर
एस० ए० वासुदेवमूर्ति रजिस्टर्ड आफीस सं० 4/सी
आर० पब्लिक क्रॉस रोड बसवनगडि
बेंगलूर-560004
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 1408 दिनांक 29-8-86)

जो सम्पत्ति है जिसका सं० 2 (पुराना सं० 10) (टी-
115) तिगलर पेरियसमल्लि सर्वोपपत्तप्पा रोड क्रॉस बेंगलूर-
560002 में स्थित है।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज बंगलूर

दिनांक : 21-1-87
सोहुर ।

मुख्य कार्य.डी.ए.ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 20 जनवरी 1987

निदेश सं० सी० आर 62/50126/86-87---यतः मुझे,

आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वेसं० 13 है तथा जो मूडूर गांव कुम्हारपुर तालुका दक्षिण कन्नड़ डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (और इससे उपायध्व अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 6-6-1986 शंकरनारायण (एस० के)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से ऐसे द्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या-

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अपरिचित :-

(1) मेसर्स श्री मूकाम्बिका अभिकल्परल एस्टेट्स और फारेस्ट इण्डस्ट्रिज प्राइवेट लिमिटेड
मैनेजिंग डाइरेक्टर श्री एन० एम० महमद हाजी
पुत्र स्व० श्री कीया कुट्टि हाजी बालमट्टा मैंगलूर
(अन्तरक)

(2) मेसर्स डायमण्ड थ्रिल एण्टरप्राइजेस रजिस्टर्ड आफिस
एट रामपुरम हौस नगीरी मैंगलूर
पार्टनर श्री ए० बी० ई० टी० रामापुरम पुत्र श्री
थामस ई० रामापुरम, रामापुरम-हाउस हिल गार्डन
नागोरी कन्कनड
मैंगलूर-575002

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्तन के विपु कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बर्तन के संबंध में कोई भी आशय :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(बस्तावेज सं० 89/86-87 ता० 6-6-86)

अचल सम्पत्ति, जिसमें कार्डमम पेड़ हैं और मूडूर गांव कुम्हारपुर तालुका दक्षिण कन्नड़ जिले में है और जिसके निम्न-लिखित सरवे सं० और क्षेत्र है :-

सी० सं०	किस्म	क्षेत्र
63	पंजा	261 एकड़
(उत्तर-पश्चिम हिस्सा)		(कार्डमम)

हवें--

दक्षिण--सी० सं० 63

पश्चिम--सी० सं० 62

उत्तर--गुनडीना होल

पूर्व--सी० नं० 63

आर० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 20-1-87

मोडूर :

प्रथम भाग : टी. एच. एल.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 9 जनवरी 1987

निर्देश सं० डी० आर० 1766/86-87—ए० सी० क्यू०

बी—यतः मुझे आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० घलत 251 शीट सं० 237 कोंबा मार्गवा गोवा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 2-6-1986 बंगलूर—1

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से मुक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाढ़त उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनिरीती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स जी० नायक एण्ड एसीसिएट्स

बिल्डर्स एण्ड एस्टेट डेवलपर्स उनके पार्टनर्स से प्रति-निधित

1. श्री वेंकटेश वासुदेव नायक और

2. श्रीमती दुर्गाबाई वासुदेव नायक

सं० 393 कोंबा मार्गवा गोवा-403 601 ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स रूबी बिल्डर्स

आफ पांचवां तल्ला नितारी भवन

पणजी गोवा-403 001 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसूची

(दस्तावेज सं० 1314/86-87 दिनांक 2-6-1986)

जो भूमि बेचने के लिए रजामन्दी हो यह वह नीचे वर्णित संपत्ति का दक्षिणी भागांश है और लागू कानून के मताबिक पिछले मालिकों द्वारा नियमित रूप से अलग किया गया है। पिछली संपूर्ण संपत्ति का वर्णन निम्नसूचित प्रकार है :—

संपत्ति "बोगाकांचो डांडो" अथवा "कोम्बा" नाम से परिचित है (सोलहवें लोट के उत्तरी बाजू का आधा) जिमेंस नारियल तथा अन्य पक्षदायक फलदायक वृक्ष हैं जो कोम्बा मार्गवा गोवा में मार्गवा में मूनिसपल कोमिल क्षेत्र ताल्लूका व उप-डिविजन साल्सेत गोवा जिल्ला में स्थित है तथा भूमि रजिस्ट्रेशन कार्यालय मार्गवा में साल्सेत के कामरोआ में बुक बी० 85 के पन्ने 95 में सं० 33118 के अन्तर्गत वर्णित है। नयी सीरीज पूरब में रोड से पश्चिम में मिगियएल एन्टोनियों लोबो के वारिसदारो की संपत्ति से उत्तर में जसेखिम फर्नांडीस की संपत्ति से तथा दक्षिण में उक्त लोबो की संपत्ति तथा उसी पद संज्ञा की संपत्ति से (सोलहवें लोट सेके दक्षिणी बाजू का आधा) बंधी हुई है जो जेबू आत्मारामा पोय पालोंदिसी के सं० 24689 नयी सीरीज के अन्तर्गत वर्णित है। उक्त संपत्ति पुरानी सीरीज के सं० 8011 के अधीन वर्णित संपत्ति के उत्तरी बाजू का अर्ध भाग है।

आर० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 9-1-1987

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 9 जनवरी 1987

निवेश सं० 1725/86-87 ए० सी० क्यू०/बी०—यतः, मुझे आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 101/1 व 101/2 है तथा जो मोबोर, कावे-लोस्सिम गांव साल्सेत ताल्लूका, गोवा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 10-6-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का एतद् प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए ठस पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा से लिए; और/या

(ख) एसी किसी बात या किसी धन या अन्य वस्तुओं के चिन्ह भारतीय बाजार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जावा चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. श्री अक्रासियों कमारा, सुपुत्र श्री रोखरियो फ्रांसिसा [अमरांटे कमारा।
2. श्रीमती डेलिया गेसों रेबेलो कमारा सुपुत्री श्री फ्रांसिस्को जेवियर गेसों रेबेलो बोर्बो, मार्गोवा, साल्सेत, गोवा।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स अवेरिना इंटरनेशनल रिसाटर्स प्राइवेट लिमिटेड, रजिस्टर्ड कार्यालय सं० 194, वेरोडा-कनकोलिम, साल्सेत, गोवा में स्थित है।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा असाहमताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(इस्तावेज सं० 119/86-87 दिनांक 10-6-1986)

गोवा जिल्ला, साल्सेत ताल्लूक व उप-जिल्ला, कावे-लोस्सिम गांव पंचायत की सीमाओं के अन्तर मोबोरे में स्थित वह मारी कृषि संपत्ति जो "मेदिमो लोट व प्राइयास" आलय "मिलाग्रो सांता क्रुज" के नाम से परिचित है और जो साल्सेत के भूमि पंजीकरण कार्यालय में नयी बी-6 पुस्तक के 46 के पन्ने में सं० 2086 के अन्तर्गत वर्णित है और त्सेत के ताल्लूका रेवेन्यू कार्यालय में मेडिज सं० 1787 के अन्तर प्रविष्ट है को साल्सेत के कालोस्सिम गांव के सर्वे सं० 101/1 व 101/2 संख्यक है और जिसका सीमाएं निम्नसूचित है :—

पूरब में : साल नदी व मावलो डियास के अफोरमेंटों से पश्चिम में : अरबी समुद्र के जल से।

उत्तर में : सार्वजनिक मार्ग और डियागो फ्रांसिस्को गोम्स के छोटे लोट और

दक्षिण में : जोखिम रोक कोरेइया अफान्सों के आठवें लोट से।

उक्त संमति करीब 142055 (एक सौ ब्यालीस हजार और पचपन) वर्ग मीटर नापती है और साथ संलग्न प्लेन में सूचित है तथा करीब 92000 (नानवे हजार) वर्ग मीटर नापती है जो अक्षर ए-1, ए-2, और सी के अन्तर साथ संलग्न प्लेन में लाल सीमा से रेखांकित तथा क्रमशः हरे व पीले रंगों में रंगा हुआ है। उक्त, संमति जो एतद्वारा अभिहस्तातरित है निम्न सूचित प्रकार सीमित है :—

उत्तर में : सर्वे सं० 103/1, 103/6, 102/7 काली संपत्ति से

दक्षिण में; बेचने वालों की जो संपत्ति अनुसूची-1 में दिखायी गई है उस उक्त संपत्ति के बाकी अंश में पुरब में : 1 साल नदी से और पश्चिम में : अरबी समुद्र से

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 9-1-1987

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/6-86/35--

अतः मुझे, श्री अशोक कक्कड़,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० ए-1001 और 1002 ए-10 खण्ड 22, बी० के० रोड, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) रेंज-3 दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक जून 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय प्रतिकूल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिकूल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिकूल का पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से व्यक्त नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) प्रेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के

प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) मेस्सर्स सकीपर सैल्स प्रा० लि०
22, बाराखम्बा रोड,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मिसेन वीरा कुमारी, मिस नलिनी खन्ना
और मिस वीरधानी खन्ना ।
8-सैक्टर 9, चण्डीगढ़ ।

(अन्तरिती)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० ए० 1001 और 1002 ए-10वां खण्ड
22, बाराखम्बा रोड,
नई दिल्ली ।
क्षेत्र 1100 वर्ग फीट ।

अशोक कक्कड़
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 12-2-87
मोहर :

सहायक आयकर अधिनियम, 1961

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/86-87/

36—अतः, मुझे, श्री अशोक कक्कड़,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० रेटिड प्लैट नं० 4/12, खण्ड, नई दिल्ली हाउस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) रज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक जून 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अद्यतन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अद्यतन प्रतिफल से, ऐसे अद्यतन प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने ला उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स तेज प्रोपर्टीज प्रा० लिमि०
22, बाराखम्बा रोड,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती संदीप कोर मिसेः इंदरजीत कोर
सी-138, डिफेंस कालोनी,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन में संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

किराए का प्लैट सं० 4/12 खण्ड लिस्ट राइट्स बिल्डिंग
नई दिल्ली हाउस, 27, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली । क्षेत्र
1004 वर्ग फीट ।

अशोक कक्कड़

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 12-2-87

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1987

निदेश सं० आई० ए सी०/एक्यू०/3/37ईई/6-86/

अतः मुझे, श्री अशोक कक्कड़,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० तीसरा खण्ड स्पेश सं० 313, अरुणाचल
19, बाराखम्बा रोड, में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) रेंज-3, नई दिल्ली में
भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक जून
1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

8-486GI/86

(1) मेसर्स ठुपर भागवत

ए-21, श्रीवराय अपार्टमेंट,
मिविल लाइन्स,
दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री अमृतलाल सरना पत्नी प्रोमिला सरना
श्री धर्मिन्दर सरना श्री धीर सरना मास्टर
आफिस/सरना

बी-4/39, सफदरजंग एंक्लेव, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

तीसरा खण्ड, स्पेश सं० 313, अरुणाचल, 19, बाराखम्बा
रोड, नई दिल्ली । 500 वर्ग फीट ।

अशोक कक्कड़

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक : 12-2-87

मोहूर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/6-86/

87ए—अतः, मुझे, अशोक कक्कड़,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट एम० प्लॉट सं० 1 कनाट सर्कस नई
दिल्ली है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन
दिनांक जून 86,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/ या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) दा प्रिंटर्स हाउस प्राइवेट लिमिटेड,
10, सिधिया हाउस,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) इंडोग्राफिक आर्ट मशीनरी कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड,
एम-1 कनाट सर्कस नई दिल्ली—1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों सूचना पर
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में ग्राह्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट एम प्लॉट नं० 1 कनाट सर्कस नई दिल्ली—1 तबालि
4138 वर्ग फुट ।

अशोक कक्कड़
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 12-2-1987

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भाग 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० आर०-3/
6-86/10-ए-अतः मुझे, श्री अशोक कक्कड़,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो भाग सं० 103, डी० एल० एफ०
हाउस, ब्लॉक एफ, कनाट प्लेस में स्थित और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह निश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिणी (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तर के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(न) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोष-
नार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मेसर्स सुरेश चन्द जैन (एच० यू० एफ०)
बी० 1/30ए, हौजबास एंक्लेव,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स बिदू गुप्ता
के-4/9, माडल टाउन,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए
कार्यवाही करता हूँ ।

उन सम्पत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी बाहरी :---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भाग सं० 103, तादादी 416.86 वर्ग फीट प्रथम खण्ड
फ्लॉट बिल्डिंग, डी० एल० एफ० हाउस, एक ब्लॉक कनाटप्लेस
नई दिल्ली ।

अशोक कक्कड़

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-1100 02

दिनांक: 12-2-87

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-8, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्०/3/एम० आर०-3/
6-86/10बी--अतः मुझे, श्री अशोक कक्कड़,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
आर.बिसकी सं० है तथा जो भाग सं० 104, एफ.आर. कनाट प्लेस,
नई दिल्ली में स्थित है (आर.इसमें उपाबद्ध अनुसूची
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वायिका,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक जून 1986,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंत-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
अ, भ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --

(1) श्रीमती कुसुम जैन
बी 1/30ए, हा. खास एंक्लेव,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुनील गुप्ता
के-4/9, माड : टाउन ,
दिल्ली-9

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भाग सं० 104, ताबाद्री 461.22 वर्ग फीट प्रथम खण्ड,
फंड विलिडग, डी० एन० एफ० हाउस, एफ.आर. कनाट प्लेस,
नई दिल्ली ।

अशोक कक्कड़
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 12-2-87

माहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज -6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/एस० आर०-1/

6-86/652प्रतः मुखे, श्री टी० के० साह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

आर-सि० सं० 4405/3 है तथा जो भाग-3 अण्डरनीथ 255 वर्ग गज 5, दरियागंज, नई दिल्ली में स्थित है (आर-इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीनर्ता अधिगारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून 1986, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) मेमर्स धन पाल सिंह जैन और संस (एच० यू० एफ०) द्वारा धनपल सिंह जैन सुपुत्र जगन लाल जैन 4455/60/7, दरियागंज, नई दिल्ली-110002
- (2) 1. श्री अनिल कुमार जैन 2. नवीन कुमार जैन सुपुत्र श्री प्रकाशचन्द जैन निवासी-4378/4/दरियागंज, नई दिल्ली । (अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापटी ब्रिग म्यूनिसपल सं० 4405/भाग-3, लेंड अण्डरनीथ तादादी 255 वर्ग गज 5, दरियागंज, नई दिल्ली --2

टी० के० साह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, दिल्ली नई दिल्ली-110002

दिनांक : 12-2-87

मोहर :

प्रत्यक्ष आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/एस० आर०-1/
6-86/654/अतः मुझे, श्री टी० के० साह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
ओरि सकी सं० प्रापटी का भाग सं० 4221, गली अहीरन
पहाड़ीधीरज, दिल्ली-6 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून 1986,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बाब के कारण के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसूचन
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुरिन्दर कुमार, विजयेन्द्र कुमार मदन
राज मोहन सुपुत गोपी चन्द
निवासी—4211, गली अहीरन पहाड़ीधीरज,
दिल्ली -6

(अन्तरक)

(2) श्री अलका गुप्ता पत्नी सतीश चन्द गुप्ता
निवासी—4705, उमराव सिंह पहाड़ीधीरज,
दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के उपरान्त मैं प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के उपरान्त मैं प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जमाहस्ताक्षरी के माफ
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
गया है।

अनुसूची

प्रापटी का भाग सं० 4221
गली अहीरन,
पहाड़ीधीरज,
दिल्ली—6

टी० के० साह
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज-6 दिल्ली, नई दिल्ली -11000

दिनांक : 12-2-87

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/6-86/एस० आर०-
1/655 अतः मुझे, श्री टी० के० साह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पदचान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 4221 गली अहीरान पहाड़ी धीरज दिल्ली—

6 है तथा जो प्रापटी का भाग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति में उचित बाजार मूल्य से कम के अन्तर्गत
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति में उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
था प्रतिफल निम्नलिखित संवोधन के उक्त अन्तरण लिखित में
वस्तुविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुरिन्दर कुमार, विजेन्द्र कुमार, मदन मोहन
राकेश मोहन सुपुत्र गोपी चन्द

4221, गली अहीरान पहाड़ी धीरज, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री सतीश चन्द गुप्ता सुपुत्र प्रथम लाल गुप्ता
4705, गली उमराव सिंह पहाड़ी धीरज, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिता करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, नहीं बर्णित हुआ जो उक्त अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

प्रापटी का भाग सं० 4221,
गली अहीरान पहाड़ी धीरज
दिल्ली—6

टी० के० साह

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 12-2-87

मोहर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/एस० आर०-1/
6-86/665 अतः मुझे, श्री टी० के० साह,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्त बाजार मूल्य
1,00,000/- रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० ए-43, है तथा जो कीर्ति नगर, दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में पूर्वरूप से वर्णित है),
की स्ट्रीट की अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक जून 1986,को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम का दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
युक्त यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिनिष्पत्ति) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए ता पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
नदृश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कटौत
नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के अधिनियम अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था निम्नलिखित में
सुविधा के लिए,अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—(1) श्री सुरिन्दर कुमार भाटिया
ए-43, कीर्ति नगर,
दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० सतनाम सिंह
45-ए/4, पजाबी बाग,
दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
अवकाश की उम्मीद में 45 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बहुहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

1/4 अविभाज्य शेयर
तादात्री 209.3 वर्ग मीटरस
पार्टी का भाग ए-43, कीर्ति नगर,
नई दिल्ली ।टी० के० साह
सक्षम प्राधिकारीसहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-6 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 12-2-87

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ' (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 8, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12, फरवरी 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/6-86/एस० आर०-
1/666 अन्. मूजे, श्री टी० के० माह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो 1/4 अविभाज्य शेयर तादादी 209.3
वर्ग मीटर में प्रापटी सं० ए-43 कीर्ति नगर, दिल्ली में स्थित
है और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है, रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अन्तर्गत, दिनांक जून,
1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूजे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविल्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्निशों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
9—486GI/86

(1) श्री सुरिन्दर कुमार भाटिया सुपुत्र स्व० सी० ए०
भाटिया,
ए-43, कीर्ति नगर,
दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री संतोष सिंह सुपुत्र मननाम सिंह
45-ए/4, पंजाबी बाग, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/4 अविभाज्य शेयर, तादादी 209.3 वर्ग मीटर में
प्रापटी सं० ए-43, कीर्ति नगर, नई दिल्ली ।

टी० के० माह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-6 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 12-2-87

मोहर

अर्थ.टी.एन.एल.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1987

निदेश सं. आई.ए.सी.ए/एक्यू.6/6-86/एम.आर.-
1/667-अन: मुन्ने, श्री टी.के. साह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- से अधिक है

और जिसकी सं. शेयर 1/4 प्रापर्टी का भाग सं.
ए-43, कीर्ति नगर दिल्ली में स्थित है और इसमें
उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन, दिनांक
जून 1986,

को पृथक् सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, उस दृश्यमान प्रतिफल के
इच्छित प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक व अन्तरिती किसी आय की वास्तविक, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक व
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में प्रयुक्त
किए गए, और/अथ

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अन्तर्गत निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुदर्शनकुमार भाटिया सुपुत्र स्व.सी.एन. भाटिया
ए-43, कीर्ति नगर,
दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) सरदार हरनाम सिंह सुपुत्र मदननाम सिंह
45-ए/4, पंजाबी बाग,
दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिभूताधारी के पास
निम्नलिखित में प्रकट हो सकेगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्णों का, जो उक्त
अधिनियम के बन्धन 20-क में परिभाषित हैं
वही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

1/4 अविभाज्य शेयर और

1/4 अविभाज्य भूमि प्रापर्टी नं. ए-43, कीर्ति नगर,
दिल्ली ।

टी.के. साह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज 6 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 12-2-87

माहुर :

प्रलुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/एस० आर०-6-
86/668—अतः मुझे, श्री टी० के० साह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इससे
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1/4 है तथा जो अविभाज्य शेयर प्रापटी का
भाग ए-43, कीर्ति नगर, दिल्ली 1 में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून,
1986,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री सुदर्शन कुमार भाटिया सुपुत्र स्व० सी० एल०
भाटिया,
ए-43, कीर्ति नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

- (2) सरदार अवतार सिंह सुपुत्र श्री सतनाम सिंह
45-ए/4, पाजबी बाग,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/4 अविभाज्य शेयर और 1/4 अविभाज्य शेयर भूमि
प्रापटी का भाग ए-43, कीर्ति नगर, नई दिल्ली।

टी० के० साह

सक्षम प्राधिकारी

(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

15 न रज, दिल्ली-110002

दिनांक : 12-2-1987

सोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1987

निर्देश सं० आई० [ए० सी०/एक्यू०/6/एस० आर०-1/

6-86/685—अतः मुझे, श्री टी० के० साह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिनकी सं० 1/4 हिस्सा है तथा जो प्रापर्टी बियरिंग सं० 37, डी० ए० एफ० एस्टेट, नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री सुरिन्दर सिंह गम्भीर त्रिलोचन सिंह गम्भीर
47/6, ईस्ट मटेल नगर,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स डिम्पल ग्रोवसियस लिमि०
10/60, औद्योगिक क्षेत्र कीर्ति नगर,
नई दिल्ली द्वारा विरेन्द्र कुमार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

1/4 शेयर प्रापर्टी का भाग (कंस्ट्रूटिड) सादादी 4,070 वर्ग फीट बियरिंग सं० 37, (कंस्ट्रूटिड प्लॉट) प्रापर्टी बियरिंग सं० डब्ल्यू० जेड-36, 2014 वर्ग गज बाहर डी० एल० एफ० औद्योगिक एस्टेट, नजफगढ़ रोड, एकुड कालोनी, नई दिल्ली ।

टी० के साह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, 6 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 12-2-87

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

आयकर सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1987

निदेश सं आई.ए.सी. 0/6/एस. आर.-1/
6-86/886--अत मुझे, श्री टी.के. साह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और ज़मकी सं 1/4 है, तथा जो हिस्सा प्रापर्टी का कस्टर्डिड
प्लॉट सं 37, डब्ल्यू जेड-36, टी.एल.एफ. औद्योगिक
क्षेत्र, नजफगढ़, दिल्ली में स्थित है (आर इसमें उमावन्ध अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीनर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908
का 15) के अधीन, दिनांक जून 1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के इश्यामान
प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके इश्यामान प्रतिफल से ऐसे इश्यामान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का दावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक में
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अन्तर्गत निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री प्रवतार मिह गम्भीर सुपुत्र स्व० त्रिलोचन
मिह गम्भीर,
47/6, ईस्ट पटेल नगर
नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) मेसर्स डिम्पल ओवरसीज लिमि०
10/60, औद्योगिक क्षेत्र कीर्ति नगर,
नई दिल्ली—15
द्वारा मनेजिंग डायरेक्टर श्री विरेन्द्र कुमार सुपुत्र
राजी राम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, या भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

1/4 कस्टर्डिड भूमि 4,070 वर्ग फीट का भाग बियरिंग
में 37, कस्टर्डिड प्लॉट सं 37, प्रापर्टी बियरिंग सं डब्ल्यू०
जेड-36, 2014 वर्ग गज में से बाहर स्थित डी० एल० एफ०
औद्योगिक एस्टेट, नजफगढ़ रोड, एप्रूव्ड कालोनी, नई दिल्ली ।

टी० के० साह

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, 6 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक 12-2-87

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/एस० आर०-1/6-
86/687—अतः मुझे, श्री टी० के० साह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे 'इसमें'
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो प्रापटी सं० डी-5/1, माडल
टाउन, दिल्ली लेड अण्डरनीथ तादादी 293.75 वर्ग गज में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक जून 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि तथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से कम दृश्यमान प्रतिफल से
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच एवं अंतरक के लिए सब बाधा तथा
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरक से हुई किसी भाव की वापस, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के वास्तविक से
कमी करने या उचित करने के दृष्टि से लिए
और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वस्तुओं
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या वा किया जाना चाहिए था, जिन्हें से दृष्टि
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री वेद प्रकाश सुपुत्र मोहन राम
निवासी डी-5/1,
माडल टाउन, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री अरुण कुमार जैन सुपुत्र दामोदर दास जैन
सी-5/20, माडल टाउन,
दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों यह
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
निहित में किए या केंचें ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के बध्नाय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस बध्नाय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रापटी सं० डी-5/1,
माडल टाउन, दिल्ली ।
तादादी 293.75 वर्ग गज (245.613 वर्ग मीटर्स)

टी० के० साह
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-6, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 12-2-87
मोहर :

अनुसूची 1, एम. एम. एम.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/एम० आर०—

6-86/692—अतः मुझे, श्री टी० के० साह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्रथम खण्ड और बरसानी 26/99, शक्ति नगर, दिल्ली साथ में 50% अविभाज्य शेयर (भूमि) में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवहार प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके व्यवहार प्रतिफल से, ऐसे व्यवहार प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के बिना यह पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) मेसर्स राम प्यारी
26/99, शक्ति नगर,
दिल्ली-110007

(अन्तरक)

(2) श्री सुरिन्दर कुमार गुप्ता,
26/10, शक्ति नगर,
दिल्ली-110 007

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

— उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रथम खण्ड और बरसानी

26/99, शक्ति नगर, नई दिल्ली-7

साथ 50% अविभाज्य शेयर (भूमि में)।

टी० के० साह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-6, दिल्ली, नई दिल्ली—

दिनांक 12-2-87

मोहर

प्रकृष बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/एम० आर०-1/

6-86/693—अतः, मुझे, श्री टी० के० साह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु० से अधिक है

श्रीर जिमकी सं० 25 है तथा जो रोड सं० 13, पंजाबी बाग नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि गंधारवास्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाना गया प्रतिशत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक को वास्तव में कभी करने या उससे बचने में स्थिति के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिति के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती शांती देवी रहेजा स्वयं जनरल एंटीस्ती पुत्र शशीश चन्द्र रहेजा,
ई-289, नागयना विहार,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री नरेश कुमार 2. राज कुमार मुपुत्र नांगेराम
अग्रवाल

12/22, ईस्ट पंजाबी बाग, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्तिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का अर्थ वही का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान बना प्लॉट सं० 25, रोड सं० 13,
तादादी 561.21 वर्ग गज,
पंजाबी बाग, नई दिल्ली ।

टी० के० साह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-6, दिल्ली, नई दिनांक-110002

दिनांक 12-2-87

मोहर :

प्रमाण, जाह. टी. एच. एच.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एम्पू०/1/6/एस० आर०-1/

7-86/711—अतः मुझे, श्री टी० के० साह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो 26/99, शक्ति नगर, नई दिल्ली में 50% अविभाज्य शेयर (भूमि) में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक, जुलाई 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण से, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
10—486GI/86

(1) मेसर्स रामप्यारी

26/99, शक्ति नगर,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री विजय कुमार गुप्ता

26/10, शक्ति नगर,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के बर्तन के सम्बन्ध में धारा 269-ख की धारा 2—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि पहले से समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दृष्ट-वर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा लघोहस्ताक्षरी रूप में लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बन्धितः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

सन्तुष्टी

धरातल खण्ड, प्रायर्दी सं० 26/99, शक्ति नगर,
दिल्ली-7
50% अविभाज्य भूमि ।

टी० के० साह
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 6 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 12-2-87
मोहर :

प्रारूप आर्डर. टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1987

निदेश सं० आर्डर ए० सी०/एक्यू०/6/एस० आर०-1/6-
86/252--अतः, मुझे, श्री टी० के० साह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
क्षरके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1/3 भूकृता है तथा जो प्रापटी सं० 16/1003
प्लॉट सं० 11 ब्लॉक सं० 16, डब्ल्यू० ई० ए० करोल बाग
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में पूर्व
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक जून 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर)
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पूरन चन्द सौधी सुपुत्र स्व० हंस राज
16/11 डब्ल्यू० ई० ए० करोल बाग
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स खानदान प्रोमर्टीज प्रा० लि०
द्वारा डायरेक्टर श्री सुभाष चन्द्र कथुरिया
करोल बाग, नई दिल्ली
पंजीकृत कार्यालय 404 पदम टावर राजिन्दर
प्लेस, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

1/3 अविभाज्य शेयर इन प्रापटी
नं० एम० पी० एल० सं० 16/10033 प्लॉट सं० 11
ब्लॉक 16 डब्ल्यू० ई० ए० करोल बाग
नई दिल्ली । ताबादी 338-वर्ग गज खमरा सं० 813/767

टी० के० साह
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-6, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 12-2-87

मोहर :

अध्याय 1, 1987, 1987

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1987

निदेश सं० आई० ए० सो०/एक्यू०/6/एस० आर०-1/6-

7 86/253—अतः, मुझे, श्री टी० के० साह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,30,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्रापर्टी बियारिंग म्यूनिसिपल सं० 9051-
52 (न्यू) तावादी 125 वर्ग गज पहाड़ गज नई दिल्ली वार्ड
सं० 15 गली नं० 1 व 2 में स्थित है (और इससे उपाखण्ड
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यद्यपि पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरांत (अन्तरांतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्ययत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री धर्मपाल गम्भीर सुपुत्र सेनदास गम्भीर
मकान सं० 15/9054 मुल्तानी डाडा
पहाड़गज नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शांदा बुबना पत्नी चन्द्र प्रकाश बुबना
श्रीमती दीप मलिका बुबना पत्नी प्रभात कुमार
बुबना सदीप बुबना सुपुत्र स्वर्गीय श्री रामश्रवतार
बुबना द्वारा सुप्रभात प्रा० लिमि०
न्यू बंगलो रोड पटना-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रापर्टी बियारिंग म्यूनिसिपल सं० 9051-52 (न्यू) तावादी
125 वर्ग गज पहाड़गज नई दिल्ली ।
वार्ड सं० 15 गली सं० 1 और 2

टी० के० साह

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज-6, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक . 12-2-1987

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 12 फरवरी 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/एस० आर०-3/
6-86/254—प्रतः मुझे श्री टी० के० साह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 16/11 है तथा जो डब्ल्यू० ई० ए० करोल बाग
नई दिल्ली 1 (1/3 अविभाज्य शेयर) में स्थित है (और
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून
1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. श्री कमल सौधी 2. मचीद आनन्द दोनों
पुत्र स्वर्गीय सत्यप्रकाश 3. पामीला सौधी सुपुत्री
स्वर्गीय सत्यप्रकाश द्वारा एटोर्नी श्रीमती नील
सौधी 4. प्रीति सौधी सुपुत्री सत्यप्रकाश श्रीमती
नीलम सौधी पत्नी स्वर्गीय सत्यप्रकाश 6. मास्टर
संदीप सौधी सुपुत्र श्रीमती श्रीमती नीलम सौधी
1611 डब्ल्यू० ई० ए० करोल बाग नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स खामवान रपटीज प्रा० लि० द्वारा
डाइरेक्टर श्री सुभाष चन्द्र शूग्या,
करोलबाग नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
लिखित में किए जा सकेंगे।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/3 अविभाज्य शेयर

प्रापटी बिर्यादा एम० पी० एल० सं० 16/10033 प्लाट
सं० 11 ब्लॉक 16 डब्ल्यू० ई० ए० करोल बाग नई दिल्ली।
तादादी लगभग 338 वर्ग गज। खमग सं० 813/767

टी० के० साह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 12-2-87

मोहर :

प्रकृष्ट आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली; दिनांक 12 फरवरी 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/एम० आर०-2/6-
86/255---अतः, मुझे, श्री टी० के० साह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो 1/3 अविभाज्य शेयर प्रापटी
वियरिंग सं० 16/10033 प्लॉट सं० 11 ब्लॉक 16 ई०
ए० करोल बाग दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर वसूल के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री राज कुमार सौधी सुपुत्र स्व० श्री हंस राजा
16/11 डब्ल्यू० ई० ए० करोल बाग
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मेमर्स खानदान प्रोमटीज प्रा० लिमि०
द्वारा सुभाष चन्द्र कथूरिया
पंजीकृत कार्यालय 404 पदमा टावर राजेन्द्र
पैलेस, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशंका : --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/3 अविभाज्य शेयर प्रापटी वियरिंग सं० एम० पी० एल०
सं० 16/10033
प्लॉट सं० 11 ब्लॉक 16
डब्ल्यू० ई० ए० करोल बाग
नई दिल्ली ।

टी० के० साह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-6, दिल्ली; नई दिल्ली-110002

दिनांक : 12-2-87

मोहर :

प्ररूप आई टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-6 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 12 फरवरी 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/एस० आर०--2/
6-86/256--अतः मुझे श्री टी० के० साह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा 28/6 है तथा जो पंजाबी बाग नई
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक जून 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती रूपा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1 श्री कौण्ड्या शर्मा 2 श्री नन्दन मोहन
लाल शर्मा 3 चन्द्र मोहन शर्मा और बरीन्द्र
मोहन शर्मा 28/20, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) सर्वश्री विमल दास 2 हिरा नन्द 3 जयराम दास
सुपुत्र स्व० श्री टोला राम श्रद्धवानी
13/28, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रापटी बनी प्लॉट सं० 6, रोड सं० 28, पंजाबी बाग,
नई दिल्ली।

टी० के० साह
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) -
अर्जन रेज-6, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 12-2-87
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/एस० आर०-2/
2/6-86/257—अतः मुझे, श्री टी० के० साह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्रापटी सं० 10/61, पंजाबी बाग, नई दिल्ली है तथा जो में स्थित है (और इसमें उपावृत्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम कोटेशनमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एवम् दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या,

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्री मती प्रेमिला गुलाठी पत्नी श्री एस० के० गुलाठी ।

डी-26, नारायणा बिहार, नई दिल्ली ।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती बिमला बंसल पत्नी श्री के० सी० बंसल
10/66, पंजाबी बाग, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए आभाषित करना है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिहितकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्रापटी सं० 10/61, पंजाबी बाग, नई दिल्ली ।

क्षेत्र 552.78 वर्ग गज ।

टी० के० साह
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-6, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक : 12-2-87

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना-1

पूना, दिनांक 6 जनवरी 1987

निदेश सं० 37ईई/1930/86-87---यत मुझे, अंजनी
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिकी सं० बिअरिंग एफ० पी० नं० 887/बी/2 सी० बी० एम० सं० 9206/बी/2 शिवाजी नगर, पुणे-4 है तथा जो पूना में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज/आयकर अधिनियम 1961

की धारा 269 ए, बी के अधीन दिनांक 11 अगस्त 1986, को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(थ.) अन्तरण से हुई किसी आय की वारदात, उक्त नियम के अधीन कर देने के अनुरोध के शायित्य में बाध कराने या उससे बचने में सहायता के लिए, की गई/या

(ख.) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) पूने सिटी हिन्दू म्यूनिसिपल सर्वेड्स
कोऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०
13 म्यूनिसिपल कालोनी, शिवाजी नगर, पुणे ।
(अन्तरक)

(2) कावेरी धनंजय धारपाले
1206/बी/2 शिवाजी नगर, पुणे-4
(अन्तरिती)

ता यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के बचन के संबंध में कोई भी बाधोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसे कि रजिस्ट्रीकृत क्रमांक 37ईई/1930/85-86
11-8-86 को सहायक सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अंजनी कुमार
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पूना

दिनांक : 6-1-87

मोहोर :

प्रमाण आइ.टी.एम्.एम्.एम्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, पूना 1

पूना, दिनांक 6 जनवरी 1987

निवेश सं० 37ईई/2134/86-87--यतः मुझे, अंजनी
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 191 ए सर्वे सं० 102 102 . 1
103 बी वार्ड गाव तुगावली लोनावला है तथा जो पूना में स्थित
है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) अर्जुन रंज/सब आयकर अधिनियम 1969 की
धारा 269 ए की के अधीन दिनांक 1 अगस्त 1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अवमान प्रतिफल से, ऐसे अवमान प्रतिफल का
बहु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धान्त में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है

(क) अन्तरण से हुई किसी नाम की वसत, उक्त
अधिनियम की धारा 269-ब के अधीन सूचना के
व्यतिरिक्त से कभी करने या उसके करने में बाधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी तथ्य या अन्य वास्तविकताओं
को किन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रावधानों के अन्तर्गत बाधक प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सहिष्णु के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्रीमती वत्सला प्र० मेहता
श्री वाडू प्र० मेहता,
श्री नानू प्र० मेहता)
श्रीमती विजया प्र० परदेशी
जय श्री दि परदेशी
उज्ज्वला र० परदेशी
पोस्ट लोनावला जि० पूने

(अन्तरक)

(2) श्री हरिराम क कुकरेजा
पो० लोनावला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा :-

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपवादस्वरूपी के बाध
लिखित में किए जा सकेंगे।

संकीर्ण :- इसमें प्रयुक्त सबों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अन्धाय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

जैसे कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37 ईई/2134/1986-87
जो 18 अगस्त 1986 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज के दफ्तर में लिखा गया है।

अंजनी कुमार
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जुन रंज, पूना

दिनांक : 6-7-1986

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना---1

पूना, दिनांक 6 जुलाई 1987

निदेश सं० 36 ईई/1538/87—यतः मुझे अजनी कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 13 हिस्सा सं० 2/9बी/2/9
धनकवडी ता० हवेली जि० पूने है तथा जो पूना में स्थित है
(और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज/आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 ए०
बी तारीख 24 जुलाई 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

नोट: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पद्मरत्न को० आ० हाउसिंग सो० लि०
एस० सं० 93 एच० सं० 2 धनकवडी पुणे-43
(अन्तरक)

(2) एम/एस० कारिया कन्स्ट्रक्शन कम्पाईन 19 औनलूकर
16 औनलूकर बिल्डिंग एम० पी० मेन रोड
फोर्ट मुम्बई ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जैसे कि रजिस्ट्रीकृत क्र० सं० 37ईई/1538/86-87 जो
25 जुलाई 1986 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज के दफ्तर में लिखा गया है ।

अजनी कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक 18-12-86
मोहर :

प्रकरण आई.टी.एन.एच.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, पूना

पूना, दिनांक 8 जुलाई 1986

निदेश सं० 37ईई/2768/86-87—यतः मुझे अंजनी कुमार

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 7 और 6 विद टेनेटेड बिल्डिंग/प्लॉट सं० 5 और 4 कावर्डे आफ्टर एस० सं० 548 और 554 गुलटेकडी टी० पी० सी० पुणे है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज/आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 ए० बी० दिनांक 14 सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की व्यवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वधापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल के फंड प्रत्यक्ष से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकता से, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाँहिये था, छिपावे में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती शेनोबी एच० इडलजी
श्री सोहराब ए० मदन
9 पार्वती विलास सुपुणे ।

(अन्तनक)

(2) अतुर संगतानी एण्ड एसोसिएट्स
अतुर फाऊंडेशन हाउस
डा० अम्बेडकर रोड पुणे ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही कराई गई।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों के यह सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत 37 ईई/2768/1986-87
15 सितम्बर 1986 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है ।

अंजनी त्रिपा
सक्षम प्रावि गरी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक 8-7-1986
मोहर .

प्रकृष बाई. दी. एन. एव.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज पूना---1

पूना, दिनांक 8 जुलाई 1986

निदेश सं० आई-37ईई/2585/85-86—अतः, मुझे,
अंजनी कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 6 एस० सं० 32/7 एरंडवणे पुणे
है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज आयकर अधि-
नियम 1961 की धारा 269 ए० वी० दिनांक सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की शक्ति, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने में उसने बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी भाव या किसी धन या अन्य जातिवा
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) के अधिनियम, 1922 का 11
धन-कर अधिनियम 1922 का 11 के अधिनियम, 1922 का 11
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाव में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्वात् :—

- (1) 1. गणेश श्री वैद्य प्रो० आफ एम/एस० वैद्य
इण्डस्ट्रीज 425 चतुर्थी गी रोड पुणे
2. मालचन्द्र जी० वैद्य 433/3 गोखले रोड पुणे ।
(अन्तरक)
- (2) महिला गृह उद्योग लिज्जन पापड़ ट्रस्ट रजिस्टर्ड
ग्रण्डर मुंबई पब्लिक ट्रस्ट एक्ट 1950
प्रभात रोड सं० 4 पुणे 4
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत 37ईई/2585/1986 जो सितम्बर
86 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज
पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अंजनी कुमार
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

दिनांक : 8-7-1986
माहुर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, पूना—1

पूना, दिनांक 8 जनवरी 1987

निदेश सं० 37ईई/2871/86-87—यतः मुझे अंजनी

कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकी पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट क्र० 38 सं० क्र० 129 कोयसड़ पुणे 29 है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और रूप में वर्णित है) रजिस्ट्री कर्ता प्राधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 ए० बी० दिनांक 19 सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार धन, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुकुमार वत्तात्रय शिंदारे
4 हरी निवास प्रभात कालोनी
सांताक्रुज बाम्बे-55

(अन्तरक)

(2) मेसर्स पार्श्व विल्डर्स
619 सदाशिव पठ, पुणे-30

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ईई/2871/86-87 जो 19 सितम्बर 86 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अंजनी कुमार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, पूना

दिनांक : 8-1-87

मोहर :

प्रकट बाई.टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना दिनांक 8 जनवरी 1987

निर्देश सं० अई-1/37ईई/154/86-87-अतः मुझे,
अंजनी कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 1317/1 ए और 1317/1 की
कसना पठ पूणे है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत
अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 ए बी
के अधीन दिनांक 6 जून 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
मूल्य, उसकी दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
साया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की, वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, भा धन-
कर अधिनियम, 1957. (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जय उफ यशवन्त र० पुरन्वरे और विजय
उर्फ खंडेराव र० पुरंदरे
5, अशोक वन, माडेन कालोनी पुणे-16
(अन्तरक)

(2) 1. डा० प्रसाद ना० होनभ 592/2 बंधवार पेठ
पुणे 2. डा० जयसिंह कु० शिंदे 244 साई निवास
सहकार नगर 1 पुणे-6 3. डा० प्रकाश वि० भावे,
2042 महाशिव पेठ पुणे ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सप्ताहवन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है :

अनुसूची

जमा कि रजिस्ट्रीकृत 37ईई/154/1986-87 जो 6 जून
1986 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना
के दफ्तर में लिखा गया है ।

अंजनीकुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक 8-1-1987
मोहर

प्रकृष बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना-1

पूना, दिनांक 8 जनवरी 1987

निदेश सं० 37ईई/2660/85-87—वतः महें, अंजनी
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फायनल प्लॉट क्र० 31/7, टी० पी० एस०
क्र० 3 सं० सं० 2164/65 विजय नगर कालोनी, सदाशिव पेठ,
पुणे है तथा जो पूना में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 ए बी के अधीन दिनांक 12 सितम्बर 1986
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवसाय
प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
दोष ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(1) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(2) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनात् अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, के उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गोपीचन्द माणिकचन्द धारिया
"माणिक" निपाणी, बेलगांव ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स बुटाला बाटे एमोसिएट्स
1032, तिलक रोड, यशवन्त अपार्टमेंट, पुणे ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ईई/2660/86-87 जो,
12 सितम्बर 86 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है ।

अंजनी कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 8-1-1987
मोहर :

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना-1

पूना-1, दिनांक 6 जनवरी 1987

निदेश सं० 37जी/280/86-87—यतः, मुझे,

अंजनी कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है और जिनकी सं० लैण्ड बेअरिंग फायनल प्लॉट नं० 318/319 सि० सं० नं० 934+935 ए, शिवाजी नगर पुणे है तथा जो पूना में स्थित है (और इसमें उगावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज/सब रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1909 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती भुगदेवी प्रानन्दराव गाडेकर
934-935ए, शिवाजी नगर, पुणे ।

(अन्तरक)

(2) श्री विठ्ठलराव जोशी चेरिटीज ट्रस्ट
पब्लिक ट्रस्ट, बाम्बे पब्लिक ट्रस्ट एक्ट 1950
बेअरिंग नं० सी-28, सुयश गोखले रोड, नार्थ
वांदर, बाम्बे-28 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसे कि रजिस्ट्रीकृत सं० 37ईई/280/86-87 जो माह सितम्बर 86 को सब रजिस्ट्रार हवेली जि० पूना के दफ्तर में लिखा गया है ।

अंजनी कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 6-1-87
मोहर :

प्रस्प बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना-1

पूना, दिनांक 6 जनवरी 1987

निदेश सं० 37जी/278/86-87—यत, मुझे, अंजनी कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० लैंड रेगुलेशन प्लॉट नं० 6 सं० नं० 81-ए/1/1 औद्योगिक पुणे है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर सब रजिस्ट्रार में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीगों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अन्तर्गत अन्तर्गत दायित्व में रखा गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

12—486GI/86

(1) श्री गोलाब चन्द के० पुंगालिया
81-ए/1/1 औद्योगिक पुणे-7

(अन्तरक)

(2) सरस्वती बैंक एम्पलाईज को० प्रा०
हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड,
81-ए/1/1 औद्योगिक पुणे-7।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसे कि रजिस्ट्रीकृत सं० 37जी/86-87/278 जो माह अगस्त 86 को सब रजिस्ट्रार हवेली I जि० पुणे के दफ्तर में लिखा गया है।

अंजनी कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण,
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 6-1-1987

मोहर :

प्रत्यक्ष आर्द्र.टी.एन.एल.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अन रेज, पूना-1

पूना, दिनांक 9 जनवरी 1987

निदेश सं० 37जी/247/86-87--यतः, मुझे,

अंजनी कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे 10/15/बी/2 सी० टी० एम० सं० 681 कोथरुड पुणे है तथा जो पूना में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर सब रजिस्ट्रार में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 6) के अधीन दिनांक 15 सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल की तुलना में अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विवरण जाना जा रहा था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. श्रीमती नलिनी जी० कामे प्लेट नं० 22 नीलतरंग 200 बी० सावरकर मार्ग मु० 16 2 एम० एम० गिलाब्रल बिन्डर्स 3. त्रिवेणी भवन आर० आर० टी० रोड, मुल्ड - मु०-80 3. एम० एम प्रथमेश कन्सट्रक्शन्स 6, चैनवे हाउस 63 पोरबन्दर रोड, मु०-6।

(अन्तरक)

- (2) एम० एम० वालचन्दनगर इण्डस्ट्रीज लि० 16 एम० जी० रोड, पुणे-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसे कि रजिस्ट्रीकरण सं० 37 जी/247/86-87 जो 15 सितम्बर 1986 को सब रजिस्ट्रार मुंबई के दफ्तर में लिखा गया है।

अंजनी कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पूना

दिनांक : 8-1-1987

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 7 जनवरी 1987

निदेश सं० 37जी/246/856-87—यतः मुझे, अंजनी
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 111(पार्ट) सर्वे सं० 112(1)
(पार्ट) सी० एम० सं० 2271 और 2774 लिवंडी कल्याण
रोड ता० कल्याण जि० थाना है तथा जो भिवंडी में स्थित है
(और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मख रजिस्ट्रार में रजिस्ट्री
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
1 सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जयन्त रघुनाथ पाठक और अन्य
स्मृती तिलक पथ डोम्बवीवली (ई)

(अन्तरक)

(2) श्री मंगलसुर्ती कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी
लि०, भिवंडी कल्याण रोड, जि० थाना ।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37जी/246/86-87 जो
1 सितम्बर 1986 को सब-रजिस्ट्रार कल्याण के दफ्तर में
दाखल किया गया है ।

अंजनी कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 7-1-87
मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, - पूना-37

दिनांक 6 जनवरी 1987

निवेदन सं० 37ईई/3384/86-87—यतः मुझे, अंजनी
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं०

है तथा जो श्राना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन दिनांक
11-8-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से मुक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धारित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) लाईसेन्सर ग्लेडट लांगर (इ०) लि० और अन्य
16 एस० भगतसिंग रोड, बम्बई-23
(अन्तरक)

(2) लाईसेन्सी :
श्री ललित सी० गांधी और अन्य लोक होलिडिंग
14 विशाल शापिंग सेण्टर
सर एन० ज़्वी० रोड, अंधेरी (ईस्ट) बम्बई-69।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ईई/3384/86-87 जो
11-8-86 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन
रेंज, पूना के वफ़तर में लिखा गया है।

अंजनी कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 6-1-1987
मोहर :

प्ररूप बाह्य. टी. एन., एच. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, पुना

पुना, दिनांक 6 जनवरी 1987

निदेश सं० 37ईई/5147/86-87---यतः मुझे अंजनी

कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1 00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे सं० 296 343 347 हिस्सा न०
विगट गांव ता० वसई जि० थाना है तथा जो विगट में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर
आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेज आयकर अधिनियम 1961
की धारा 269 कख के अधीन दिनांक 21 निसम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
बहुल प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
नाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निर्दिष्ट में वास्तविक रूप से अभित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से यह किसी नाय की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की
वास्तव में कमी करने या उसके बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी नाय या किसी भन या अन्य वास्तियों
को किन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अपेक्षा
के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के सम्पत्ति—

(1) मेसर्स नवभारत कन्स्ट्रक्शन कम्पनी
संकेत भवानी शंकर रोड दादर बम्बई-28।
(अन्तरक)

(2) श्री गोविंदजी शिवाजी शाह और अन्य
ड्राग गोकुल पेट्रोल पम्प के सामने अगसी रोड
विगट बेस्ट ता० वसई जिल० थाना।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्धन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्धन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास
निर्दिष्ट में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत सं० 37ईई/5147/86-87 जो
21 सितम्बर 86 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जुन
रेज पुना के दफतर में लिखा गया है।

अंजनी कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज, पुना

दिनांक : 6-1-87

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 7 जनवरी 1987

निर्देश नं० 37ईई/5242/86-87—यत् मझे, अर्जनी
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० यूनिट गाला स० (32 से 36 ग्राउण्ड फ्लोर)
गाला न० 71 से 76 पहला मजला, गाला स० 109 से 114
दूसरा मजला न्यू माडेल्ला इण्डस्ट्रीज इस्टेट पञ्चाखण्डी थाना
है तथा जो पञ्चाखण्डी में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज आयकर अधि-
नियम 1961 की धारा 269-ब के अधीन, दिनांक 26 मितम्बर
1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ए० दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरको) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री माडेल्ला वुन्स लि०
रेशम भवन, 7वा मजला, वीर नरीमन रोड,
बम्बई-20

(अन्तरक)

(2) 20वा नन्वरी फायनान्स कारपोरेशन लि० 25/2
मेकर चेम्बर्स III दूसरा मजला, नरीमन पॉइंट
बम्बई-21 ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/5242/86-87 जो
26 मितम्बर 86 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन
रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है ।

अर्जनी कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 7-1-87

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 9 जनवरी 1987

निदेश सं० 37ईई/4504/86-87—यतः मझे, अंजनी
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
संशोधन पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० संवे सं० 139, हिस्सा सं० 2 संतोषी माता
देवल के लाईन में कल्याण भिवण्डी रोड, कल्याण जि० धाना
है तथा जो कल्याण में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269-ब के अधीन, दिनांक 10-9
1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टान्त
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पक्ष में प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे उधने में स्विधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों का,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्सरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री चिन्तामण सवाशिव आगलावे
आगलावे बाबा, आगलावे आसी कल्याण
जिला—धाना ।

(अन्तरक)

(2) मेमर्स विकास एण्टरप्राइजेस
7 यनिया निवास, मनेकलाल इस्टेट आग्रा रोड,
घाटकोपर बम्बई-86 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनसूची

जैसा कि रजिस्ट्री कृत क्र० 37ईई/4504/86-87 जो
जो 10-9-86 का सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन
रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है ।

अंजनी कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 9-1-87

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना—1

पूना; दिनांक 5 जनवरी 1987

सं० 37ईई/2026/86-87—यतः मझे अंजनी

कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० शाम नं० 11 तल्लमजला आरोरा टावर्स 9 भी लेडीन रोड पुणे है तथा जो जो पूना में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता धिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 ए० बी० के अधीन, दिनांक 15 अगस्त 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एम किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
के शर्तों में निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री शरत प्रमोदर्स
2 ईस्ट स्ट्रीट पुणे ।

(अन्तरक)

(2) गोल्डन ग्रनाइट प्रा० लिमिटेड
202 बिना अपार्टमेंट सेनापती बापट रोड
पुणे—16

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विरचा गया है ।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्रमांक 37ईई/2025/86-87
जो 15-8-86 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन
रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है ।

अंजनी कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 5-1-1987

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

- (1) कल्पतरु कन्स्ट्रक्शन्स
111, मेकर चेंम्बर IV-
नरीमन पॉइंट, बम्बई-21

(अन्तरक)

- (2) कल्पतरु गार्डन्स प्रायव्हेट लिमिटेड
111, मेकर चेंम्बर I
नरीमन पॉइंट बम्बई ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना—1

पूना, दिनांक 6 जनवरी 1987

निर्देश सं० 37ईई/940/86-87—यतः मझे, अर्जनी-

कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस सं० ए-16, 17, 18 तथा बी-
16 तथा 17 पहला माला, कल्पतरु ललाजा, 224, भावानीपट,
पुणे है तथा जो पूना में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 ए बी दिनांक 2
जुलाई 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

जैसे कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ईई 940/86-87 जो माह
2 जुलाई 86 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन
रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है ।

अर्जनी कुमार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

13—486GI/86

दिनांक : 6-1-87

भोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना—1

पूना—1, दिनांक 6 जनवरी 1987

निदेश सं० 37ईई/1439-ए/86-87—यतः मुझे, अंजनी
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी० टी० सं० 1143/बी भाबुडा, शिवाजी
नगर पुणे—16 है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन
रेंज आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 ए० बी के अधीन,
दिनांक 19 जुलाई 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि अध्यापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का
अच्छा प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) सम्पत्ति से हुए किसी आय की वास्तव उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्ययित्व में कमी करने या उक्त अन्तरण में सूचना
की लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गुपेद्र उर्फ विनय आ० पारकर
श्री आनन्द आ० पारकर
श्रीमती प्रतिभा आ पारकर
1143बी० शिवाजी नगर पुणे—16

(अन्तरक)

(2) एम० एस० प्रवीन गुप्ते एण्ड एसोसिएट्स
विष्णू वर्धन 1132/3 शिवाजी नगर
एफ० सी० रोड पुणे 16

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही कराया गया है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन के तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जैसे कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ईई/1439-ए/86-87 जो
19 जुलाई 1986 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अंजनी कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 6-1-1987
मोहर :

भारत सरकार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, पूना—1

पूना, दिनांक 6 जनवरी 1987

निदेश सं० 37ईई/1685/86-87—यतः मुझे, अंजनी
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सब-प्लेट सं० 19 सी० एस० सं० 49-ए,
एफ० पी० सं० 72, एरंडवणे टी० पी० एस-1 है तथा जो पूना
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक
आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रंज आयकर अधिनियम,
1961 की धारा 269 ए० बी० दिनांक 2 अगस्त 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
राया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की दृष्टि, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तविक रूप से कथित करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) एस० एन० डी० टी० नमूदन्त यूनिवर्सिटी
नायी बाई ठाकरसी रोड, मुंबई-20 ।
(अन्तरक)

(2) एम०/एस० लिला कन्स्ट्रक्शन प्रा० लि०
836 सदाशिव पठ, पुणे-30
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अर्थात् हस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जैसे कि रजिस्ट्रीकृत क्रमांक 37ईई/1685/86-87 जो
2-8-86 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन
रंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अंजनी कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, पूना

दिनांक : 6-1-1987
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

व्यक्त सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना—1

पूना, दिनांक 7 जनवरी 1987

निदेश सं० 37ईई/4531/86-87—यत. मुझे, अंजनी-कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० सी० टी० एम० ने 917/17 शिवाजीनगर, गणेशवाडी पुणे 8 (ए) है तथा जो पूना में स्थित है (और इसमें उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 ए० की अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 8 नवम्बर 1986,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दख्तान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दख्तान प्रतिफल से, ऐसे दख्तान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय बादा गया प्रतिपन्न, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वजह, उक्त अधिनियम के अधीन कर दर के अन्तरक से वास्तविक को कमी करने या उक्त अन्तरक से अन्तरण के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के उद्देश्य के लिए;

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री उपेन्द्र केशवराव कानिटकर और ईतर
917/15 शिवाजी नगर, गणेशवाडी
पुणे-4

(अन्तरक)

(2) श्री बालनायक जोशी
20 जयदेव प्रशांतनगर
पुणे-30

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाद—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद से समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नमूना

जेंग कि रजिस्ट्रीकृत सं० 37ईई/4531/जो माह 28 नवम्बर 86 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज. पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अंजनी कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 7-1-1987
मोहर :

प्रश्न बाई. टी. एन. एच.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, पूना—1

पूना, दिनांक 5 जनवरी 1987

निदेश सं० 37ईई/2100/86-87—यत सुते, अजनी कुमार,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 4, 6, 7, 9 और 10 मश अर्पाटमेंट प्लॉट सं० 17 सर्वे सं० 163 ग्रोध पुणे-7 है तथा जो पूना में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रंज आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 ए० बी०, दिनांक 17 अगस्त 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रमाणों के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी कम की वारं, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाबत में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, बिना भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्य अधिनियम, या भायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रत्येक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) मे० देवी कन्स्ट्रक्शन कम्पनी
देवी निवास 1161/10 शिवाजी नगर
पुणे—5

(अन्तरक)

(2) असिस्टेंट जनरल मैनेजर
इण्डस्ट्रियल फाइनेन्स कारपोरेशन
1120 माडेल कोलनी पुणे—16

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए कार्यवाही शुरू करवा है।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि कम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वृद्ध किसी व्यक्ति द्वारा। अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा। जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्रमांक 37ईई/2100/86-87 जो 17-8-86 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जुन रंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अजनी कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, पूना

दिनांक : 5-1-1987

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 के 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

पूना, दिनांक 5 जनवरी 1987

निदेश सं० 37ईई/2528/86-87—यतः मुझे अंजनी कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सब प्लॉट सं० 2 मिटी सर्वे सं० 494 एडरं
वर्ण पुणे 4 है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन
रेंज आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 ए० बी०
26 अगस्त 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच के एीसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम के धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मे० धिरज आमर्न स्टील प्रा० लिमि०
धिरजलाल हाउस सिंधी लेन नानूमाथी देसाई रोड
मुम्बई -4

(अन्तरक)

(2) मे० के० पी० एण्टरप्रायसेस
98 मरिन ड्राइव नीलकण्ठ 6ठा मजला मुम्बई
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्रमांक 37ईई/2528/86-87 जो
26-8-86 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज
पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अंजनी कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज पूना

दिनांक : 5-1-1987

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 5 जनवरी 1987

निदेश सं० 37ईई/163/86-87--यतः मुझे, अंजनी
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सब प्लॉट सं० 39 सिटी सर्वे सं० 49ए
फायनल लाट सं० 72 एंरण्डवणे पुणे है तथा जो पूना में स्थित
है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) अर्जन रेंज सब आयकर अधिनियम 196 की धारा
269 ए० बी० दिनांक 1 अगस्त 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकाँ) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) एस० एन० अ० र० बुमेन्स यूनिवर्सिटी
नायीबाई ठाकरशी रोड मुंबई ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स लि० कन्स्ट्रक्शन प्रा० लि०
836 सवाशिव पठ पुणे -30

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्रमांक 37ईई/1682/86-87 जो
1-8-86 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज
पूना के दफ्तर में लिखा गया है ।

अंजनी कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 5-1-87

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 5 जनवरी 1987

निवेश सं० 37ईई/2958/86-87---यतः मुझे, अंजनी
कुमार-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 2 बिल्डिंग सं० 2 13 बोट क्लब
रोड पुणे-7 है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 ए० वी० के अधीन
दिनांक 22 मितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती मेहरू राफत वडलेण्ड

फ्लैट सं० 9-2ए सलीमबरी पार्क पुणे-9

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एम० एस० बसरूर और इनर

ब्राग श्री ए० व्ही० फेगडे वॉ कालेज रोड

पुणे-5

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संक्षेपः :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्रमांक 37ईई/2958/86-87
जो 22-9-86 का सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन
रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अंजनी कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 5-1-1987

मोहर :

आरूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना--1

पूना, दिनांक 5 जनवरी 1987

निदेश सं० 37ईई/1683/86-87--यतः मुझे, अंजनी कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सब प्लॉट सं० 17 सिटी सर्वे सं० 9ए प्लॉट सं० 72 एण्डवणे पुणे है तथा जो पूना में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 ए० बी० तारीख 1 अगस्त 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भी बात की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर बनें के अन्तरक को बाधित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, य धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वय में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

14-486GI/86

(1) एम० एन० डीटी० बुईमेन्स यूनिवर्सिटी
नायीबाई ठाकरसी रोड मुंबई ।

(अन्तरक)

(2) लिला कन्स्ट्रक्शन प्रा० लि०
336 महाशिव पेठ, पुणे-30

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

इस सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जांच :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसूची

जैसा कि रजिस्ट्रारकृत क्रमांक 37ईई/1683/86-87 जो 1-8-86 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है ।

अंजनी कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 5-1-87

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मेजर हणमंतराव ना० जगनाथ
ताडीवाला रोड, पुणे-9

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(2) मेसर्स ए० व्ही० मुले कन्स्ट्रक्शन कम्पनी
1231/ए शिवाजी नगर एफ० सी० रोड
पुणे-4

(अन्तरिती)

अर्जन रेंज, पूना--1

पूना-1, दिनांक 7 जनवरी 1987

निदेश सं० 37ईई/2795/86-87--यतः मुझे अंजनी
कुमार,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके
द्वारा 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायी संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अर्जिंग सर्वे सं० 2712 डी/2 सं० नं०
134/2/2 भांबुडी शिवाजी नगर पुणे है तथा जो पूना में स्थित है
और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) अर्जन रेंज आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269 ए० बी० दिनांक 15 सितम्बर 1986को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मैंने यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अंतरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन की निम्न
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तविक

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ईई/27ईई/2795/86-87
जो 15 सितम्बर 86 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।अंजनी कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 7-1-1987

मोहर :

प्ररूप आर्द्र. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 8 जनवरी 1987

निदेश सं० 37ईई/2492/86-87—यतः, मुझे अंजनी कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वान करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० हाउस प्रापर्टी क्र० बी० 42 अश्विनी को० आप० सोसायटी बाम्बे पूना रोड पुणे है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 ए० बी० दिनांक 2 सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुरेश नारायण कोल्हापुरे
सी-11 देवकुश अश्विनी को० आप० हाउसिंग
सोसायटी बाम्बे पूना रोड पुणे- 5
(अन्तरक)

(2) श्रीमती उषा प्रभाकर पारगावकर
सी/8 उषा काल अपार्टमेंट पुष्पमाला को० आप०
हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड 1010
शिवाजीनगर पुणे-16 ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसे कि रजिस्ट्रीकृत क्रमांक 37ईई/2492/86-87 जो 2 सितम्बर 86 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना के दफतर में लिखा गया है ।

अंजनी कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज पूना

दिनांक : 8-1-1987
मोहर :

प्रकाश जाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना-1

पूना, दिनांक 8 जनवरी 1987

निवेदो निदेश सं० 37ईई/3083/86-87---यत. मुझे
अंजनी कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० ए-6, परमार पेराडाईज, दूसरा
माला 3/4 बी० डी० रोड पुणे-9 है तथा जो पूना में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर
आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज/आयकर अधिनियम 1961
की धारा 269 ए० बी० के अधीन दिनांक 26 सितम्बर 1986
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ईश्वर कन्ट्रक्शन्स प्रा० लिमिटेड
3/4 बी० डी० रोड पुणे 1

(अन्तरक)

(2) कुमारी टी० जोतवानी
कुमारी निर्मला टी० जोतवानी
श्री भारत टी० जोतवानी
12/बी शांती कुंज आपोसिट जी० पी० ओ०
पुणे 1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसे कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ईई 3083/86-87 जो
26 सितम्बर 1986 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अंजनी कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 8-1-1987
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 22 जनवरी, 1987

निर्देश सं० ए० सी० 72/आर-11/कल/86-87—अत मूले,

ए० ए० तिबारी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 33 है, जो कांकुर गाछी रोड, कलकत्ता
में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सक्षम प्रावि-
कारी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 19 37 ईई/7/आर- /कल/86-87
दिनांक 6-6-1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
मूल्य के लिए अतिरिक्त की गई है और मझे यह विश्वास
है कि यह मूल्य बाजार मूल्य का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ए० ए० प्रकरण के लिए तय किया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधिनियम के दृश्यमान प्रतिफल के दृश्यमान
प्रतिफल के बीच अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल
का 15 प्रतिशत से अधिक है

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकताओं
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए;

1. श्री चितरजन दास

(अन्तरक)

2. मै० कान्क्लेस्ट कामशियल को० प्रा० लि०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को बर्चन के लिए
कायदा किया जाता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अधिकारी में स किमा व्यक्त द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अतिरिक्त के पाद
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

उल्लिखित दलील में 37 ईई/7/आर-II/कल/86-87
तारीख 6-6-86 के अनुसार 273.42 बि० म० जमीन
के साथ 5 मंजिल मकान 33 कांकुरगाछी रोड, सी० आई०
टी० स्कीम सं० बी आई एम(एम), कलकत्ता पर स्थित
है।

एम० ए० तिबारी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के लिए, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 22-1-1987

मोहर :

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 18th December 1986

No. F. 6/56/71-SCA(I).—Shri Brij Mohan Batra, (Assistant Registrar) having expired on December 10, 1986, his services in this Registry came to an end with effect from the afternoon of December 10, 1986.

The 5th February 1987

No. F. 6/87-SCA(I).—The following Officers have retired from the service of the Registry of the Supreme Court of India with effect from the date mentioned against each on their attaining the age of superannuation :

Sl No.	Name & Designation	Date of retirement
1	2	3
1.	Shri K. Chandramouli, Offg. Joint Registrar	31-1-1987 (A.N.)
2.	Shri K. K. Mehan, Offg. Deputy Registrar	30-11-1986 (A.N.)
3.	Shri Har Sahai Saxena, Offg. Assistant Registrar	31-1-1987 (A.N.)
4.	Shri Jagjivan Parkash, Offg. Section Officer	31-1-1987 (A.N.)

A. N. OBERAI,
Registrar.

ENFORCEMENT DIRECTORATE

FOREIGN EXCHANGE REGULATION ACT

New Delhi-3, the 10th February 1987

F. No. A-11/3/75.—Director of Enforcement hereby appoints Shri M. H. Khan in this Directorate to officiate as Chief Enforcement Officer on ad-hoc basis for the period of six months in Gauhati Field Unit of this Directorate with effect from 20-1-1987 (Forenoon).

KALI CHARAN
Chief Enforcement Officer (Admn.)

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 11th February 1987

No. 2/10/87-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri V. B. Bhatia, Section Officer of the Department of Posts, Ministry of Communications as Section Officer in the Commission in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500 on deputation with effect from the afternoon of 6th February, 1987 until further orders.

MANOHAR LAL,
Under Secretary (Admn.)
for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF PERSONNEL AND TRAINING,

ADMINISTRATIVE REFORMS

PUBLIC GRIEVANCE AND PENSION

New Delhi-110 003, the 30th January 1987

No. A-32012/1/85-AD.III.—In pursuance of Head Office Order No. 94/87 dated 30-1-1987 (No. A-32012/1/85-AD.III) Shri S. B. Agarwal, P.A. (Grade 'C' Stenographer) has taken over charge in C.B.I. Head Office on his promotion to

the Grade 'B' Stenographer in the time scale of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200, as Sr. P.A. to J.D./C.B.I. with effect from the Afternoon of 30th January, 1987.

C. K. PATHAK,
Supdt. of Police (HQ)
CBI (HO).

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

INSTITUTE OF CRIMINOLOGY AND FORENSIC SCIENCE

New Delhi, the 13th January 1987

No. 1/5/86-ICF/Pers.I.—The President is pleased to appoint Shri A. K. Gupta, Assistant Director, Forensic Science Laboratory, Haryana, Madhuban as Assistant Director (Document) in the Instt. of Criminology and Forensic Science on deputation in the pay scale of Rs. 1100-1600 w.e.f. the forenoon of 7th November, 1986 for one year in the first instance extendable upto 3 years.

R. S. KULKARNI,
Director.

DIRECTORATE GENERAL, C.R.P.F.

New Delhi-110003, the 4th February 1987

No. O.II-2314/86-Estt.I.—The President is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Anu Varma as General Duty Officer Grade II (Deputy Superintendent of Police Company Commander) in the CRP Force in a temporary capacity with effect from the forenoon of 29th November, 1986 until further orders.

The 5th February 1987

No. O.II-2315/86-Estt.I.—The President is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Trishala Krishna Kumar Dhemre as General Duty Officer Grade-II (Deputy Superintendent of Police/Company Commander) in the CRP Force in a temporary capacity with effect from the forenoon of 8th December, 1986 till further orders.

No. O.II-2346/87-Estt.I.—The President is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Neena Nayyar as General Duty Officer Grade-II (Deputy Superintendent of Police/Company Commander) in the CRP Force in a temporary capacity with effect from the forenoon of 30th January, 1987 till further orders.

The 6th February 1987

No. A.VI-2/86-Estt.I.—The President is pleased to appoint Shri Ravindra Kumar Pandey as Deputy Superintendent of Police (Company Commander) in the Central Reserve Police Force in a temporary capacity until further orders. He is posted to Group Centre, CRPF, Pinjore.

2. Shri Ravindra Kumar Pandey has reported to ISA, CRPF, Mount Abu for training and has taken over charge of his post on 8-12-1986 (FN).

The 9th February 1987

No. O.II-2136/86-Estt.(CRPF).—Consequent upon his promotion as Director General, National Security Guard, New Delhi, Shri K. L. Watts, IPS (UP-1956), Inspector General of Police, S/III, CRPF, New Delhi has been relieved on the afternoon of 28th January, 1987.

No. F.2/3/87-Estt.(CRPF).—The President is pleased to sanction proforma promotion to Shri R. P. Singh, Second-in-Command (Assistant Commandant) presently on deputation with the Institute of Criminology and Forensic Science (MHA), New Delhi to the rank of Commandant non-selection grade with effect from 25-9-86 (AN), in the CRPF in the pay scale of Rs. 1200-50-1700 (pre-revised).

The 11th February 1987

No. F.2/46/86-Estt.—The President is pleased to sanction proforma promotion to Shri Vinod Kumar Sharma, presently on deputation with the U.P. Police Computer Centre to the rank of Assistant Commandant in CRPF with effect from 28-4-86 i.e. the date on which his senior lastly took over charge in the pay scale of Rs. 1200-50-1700.

ASHOK RAJ MAHEEPATHI,
Assistant Director (Estt.)

DIRECTORATE GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 9th February 1987

No. E-16013(2)/24/82-Pers.I/13.—On repatriation to parent cadre i.e. West Bengal, Shri P. K. Sahai, IPS (WB: 74) relinquished the charge of the post of Commandant, CISF Unit, MAMC Durgapur with effect from the afternoon of 22nd January, 1987.

The 12th February 1987

No. E-16013(1)/1/87-Pers.I/14.—On appointment on deputation, Shri R. Viswanathan, IPS (Kar: 66) assumed charge of the post of Dy. Inspector General, North Zone, CISF, New Delhi with effect from the forenoon of 9th February, 1987.

(Sd.) ILLEGIBLE
Director General/CISF

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT,

CENTRAL REVENUES-1,

New Delhi-2, the 11th February 1987

No. Admn.I/O.O. No. 284.—The Director of Audit, Central Revenues-1, hereby appoints Shri K. C. Govil an officiating Audit Officer of this Office, in a substantive capacity against a permanent post of Audit Officer in the time scale of Rs. 2375-3500 with effect from 1-2-1987

(Sd.) ILLEGIBLE
Dy. Director of Audit (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
(AUDIT) I, ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 10th February 1987

No. Admn.I/8-132/86-87/170.—Sri L. V. Viswanathan, Audit Officer, Office of the Accountant General (Audit), Andhra Pradesh, Hyderabad, retired from service on the Afternoon of 31-1-1987.

No. Admn.I/Prom/8-132/86-87/169.—The Accountant General (Audit) I, Andhra Pradesh, Hyderabad is pleased to promote the following Asstt. Audit Officers to officiate as Audit Officers in the scale of Rs. 2375-75-3200-EB-100-3500 with effect from the dates noted against them until further orders :—

Name and Date of assumption of charge

1. Sri C. Satyanarayan 30-1-1987 (FN).
2. Sri K. Yegganarayana Sarma 29-1-1987 (FN).

The promotions are ordered without prejudice to the claims of their seniors if any and is also subject to the result of the writ petition in the A.P. High Court/Supreme Court. They should exercise their option within one month of their date of promotions in terms of Govt. of India O.M. No. F 7/1/80-Estt (Pt.I, dated 26-9-1981).

(Sd.) ILLEGIBLE
Deputy Accountant General (Admn.).

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A&E)-I
MADHYA PRADESH

Gwalior, the 27th January 1987

No. Admn. F. Lo's Promo/F. No. 65/331/1778.—Accountant General (A&E)-I Madhya Pradesh, Gwalior has promoted Shri N. K. Gauram Permanent Section Officer (02/446) as Accounts Officer in an officiating capacity in the scale Rs. 2375-75-3200-EB-100-3500 until further orders with effect from 22-1-87 (Forenoon).

(Authority :—Accountant General (A&E)I's order dated 21-1-87).

NIRANJAN PANT,
Sr. Dy. Accountant General/Admn.

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
AUDIT, KERALA

Trivandrum, the 9th February 1987

No. Entt/1/10-3/86-87.—The following Audit Officers of the Office of the Accountant General (Audit) Kerala, Trivandrum retired on superannuation from Government Service on the dates noted against each :—

1. Shri M. Gangandhara Menon, 31-1-1987 (AN).
2. Shri A. T. Markose, 31-1-1987 (AN).
3. Shri K. Sreedharan, 31-1-1987 (AN).

Shri K. V. John (No. 2) Audit Officer has retired voluntarily from 1-2-1987 (FN).

ANANDA SHANKAR,
Accountant General

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) I,
WEST BENGAL

Calcutta-700001, the 30th January 1987

No. Admn.I/Promotion-93/AAC/2605.—The Accountant General (Audit) I, West Bengal has been pleased to appoint the following Section Officers (Audit) as Assistant Audit Officers (Group B Gazetted post in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200/-) in temporary and officiating capacity with effect from the forenoon of 29th December, 1986 :—

1. Shri Debendra Nath Guin,
2. Shri Kshetra Mohan Mondal.

These promotions are subject to the final outcome of the Writ petition now pending before the Hon'ble High Court, Calcutta.

The newly promoted Assistant Audit Officers will have to exercise option within one month in terms of para 2(b) of GI MF OM dated 26-9-1981, for either to fix their pay under FR 22(a) (i) on the date of promotion and then under FR 22-C from the date of next increment in the lower post or under FR 22-C on the date of promotion straightway.

S. K. MISHRA,
Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

Calcutta-700 001, the 30th January 1987

No. Admn. I/Promotion-93/2756-58.—The Accountant General (Audit) I, West Bengal has been pleased to appoint the following Assistant Audit Officers to officiate as Audit Officers in temporary and officiating capacity with effect from the forenoon of 1st January, 1987 in the office of Accountant General (Audit) I and Accountant General (Audit) II, West Bengal Calcutta until further orders :—

S/Shri

- (1) Ranjit Kumar Bhowmick,
- (2) Nepal Chandra Kanjilal.

These promotions are subject to the final outcome of the Writ Petition now pending before the Hon'ble High Court, Calcutta.

The newly promoted Audit Officers will have to exercise option within one month in terms of para 2(b) of G.I.M.F.O.M. dated 26-9-1981 for either to fix their pay under F.R. 22(a)(i) on the date of promotion and then under F.R. 22-C from the date of next increment in the lower grade or under F.R. 22-C on the date of promotion straightway.

H. S. MURTHY
Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT
DEFENCE SERVICES

New Delhi, the 11th February 1987

No. 4812/A.Admn./130/86.—On attaining the age of superannuation, Shri P. N. Handa, Officiating Asstt. Audit Officer, Defence Services retired from service with effect from 31-1-1987 (A.N.).

B. S. GILL
Joint Director of Audit,
Defence Services

MINISTRY OF DEFENCE
ORDNANCE FACTORY BOARD

DGOF HQRS. STENOGRAPHERS' SERVICE

Calcutta, the 20th January 1987

No. 1/87/A/E-1(NG).—The D.G.O.F. is pleased to promote the following individuals in officiating capacity against existing vacancies in grades and on dates shown against each:—

1. Shri J. C. Bysick	Sr. PA (ad-hoc) of Board Calcutta.	PS/Sr. PA of Board, Calcutta.	From 30-12-86 (F. N.) until further orders.
2. Shri R. N. Ray	DS.	Do.	Do.
3. Shri P. K. Roy	PA (SG) of Board, Calcutta.	Do.	Do.
4. Shri S. C. Chatterjee	Do.	Do.	Do.
5. Shri D.C. Ghosal	Do.	Do.	Do.
6. Shri R. K. Sarkar	Sr. PA (ad-hoc) of Board, Calcutta	Do.	From 12-1-87 until further orders.

2. The above promotees will be on probation for two years from the dates of their promotion.

The 2nd February 1987

No. 287/A/E-1(NG).—On attaining the age of superannuation, the following Officers retired from service w.e.f. 31-1-87 (A/N):—

- (1) Shri Achintya Kr. Bhattacharyya,
Offg. Assistant Staff Officer,
(Subs. and Pmt. UDC).
- (2) Smt. Renuka Mitra,
Offg. Assistant Staff Officer,
(Subs. and Pmt. UDC).

S. DASGUPTA, DDGOF/ADMIN.
or Director General, Ordnance Factories.

Calcutta, the 11th February 1987

No. 2 G 87.—On attaining the age of superannuation, Shri B. N. Ghosh, subs. and Permt. Staff Officer retired from service with effect from 31st January, 1987/AN.

M. A. ALAHAN
JT. DIRECTOR (G)

MINISTRY OF LABOUR

DIRECTORATE GENERAL FACTORY ADVICE SERVICE
AND LABOUR INSTITUTES, BOMBAY

Bombay-400 022, the 13th February, 1987

No. 15/1/87-Estt.—The Head of Department, Directorate General Factory Advice Service and Labour Institute, Bombay is pleased to appoint Shri P. K. Ravindranathan as Administrative Officer, Central Labour Institute, Bombay under the DGFA S.I. Bombay in an officiating capacity with effect from 5-2-87 (I.N.) until further orders.

S. B. HEGDE PATIL,
Dy. Director General and Head of Department.

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS

New Delhi, the 12th February, 1987

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

(ESTABLISHMENT)

No. 6/682/62-Admn(G)/820.—The President is pleased to appoint Shri E. W. Lyngdoh, a Grade II Officer of the Central Trade Service (Deputy Chief Controller of Imports and Exports) to Grade I of the Central Trade Service (Joint Chief Controller of Imports and Exports) on regular basis with effect from the 29th January, 1987 until further orders. The promotion of Shri Lyngdoh is in accordance with the recommendations of the Departmental Promotion Committee. The promotion of Shri Lyngdoh to Grade I of the Central Trade Service is in accordance with the provisions of the Central Trade Service (Group 'A') Rules, 1977, as amended from time to time.

R. L. MISHRA
Chief Controller of Imports and Exports.

New Delhi, the 12th February 1987

No. 6/1038/74-Admn(G)/Pt.II/810.—The President is pleased to appoint Shri B. A. Kulkarni, Assistant Chief Controller of Imports and Exports (Grade III of Central Trade Service) in the Imports and Export Trade Control Organisation to Grade-II of Central Trade Service (Deputy Chief Controller of Imports and Exports) with effect from the forenoon of 28-11-86 and until further orders.

SHANKER CHAND
Dy. Chief Controller of Imports & Exports
for Chief Controller of Imports and Exports

DIRECTORATE GENERAL OF COMMERCIAL INTELLIGENCE AND STATISTICS

Calcutta-700001, the 30th January 1987

No. Estt.I 1(1)85.—In continuation of this Directorate Notification No. Estt.I/1(1)/85/6919-23 dt. 12-11-86, Shri Kumud Ranjan Biswas, Permanent Superintendent, Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics, Calcutta is allowed to continue in the post of Machine Tabulation Officer, on ad-hoc basis for a further period of one month with effect from 1-2-1987.

The terms and conditions of the appointment will remain the same.

S. R. SENGUPTA,
Senior Deputy Director General

MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES
(DEPARTMENT OF FOOD)
DIRECTORATE OF SUGAR

New Delhi-110001, the 10th February 1987

No. A 35021/1/86-Estt.—Shri T. N. Saraswat, Technical Officer (S&R) in the Department of Food is appointed on his temporary transfer on deputation, to the post of Inspecting Officer (Sugar), a group 'B' (Gazetted) post in the pay scale of Rs. 2000-60-2300-FB-75-3200-100-3500 in the Directorate of Sugar, with effect from the 2nd February, 1987, until further orders.

V LAKSHMI RATAN
Jt. Secy. (Sugar)

MINISTRY OF INDUSTRY
DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 21st January 1987

No. 12(104)/61-Admn.(G).—On attaining the age of superannuation Shri P. R. Malhan, relinquished charge of the post of Industrial Adviser (Chemical) in the office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi with effect from afternoon of 31st December, 1986.

The 30th January 1987

No. A-19018(550)/81-Admn.(G).—Consequent on his appointment as Consultant on Government Industrial Data Base to Project in Indonesia under UNIDO Shri N. K. Bhatnagar relinquished charge of the post of Director (Grade II) (Production Index) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries) New Delhi on the afternoon of 2-1-1987.

No. A-19018(809)/87-Admn.(G).—The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to appoint Shri B. B. Sharan, Accounts Officer, Department of Agriculture and Cooperation, New Delhi as Accounts Officer in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries) New Delhi on deputation basis with effect from the forenoon of 15-1-1987 until further orders.

C. C. ROY
Dy. Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND
DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION: A-6)

New Delhi-110001, the 14th January 1987

No. A-17011/317/86-A.6.—On the results of the Engineering Services Examination, 1984 conducted by the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Hansraj Sharma as Assistant Director of Inspection/Inspecting Officer (Engineering) in Engineering Branch of Grade III of the Indian Inspection Service, Group 'A' with effect from the forenoon of 13th November, 1986 and until further orders.

2. Shri Sharma assumed charge of the post of Assistant Director of Inspection/Inspecting Officer (Engineering) (Probation Reserve) in the office of the Director of Inspection, 15-486GI/86

Bombay on 13-11-86 (F.N.). He will be on probation for a period of two years.

R. P. SHAHI
Dy. Director (Admn.)

MINISTRY OF STEEL AND MINES
(DEPARTMENT OF MINES)
GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 29th January 1987

No. 601B/A-19011(1-KKB)/86-19A.—The President is pleased to appoint Shri K. Krishna Bhat, Assistant Geologist, Geological Survey of India to the post of Geologist (Jr.) in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 700-40-900-FB-40-1100-50-1300/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 17-11-86 until further orders.

JAGDISH LALL
Director (Administration)

Calcutta-16, the 5th February 1987

No. 942B/A-19011(2-GJ)/84/19B.—The President is pleased to appoint Shri A. S. Khotpal, Assistant Geophysicist, GSI on promotion to the post of Geophysicist (Junior) in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 700-40-900-FB-40-1100-50-1300/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 21-5-85, until further orders.

No. 957B/A-19012(2-M.M.S.)/86-19B.—The President is pleased to appoint Shri Man Mohan Singh, Asstt Geophysicist (Instn.), G.S.I. to the post of Geophysicist (Jr.) (Instn.) in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 700-40-900-FB-40-1100-50-1300/- in an officiating capacity w.e.f. 29-10-86 (F/N), until further orders.

The 9th February 1987

No. 1327C/A-19012(1-SKSR)/79-19A.—The Director General, Geological Survey of India has permitted to withdraw the resignation submitted by Shri Swapan Kumar Sinha Roy, Assistant Geologist, Geological Survey of India. This is issued in supersession of this office notification No. 4260B/A-19012(1-SKSR)/79-19A dated 23-4-1985.

The 10th February 1987

No. 565N/A-32013(1-RAO)/82-19A.—The President is pleased to appoint Shri K. M. Goswami, Sr. Administrative Officer, Geological Survey of India on promotion as Regional Adm. Officer on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 1300-50-1700/- in the same Department in an officiating capacity with effect from the forenoon of 25-11-86, until further orders.

A. KUSHARI
Director (Personnel)

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 11th February 1987

No. A-19011/263/86-Estt A PP.—On his retirement after attaining the age of superannuation, Shri C. Aswathanarayan Asstt Controller of Mines is relieved of his duties in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 1st February, 1987 and accordingly his name has been struck off the strength of establishment of this department.

The 13th February 1987

No. A-19012(82)/77-Estt A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri H. Banerjee, Assistant Administrative Officer has been promoted to officiate in the post of Administrative Officer the pay scale of Rs. 840-40-1000-FB-40-1200/- in the Indian Bureau of Mines with effect from 5-2-1987 (F.N.).

P. P. WADHI
Administrative Officer
for Controller General

Nagpur, the 10th February 1987

No. A-19011(292)/85-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee Shri M. Bihmananwar Assistant Mineral Economist (Int.) Indian Bureau of Mines has been promoted to officiate in the post of Deputy Mineral Economist (Int.) the pay scale of Rs. 1100-50-1600/- in the Indian Bureau of Mines w.e.f. 30th January, 1987 (F/N).

No. A-19011(399)/87-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental promotion Committee, Shri Arunpananda Naik, Officiating Assistant Mining Geologist, Indian Bureau of Mines has been promoted to the post of Junior Mining Geologist in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 29th January, 1987.

The 11th February 1987

No. A-19012(230)/87-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri V. D. Vaidya, Sr. Tech. Asstt. (OD) Indian Bureau of Mines has been promoted to officiate in the post of Assistant Research Officer in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 3rd February, 1987.

No. A-19012(231)/87-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri A. G. Patukale, Sr. Tech. Asstt. (Geo.) Indian Bureau of Mines has been promoted to officiate in the post of Mineral Officer (Int.) in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 3rd February, 1987.

G. C. SHARMA
Asstt. Administrative Officer,
for Controller General,
Indian Bureau of Mines

SURVEY OF INDIA

Dehra Dun, the 3rd February 1987

No. C-8/718-A.—The undermentioned officers are appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (General Central Service, Group 'B' post), Survey of India in the Revised Scale of pay of Rs. 2375-75-3200-EB-100-3500 with effect from the date(s) as shown against each, on regular basis :—

Sl. No.	Name & Designation	Unit/Office	With effect from
1.	Shri P. L. Sharma, Superintendent, Surveyor General's Office	South Eastern Circle Office, Bhubanewsar.	1-12-1986 (F/N)
2.	Shri Manjit Singh, Superintendent, Surveyor General's Office.	North Western Circle Office, Chandigarh.	30-12-1986 (F/N)
3.	Shri P. N. Sharma, Superintendent, Surveyor General's Office.	Northern Circle Office, Dehra Dun.	22-12-1986 (F/N)

The 11th February 1987

No. F-10/594MANAGERS.—Shri Vijay Kumar Gupta is appointed to officiate as Assistant Manager (Man Reproduction), Survey of India in the General Central Service Group 'B' (Gazetted) against the temporary post in the revised scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500 with effect from the forenoon of 24th December,

1986. His pay is to be fixed @ Rs. 2060/- (Rupees two thousand and sixty only) p.m.

G. C. AGARWAL
Major-General,
Surveyor General of India

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 6th October 1986

No. 9/27/82-SIII.—Consequent upon his confirmation as Scientist/Engineer 'SD' in the Department of Electronics, the Director General, All India Radio is pleased to accept the "Technical Registration" of Shri R. Subburaj from the post of Assistant Engineer, All India Radio with effect from 1st May, 1984.

B. S. JAIN
Dy. Director of Administration
for Director General

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-85, the 6th February 1987

Ref. No. DPS/B-3/Estt/87-Adm/6080.—Shri L. H. Bagwe, a permanent Storekeeper and an officiating Asstt. Stores Officer, Central Stores Unit of this Directorate expired on 28-1-1987.

Ref. No. DPS/2/1(26)/83-Adm/7127.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri R. Saminathan a permanent Purchase Asstt. to officiate as a Asstt. Purchase Officer in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500 in a temporary capacity with effect from the forenoon of January 19, 1987 until further orders in the same Directorate.

The 10th February 1987

Ref. No. DPS/41/12/85-Adm/7484.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri P. I. Khanna, a permanent Purchase Assistant to officiate as an Assistant Purchase Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500 from 1-9-1986 (FN) to 24-10-1986 (AN) in the same Directorate vice Shri T. V. Ramaswami, Asstt. Purchase Officer granted leave.

B. G. KULKARNI
Administrative Officer

ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-500016, the 12th February 1987

No. AMD-8/7/85-Rectt./1559.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Mahabir Singh a permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant Accountant, Atomic Minerals Division to officiate as Assistant Accounts Officer in the same Division for the period from 29-12-86 to 6-2-1987, vice Shri R. S. Gupta, Assistant Accounts Officer proceeded on leave.

A. W. KHAN
Sr. Administrative & Accounts Officer

DIRECTORATE GENERAL OF INSPECTION

CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 2nd February 1987

No. 1/87.—Shri A. B. Basu, lately posed as Supdt. Group 'B' of Central Excise Collectorate, Bolpur, on his appointment as Inspecting Officer, Group 'B' vide this Directorate General Order C. No. 1041/47/84-ERU dated 8-8-86 assumed charge of the post of Inspecting Officer, Group 'B' in the E.R.U. of this Directorate General of

Inspection (Customs & Central Excise) at Calcutta w.e.f. 1-1-1987 (FN).

H. M. SINGH
Director General of Inspection

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110066, the 13th February 1987

No. A-19012, 1180/86-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Nikhil Chandra Kundu Junior Engineer to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) on a purely temporary and ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500,- for a period of one year or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the forenoon of 18-8-1986.

M. R. SINGLE
Under Secy,
Central Water Commission

MINISTRY OF INDUSTRY DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. S. S. S. Informatix Consultants Private Limited

New Delhi, the 17th December 1986

No. 12154-36072.—Notice is hereby given pursuant to sub-section(3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. S. S. S. Informatix Consultants Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

T. P. SHAMI
Asstt. Registrar of Companies
Delhi & Haryana

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME TAX DELHI-V NEW DELHI

New Delhi, the 24th December 1986

INCOME TAX

F. No. CIT-V/Jur./1/86-87/Vol. 1/2127.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 124 of the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) the Commissioner of Income-tax, Delhi-V, New Delhi, directs the abolition of the following addl. wards :—

Sl. No.	Name of the Ward	IAC under whose administrative control the ward is abolished
1	2	3
1.	Distt. (12) Addl.	V—A
2.	Distt. IV(7) Addl.	V—C

This order shall come into force with effect from 26-12-86

P. MAHAJAN
Commissioner of Income-tax,
Delhi-V,
New Delhi

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA-16

Calcutta, the 22nd January 1987

Ret. No. AC-73 R-II Cal/86-87.—Whereas, I,
S. N. TEWARI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 19/81 situated at Block 'E' New Alipur, Calcutta-53
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the Registration
Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Competent
Authority under Registration No. 37EE/7/A-II/Calcutta/86-87
dated 6-6-86
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property is
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-
ween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Nildhan Majumder. (Transferor)
- (2) Sigo Housing & Credit Co. Pvt. Ltd. (Transferee)
- (3) Mr. Nildhan Majumda
Mr. Satyendu Majumder & tamiy.
(Persons in occupation of the property)
- (4) Sudhin Ch. Majumder, S. M. Majumder, Sangar Ch.
Majumder, Suvendu Majumder, Indrani Roy, Sanjay
Majumder, Ranajoy & Sujoy Majumder.
(Persons whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property defined in Chapter XXA of the said
Act, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

7k. 43 sft. more or less situated at 19/81, Block 'E' New
Alipur, Calcutta. More particularly described in deed No.
37EE/9/R-II/Cal/86-87 dated 6-6-86 registered by the
Competent Authority.

S. N. TEWARI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date : 22-1-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
GOVERNMENT OF INDIAACQUISITION RANGE-II,
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA-16

Calcutta, the 22nd January 1987

Ref. No. AC-74/R-II Cal/86-87.—Whereas, I, S. N. TEWARI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property No. having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 15 situate at Burdwan Rd, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act 1908 (16 of 1901) in the office of the Registering Office, at Competent Authority under Registration No. 37EE/13/R-II at Calcutta on 11-6-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Raghunath Prasad Kanoria & Ors. (Transferor)
(2) Chandra Estate. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with building measuring an area 2B. 5K. 10Ch. situated at 15, Burdwan Road, Calcutta. More particularly described in deed No. 37EE/13/R-II/Cal/86-87 dated 11-6-86 registered by the Competent Authority.

S. N. TEWARI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date : 22-1-1987

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE VI, NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1987

Ref. No. IAC/ACQ.IV/SR.I/6-86, 693.—Whereas, I,
T. K. SAH
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Plot No. 25, Road No. 13, Punjabi Bagh
New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Delhi on June 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of be disclosed by the transferee for
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Smt. Shanti Devi Ruheja
W/o late Dr. P. C. Raheja, for Self and as
General Attorney of her son. Sh. Satish Chander
Raheja R/o E-289, Naraina Vihar,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Sh. Naresh Kumar
(2) Sh. Raj Kumar sons of Sh. Mange Ram
Aggarwal r/o 12/22, East Punjabi Bagh,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

"House Built on Plot No. 25, Road No. 13, mg. 561.21
sq. yds. situated at Punjabi Bagh, New Delhi."

T. K. SAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI, Delhi/New Delhi.

Date : 12-2-1987
Seal :

FORM ITNS—

(1) Madan Udyog.

(Transferor)

(2) Smt. Sarita Goenka.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III.
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA-16

Calcutta, the 28th January 1987

Ref. No. 2426/Acq. R-III/Cal/86-87.—Whereas, I, I. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 176, situated at Sarat Bose Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at under Registration No. 37EE/Acq. R-III/108 dated 16-6-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No 4A having an area of 1800 Sq. ft. at 176, Sarat Bose Road, Calcutta along with one covered car parking space. Registered before I.A.C., Acq.R-III, Cal., vide 37EE/Acq. R-III/108 dated 16-6-86.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-1-87

Seal :

FORM ITNS—

(1) K N Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Brabourne Investments Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA-16

Calcutta, the 28th January 1987

Ref. No. 2472 Acq. R-III/Cal. 86-87.—Whereas, I,
I. K. GAYEN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 11A situated at Palm Avenue, Calcutta
and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the Registration
Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at under Registration No. 37EF/Acq. R-III/119 dated 16-6-86
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning, as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2D on the 2nd floor measuring 1927 Sq. ft. at
11A, Palm Avenue, Calcutta Registered before I.A.C. Acq
R-III, Calcutta, vide 37EF Acq R-III/119 dated 16-6-86.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date : 28-1-87

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA-16

Calcutta, the 28th January 1987

Ref. No. 2428/Acq. R-III/Cal/86-87 —Whereas, I, I. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. 18/2 situated at Gariahat Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer under Registration No. 37EE/Acq. R-III/108 dated 16-6-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- | | |
|---|--------------|
| (1) Smt. Nandini Bansal. | (Transferor) |
| (2) Sri Ravi Shankar Saraogi.
Smt. Usha Saraogi. | (Transferee) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8B on 8th floor measuring 1406.50 Sq.ft. at 18/2, Gariahat Road, Calcutta. Registered before I.A.C., Acq. R-III, Cal., vide 37EE/Acq. R-III/144 dated 16-6-86.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date : 28-1-87
Seal :

FORM ITNS—

(1) Harmeet Singh Kalra.

(Transferor)

(2) Master Builders.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA-16

Calcutta, the 28th January 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 2429/Acq R-III/Cal/86-87.—Whereas, I, I. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 190 situated at Sarat Bose Road, Calcutta-29 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with Registering Officer at Calcutta under registration No. 37EE/Acq. R-III/89 Rule 48DD(a) of Income-tax Rules, 1962 on 16-6-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All brick built messuage tenement or dwelling house together with land area 7 Cottahs 2 Chittaks & 20 Sq. ft. at 190, Sarat Bose Road, Calcutta. Registered before I.A.C., Acq. R-III, Calcutta, vide 37EE/Acq. R-III/89 dated 16-6-86.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date . 28-1-87
Seal :

FORM I.T.N.S.

(1) Mrs. Ganga Devi Das.

(Transferor)

(2) M/s. Satyam Projects Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA-16

Calcutta, the 2nd December 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 2393/Acq. R-III/Cal/86-87.—Whereas, I,
I. K. GAYEN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 2 situated at Bijoy Bose Road, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Competent
Registering Officer at Calcutta under registration No.
37EE/Acq. R-III/139
No. 139 dated 16-6-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been
or which ought to be disclosed by the transferee
for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

12 Cottahs of land with two storied brick built old house
at 2, Bijoy Basu Road, Calcutta, registered before I.A.C.,
Acqn. R-III, Calcutta, vide 37EE/Acq. R-III/139 dated
16-6-86.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

* Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 2-12-1986
Seal :

FORM ITNS—

(1) Genelec Ltd

(Transferor)

(2) Shib Shankar Basu.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA-16

Calcutta, the 2nd December 1986

Ref. No. 2394/Acqn.R-III/Cal/86-87.—Whereas, I,
I. K. GAYEN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000 - and bearing
No. 34 situated at Allembly Road, Calcutta-20
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Competent
Authority u/s 269AB of the said Act read with Registering
Officer at Calcutta under registration No. 37EE/Acq. R-III/
89 Rule 48DD(a) of Income-tax Rules, 1962 on 16-6-86
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to be-
tween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C & D at 34, Allembly Road, Calcutta-20, mea-
suring 1752 Sq. ft. Registered before I.A.C., Acqn. R-III
Calcutta, vide 37EE/Acqn. R-III/143 dated 16-6-86

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date : 2-12-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. R. N. A. Builders.

(Transferor)

(2) Mrs. Tabassum D. Choudhary.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
B-CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE
BOMBAY-400 038

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay-400 038, the 9th February 1987

Ref. No. A.R II B/37EE-34551/85-86.—Whereas, I, M. S. RAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 51, 5th floor A-Wing, Narendra Apartment, at Khar Danda, Bombay-400052 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any assets or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 5 A-Wing 5th floor, Narendra Apartment at Khar Danda, Bombay-52

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARII/37EE/345516 on 6-6-1986.

M. S. RAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of said this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-2-1987
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
B-CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE
BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 9th February 1987

Ref. No. A. R. II-B/37EE/34877/86-87.—Whereas, I, M. S. RAI, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 61 6th floor "SHANTIVAN" Plot No. A-7, at Junction of 14th A Road, and South Avenue, Khar, Bombay-52 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Suresh Enterprises.

(Transferor)

(2) Shri Vasudev C. Wadhwa,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 61, 6th floor, "SHANTIVAN" on Plot No. A-7, at the Junction of 14th A Road and South Avenue, Khar, Bombay-400052.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/34877/85-86 on 20-6-1986.

M. S. RAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay.

Date : 9-2-1987
Seal :

FORM ITNS—

- (1) M/s. Suresh Enterprises. (Transferor)
 (2) M/s. Dudani Exports (P) Ltd. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
B-CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE
BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 9th February 1987

Ref. No. A.R.II-B-37EE/34578/85-86 —Whereas, I, M. S. RAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 32 on 3rd floor "SHANTIVAN" Plot No. A-7, at the junction of 14th A Road & South Avenue, Khar Bombay-52 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 32 on 3rd floor, "SHANTIVAN" Plot No. A-7, at the junction of 14th A Road and South Avenue, Khar, Bombay-52.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/34878/85-86 on 20-6-86.

M. S. RAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 9-2-1987
Seal:

FORM ITNS

- (1) M/s. Suresh Enterprises. (Transferor)
 (2) M/s. Dudani Exports (P) Ltd. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY-400 038

Bombay, the 9th February 1987

Ref. No. AR.II-B/37EE/34879/85-86.—Whereas, I, M. S. RAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 31 3rd floor "SHANTIVAN" Plot No. A-7, at Junction of 14th A Road & South Avenue, Khar, Bombay-52. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 20-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Objections, if any, to the acquisition of the said property must be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 31, 3rd floor "SHANTIVAN" on plot No. A-7, at the junction of 14th A Road & South Avenue, Khar, Bombay-52.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/34879/85-86 on 20-6-1986.

M. S. RAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II-B
Bombay.

Date: 9-2-1987
Seal :

FORM ITNS—

(1) Aruna Ban Manu Bhai Desai.

(Transferor)

(2) Parasmal K. Surana & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
CONTRACTOR BUILDING
BALLARD ESTATE
BOMBAY-400 038

Bombay, the 10th February 1987

Ref. No. AR.II/37EE/34506 85-86.—Whereas, I,
M. S. RAI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 3, 1st Fl. Santacruz Pretty Himalaya Co-op. Hsg.
Soc. Ltd., 6th Road, Opp. Dena Bank
Santacruz (E), Bombay-55
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the said Act in the Office of the competent
Authority at Bombay on 6-6-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

Flat No. 3, 1st Fl. Santacruz Pretty Himalaya Co-op. Hsg.
Soc. Ltd., 6th Road, Opp. Dena Bank Santacruz (E),
Bombay-400 055.

The Agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/34506/85-86
on 6-6-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

M. S. RAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
person, namely :—

Date : 10-2-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

THE SCHEDULE
ACQUISITION RANGE
ROHTAK

Rohtak, the 15th January 1987

Ref. No. IAC/Acq 37EE/15/414/86-87.—Whereas, I, MANIK CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 601 on 6th floor situated at Surya Vihar, Dundaheera Distt. Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rohtak under Registration No. 37EE/15/414/86-87/2219 dated 26-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Omega Commercial Pvt. Ltd.,
35 Regal Building,
Parliament Street,
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Shri Ram Fibres Ltd.,
Express Building, 9-10,
Bahadur Shah Zafar Marg,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Property being flat No. 601 on 6th floor, Building No. B in Surya Vihar Apartment at Dundaheera Distt. Gurgaon and as more mentioned in the agreement registered at Sr. No. 37EE/15/414/86-87/2219 dated 26-9-86 with this office.

MANIK CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Rohtak

Date : 15-1-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
ROHTAK

Rohtak, the 15th January 1987

Ref. No. IAC/Acq/37EE/16/415/86-87.—Whereas, I, MANIK CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Apartment No. 301 Block B, situated at Surya Vihar, Dundaheera Distt. Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rohtak under Registration No. 37EE/16/415/86-87/2225 dated 26-9-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Omega Commercial Pvt. Ltd.,
35 Regal Building,
Parliament Street,
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Shri Ram Fibres Ltd.,
Express Building, 9-10,
Bahadur Shah Zafar Marg,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being flat No. 301/B Building on 3rd floor, Surya Vihar, Dundaheera Distt. Gurgaon and as more mentioned in the agreement registered at Sr. No 37EE/16/415/86-87 2225 dated 26-9-86 with this office.

MANIK CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-persons, namely :—

Date : 15-1-1987
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
ROHTAK

Rohtak, the 15th January 1987

Ref. No. IAC Acq/37EE/17/416/86-87.—Whereas, I, MANIK CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 402 on 4th floor situated at Surya Vihar, Dundaheera Distt. Gurgaon (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rohtak under Registration No. 37EE/15/414/86-87/2216 dated 26-9-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s Omega Commercial Pvt. Ltd.,
35 Regal Building,
Parliament Street,
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Shri Ram Fibres Ltd.,
Express Building, 9-10,
Bahadur Shah Zafar Marg,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons, within a period of **45 days from the date of publication of this notice** in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being flat No. 402 in apartment Building No. 'C' in Surya Vihar Apartment, Dundaheera Distt. Gurgaon and as more mentioned in the agreement registered at St. No. 37EE/17/416/86-87/2216 dated 26-9-86 with this office

MANIK CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-1-1987
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
ROHTAK

Rohtak, the 15th January 1987

Ref. No. IAC/Acq/37EF/18 417/86-87.—Whereas, I, MANIK CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 602 on 6th floor situated at Surya Vihar, Dundaheera Distt. Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rohtak under Registration No. 37EE/18/417/86-87/2209 dated 26-9-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any assets or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Omega Commercial Pvt. Ltd.,
45 Regal Building,
Parliament Street,
New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s Shri Ram Fibres Ltd.,
Express Building, 9-10,
Bahadur Shah Zafar Marg,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being flat No. 602 on 6th floor in apartment Building No. C in Surya Vihar Apartment Dundaheera Distt. Gurgaon and as more mentioned in the agreement registered at No. 37EE/18/417/86-87/2209 dated 26-9-86 with this office.

MANIK CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Rohtak

Date : 15-1-1987
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
ROHTAK

Rohtak, the 15th January 1987

Ref. No. IAC/Acq/37EE/19/418/86-87.—Whereas, I, MANIK CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing flat No. 502 on 5th floor building No. C situated at Surya Vihar, Dundaheera Distt. Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rohtak under Registration No. 37EE/19/418/86-87/2213 dated 20-9-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Omega Commercial Pvt. Ltd.,
35 Regal Building,
Parliament Street,
New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s. Shri Ram Fibres Ltd.,
Express Building, 9-10,
Bahadur Shah Zafar Marg,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being flat No 502 in apartment Building No. C in Surya Vihar Apartment, Dundaheera Distt. Gurgaon and as more mentioned in agreement registered at Sr. No. 37EE/19/418/86-87/2213 dated 26-9-86 with this office.

MANIK CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Rohtak

Date : 15-1-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
ROHTAK

Rohtak, the 15th January 1987

Ref. No. IAC/Acq/37EE/20/419/86-87.—Whereas, I, MANIK CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Apartment No. 302 Block 'C' situated at Surya Vihar, Dundaheera Distt. Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rohtak under Registration No. 37EE/15/414/86-87/2366 dated 26-9-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M. s. Omega Commercial Pvt. Ltd.,
35 Regal Building,
Parliament Street,
New Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. H. N. Chopra,
Orangjuli Tea Garden,
P O. Panorihat, Darrang,
New Delhi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being apartment No. 302 Block C Surya Vihar Apartments, Gurgaon and as more mentioned in agreement registered at Sr. No 37EE/20/419/86-87/2366 dated 26-9-86 with this office.

MANIK CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Rohtak

Date : 15-1-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 15th January 1987

Ref. No. I.A.C./Acq./37EE/21/420/86-87.—Whereas, I, **MANIK CHAND**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 907/b Bldg. on 9th floor situated at Surya Vihar, Dundaheera (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Rohtak under Registration No. 37EE/21/420/86-87/2206 on 26-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Omega Commercial Pvt. Ltd.,
35-A, Regal Building,
Parliament Street,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt. Sudhaben Sanatkumar Shah,
Mr. Sanjay Sanatkumar Shah,
Mr. Pardeep Sanatkumar Shah,
c/o Multigraph Machinery Co.,
Manu Mansin, 16 Shahid Bhagat Singh Road,
Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being flat No. 907/B Bldg. on 9th floor Surya Vihar, Dundaheera District, Gurgaon and as more mentioned in the agreement registered at Sl. No. 37EE/21/420/86-87/2206 dated 26-9-1986 with this office.

MANIK CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 15-1-1987
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 15th January 1987

Ref. No. I.A.C./Acq./37EE/22/421/86-87.—Whereas, I, MANIK CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 902/C Bldg. on 9th floor situated at Surya Vihar, Gurgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Rohtak under Registration No. 37EF/22/421/86-87/2203 on 26-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

18—486GI/86

(1) M/s Omega Commercial Pvt. Ltd.,
35A Regal Building,
Parliament Street,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Narendra Coradia,
106/Bfi Mittal Tower,
Nariman Point,
Bombay-400 021.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being flat No. 902/C Bldg. on 9th floor in Surya Vihar, aparemtn at Dundahera District Gurgaon and as more mentioned in the agreement registered at Sr. No. 37EE/22/421/86-87/2203 dated 26-9-1986 with this office.

MANIK CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 15-1-1987

Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 15th January 1987

Ref. No. I.A.C./Acq./37EE/23/422/86-87.—Whereas, I, MANIK CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Apartment No. 4 in Bldg. No. 27 SM situated at DLP Qutab Enclave Complex District Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Rohtak under Registration No. 37EE/23/422/86-87/2200 on 26-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s DLP Universal Limited,
21-22, Narindra Place,
Parliament Street,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. A. K. Misra and
Mrs. Sudha Shukla,
B-23, Chirag Enclave,
New Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being apartment No. 4 in building No. 27 SM, DLF Qutab Enclave Complex, Gurgaon and as more mentioned in the agreement deed registered at Sr. No. 37EE/23/422/86-87/2200 dated 26-9-1986 with this office.

MANIK CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 15-1-1987
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak the 24th December 1987

Ref No IAC/Acq/GRG/84/86-87—Whereas, I,
B. L. KHATRI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs 1,00,000 - and bearing
land 327 kanals 15 marlas situated at village Choma Teh
Gurgaon
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the same is registered under section
269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the
Competent Authority
at Gurgaon under Registration No 3159 on 8-9-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such apparent consideration and that the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of this liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957),

(1) Shri Rajeev Seth,
s/o Shri Imrat Lal Seth,
Shri Imrat Lal Seth,
s/o Shri Sati Niwas Seth,
r/o 80, Paschim Marg, Vasant Vihar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Mahesh Sayal,
s/o Shri Sati Ram Sayal
Shri Arjun Sayal,
s/o Shri Mahesh Sayal,
r/o 3/68, Safdarjang Enclave,
New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

Explanation —The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 327 kanals 15 marals situat-
ed at village Choma Teh Gurgaon and as more mentioned
in the sale deed registered at Sr No 3159 dated 8-9-1986
with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date 24-12-1986

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s K. M. Rubber Industries Pvt. Ltd.,
Shukul Kund Road, Ambala City.

(Transferor)

(2) B/s Bata India Ltd.,
30 Shakespeare Sarani,
Calcutta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 24th December 1987

Ref. No. I.A.C./Acq/AMB/3/86-87.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Factory building 8.20 KM post from Ambala Cantt. on Ambala Karnal situated at G. T. Road in village Mohra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Ambala under Registration No. 4251 on 28-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being factory building situated at 8.20 KM post from Ambala Cantt. on Ambala Karnal G. T. Road in village Mohra and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 4251 dated 28-8-1986 with the Sub Registrar, Ambala.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 24-12-1987
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 6th January 1987

Ref. No. I.A.C./Acq. 37EE/413/86-87.—Whereas, I,
B. L. KHATRI,
being the Competent Authority under Section 269D of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 502 on 5th floor in Surya Vihar Apartment, Blds.
'B' situated at Dundahera (Gurgaon)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under section
269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the
Competent Authority
at Rohtak under Registration No. 37EE/413/86-87 on 20-6-86
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) M/s. Omega Commercial Pvt. Ltd.,
Regal Building,
Connaught Place,
New Delhi. (Transferor)
- (2) Mr. Om Parkash Mathur and
Dr. (Mrs.) Mithlesh Mathur,
10 Misty Manor,
Napean Sea Road,
Bombay-400 006 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of this said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being flat No. 502 on 5th floor in Surya Vihar
Apartment, Bldg. 'B' at Dundahera District Gurgaon and as
more mentioned in the agreement deed registered at Sr. No.
37EE/413/86-87 dated 20-6-1986 with this office.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 6-1-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 8th January 1987

Ref. No. C.R. No. 62/50136/86-87/ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. R.S. No. 42 & T.S. No. 125/1 situated at Attavar Village, Mangalore and more fully described in annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Mangalore City on 17-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of said this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri A. J. A. A. Rebello and Sri M. M. S. Rebello, Sons of late Sri J. M. J. Rebello, 'Prem Vihar', Falnir, Mangalore-575 002. (Transferor)
- (2) Mrs. Rita M. T. Rebello, w/o late Sri J. M. J. Rebello, 'Prem Vihar', Falnir, Mangalore-575 002. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 437/86-37 Dated 17-6-1986)

Immoveable properties held on Mulgent Right, situated in Attavar Village of Mangalore Taluk and within the Balmatta Ward of Mangalore City Corporation and within the registration Sub-District of Mangalore City, and comprised in :

R.S. No.	T.S. No.	Extent	Remarks
42	125/1	0-23½ A.C.	North Western portion

Boundries—

North & West : Survey Lines.

East : The remaining portion of the same S. No. allotted to Sri F. P. S. Rebello.

South : The remaining portion of the same S. No. and Common Road, together with building bearing Door No. 16-9-532 (new), trees, appurtenances, easementary and mamul rights of way and water.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 8-1-1987
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 9th January 1987

C. C. No. 62/50178/86-87/ACQ/B.—Whereas, 1, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 110/6, situated at VII Cross, Rajamahal Vilas Extension, Bangalore-560080 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Gandhinagar, Bangalore on 19-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sri P. C. Giri s/o late Sri F. C. Giri
 2. Sri Avinash Giri
 3. Sri Vinod Giri &
 4. Sri Rajiv Giri
- All sons of Sri P. C. Giri,
No. 110/6, VII Cross, Rajamahal Vilas
Extension, Bangalore-560 080.

(Transferor)

- (2) 1. Sri B. R. Sachdev
s/o late Sri Amarnath Sachdev.
 2. Mrs. Pushpa Sachdev w/o
Sri B. R. Sachdev &
 3. Sri Rajeev Sachdev,
s/o Sri B. R. Sachdev.
- All r/o 271, Upper Palace Orchards,
Bangalore-560 006.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 462 Dated 19-6-1986)

All that piece and parcel of land with building thereon now known as and bearing Corporation No. 110/6, situated in VII Cross Rajamahal Vilas extension in Corporation Division No. 82 (old No. 45), Bangalore

Boundaries :—

East—By VII Cross.
West—By private property bearing old site No. 107.
North—By private property bearing old site No. 109.
South—By private property bearing old site No. 111.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 9-1-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 16th January 1987

C. R. No. 62/50193/86-87/ACQ/B.—Whereas, I R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269AB of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 275/31, situated at 17th Cross Road, Sadashivnagar, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Gandhinagar on 3-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Padma Ramaswami
2. Sri Ashish Rajan s/o K. N. Rajan,
No. 115, 9th Main Road, Rajmahad Vilas
Extension, Bangalore-560 080. (Transferor)
- (2) Mamata R. Shetty D/o R. N. Shetty,
No. 122, Cunningham Road,
Bangalore-560 052. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1104 dated 3-9-86)

All that Piece and Parcel of Premises bearing No. 275/31, old site No. 275 situated at 17th Cross Road, Sadashivnagar, Corporation Division No. 82 (old Division No. 45) Bangalore and more fully described in the Schedule to the sale deed dated 3-9-1986.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Dated 16-1-1987
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 1st December 1986

C. R. No. 62/DR. 1767/86-87/ACQ/B.—Whereas, I R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Chalta Nos. 41 & 42 of P.T. Sheet No. 252 situated at Taleegao, Panaji, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bangalore on 2-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
19—486G1/86

- (1) 1. Shri Antonio Bento Carmlo Lso Pedro Redriques
2. Smt. Alice Viceneta de Piedade Dias
3. Miss Maria de Fatima da Piedade Dias Rodriques
4. Smt. Alba Francisca da Piedade Dias
J. Rodriques
5. Sri Fernando Josso Felix da Silva
6. Smt. Jaelito da Piedade Dias E. Rodrigues
7. Sri Antonio Tulemino Matias Sequeira Martins
and
8. Smt. Olga Aires Fernandes Martins.
All are Residents of Taleigao village, Panaji, Goa.
(Transferor)
- (2) M/s. Thays Homes & Estates Panaji,
Goa.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1315/86-87 dated 2-6-86)
All that property known as 'Afonsochi Toloy' also known as 'codxell' situated at Taleigao, Taluk Tiswadi and registered in the land registration office of Ilhas, Panaji, Goa under No. 10815 & Surveyed under Chalta Nos. 41 & 42 of P.T. Sheet No. 152 of Panaji city, measuring about 2664 sq. mts. The property is bounded by east the local limits of the Taleigao village panchayat, by west property of Aleixo Vieges & public Road, by north property of Raquel Valles, Camilo Luies & Antonio Veiges, and by South properties of Auliliano D'Melo.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 1-12-86
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 8th December 1986

C. R. No. 62/DR. 1768/86-87/ACQ/B —Whereas, I R. BHARDWAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Survey Chalta No. 54 of P.T. Sheet No. 124 situated at Altinho, Mapuca, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Bangalore on 2-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid I.A.C., Acq., Acq. R-III, Calcutta, under Registration No. of 1908, in the Office of the Registering Office at 37EE/R-III/4 dated 14-5-86, exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of this liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Rev. Fr. Luis Rafael Augustinho de Sa alias Raphael Augustinho de Sa.
2. Rt. Rev Mgr. Cecil Francis Jose de Sa.
3. Mr. Antonio Woffungo de Sa alias Anthony de Sa.
4. Mrs. Helen de Sa
All are residing at Flat No. 602, 'prahlad',
17, Linking Road, Santa Cruz (West),
Bombay-400 054. (Transferor)
- (2) M/s. Alcon Real Estates (P.) Ltd.,
Velho Building,
Panaji, Goa. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of this said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1316/86-87 dated 2-6-86)
All that landed property called 'Temericho Sorvo' with a residential building thereon situated near the civil court at Altinho within the Municipal limits of Mapuca town, Taluk & registration of Sub-District of Bardes, District of Goa, described in the Land Registry of Bardes, under No. 32850 at Folio 122 (overleaf) of Book No. B-84, inscribed under No. 26797 at Folio 115 (overleaf) of Book No. G-32 on 15-4-1935 in favour of Fr. Joaquim Luis de Souza and Maria Natalina Francisca de Souza e Sa, registered in the 'Matriz Predial' under No. 1066 of 1st Circumscription, Surveyed in the City Survey of Mapuca under Chalta No. 54 of P.T. Sheet No. 124 having an area of 1069 Sq. Mts. and more fully described in schedule to agreement dt. 29-3-86.

R. BHARDWAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Dated : 8-12-86
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 9th January 1987

No. R. 2212/86-87/ACQ/B.—Whereas, I
R. BHARDWAJ,
being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2 (old No. 9), situated at Church Street, Civil Station, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been registered with the competent authority under Section 269AB, in his office at Bangalore-560 001 on 2-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri K. G. Felix, Power of Attorney Holder,
M/s. Prestige Commercial Complex, No. 2,
(old No. 9), Church Street, Civil Station,
Bangalore-560 001.

(Transferor)

(2) Shri Arjun M. Menda, C/o
M/s. K. Raheja Development Corporation,
Third Floor, Centenary Building, No. 28,
M. G. Road, Bangalore-560 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons, within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meanings as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1772/86-87 dated 2-6-1986)

All that piece and parcel of 84% of undivided interest in the land bearing No. 2 (old No. 9), Church Street, Civil Station, Bangalore, measuring 150 ft. by 86 ft. along with the complete building except the possession and enjoyment of ground floor (i.e. complete built-up area of 1st, 2nd, 3rd and 4th floors (each floor 9620 sq. ft.) and built-up area on 5th floor of 2874 sq. ft. along with complete basement area bounded on the East by No. 1, Church Street, West by No. 3, Church Street, North by Church Street and South by a residence on Rest House Road,

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay
Acquisition Range, Bangalore

Date : 9-1-1987
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001
Bangalore, the 9th January 1987

No. R. 2218/86-87/ACQ/B.—Whereas, I,
R. BHARDWAI, Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bangalore
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Municipal No. 15 (formerly No. 2), situated at Palmgrove
Road, Austin Town, Bangalore-560 047,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been registered with the competent authority under Section
269AB, in his office at Bangalore-560 001 on 2-6-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of each apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- (1) Smt. P. Sharada Devi,
w/s late Shri K. Navneetha,
No. 47, Rangaswamy Temple Street,
Chickpet, Bangalore-560 023.
(Transferor)
- (2) M/s. Skyline Construction Private Ltd.,
Unit-II, First Floor, St. Patrick's,
Business Complex, Museum Road,
Bangalore-560 025
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said im-
movable property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of this said Act,
shall have the same meaning as given in this
Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1768/86-87 dated 2-6-1986)
All that piece and parcel of land together with the construc-
tions standing thereon, known as 'The Palm', and now bear-
ing Municipal No. 15 (formerly 2), Palmgrove Road, Corpo-
ration Division No. 62, Austin Town, Bangalore-560 047,
approximately measuring 33,700 sq. ft. and bounded on he—
North by : Private property.
South by : Private property.
East by : Private property and Main Palmgrove Road,
and
West by : Private property.

R. BHARDWAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 9-1-1987
Seal :

FORM ITNS- -----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 15th January 1987

C. R. No. 62/DR-1769/86-87/ACQ/B.—Whereas, I R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Agricultural lands bearing survey No. 113, situated at Cavellossim Village, Salcete Taluka, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been registered with the competent authority under Section 269AB, in his office at Bangalore-560 001 on 2-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Rosinha Rodrigues,
w/o Sri Antonio Rebello D'Costa.
2. Smt. Estella Rodrigues,
w/o Sri Conceicao Dias and
3. Smt. Damasia Leucadia Dias,
w/o Sri Casimio Mendes,
Cavellossim Village, Salcete Taluka, Goa.
(Sl. Nos. 1 to 3).

(Transferor)

- (2) M/s. Tourist India Private Limited,
Room No. 14, Bombay Mutual Chambers,
19-21, Ambalal Doshi Marg, Bombay.
Pin Code—400 023.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1317/86-87 dated 2-6-1986)

All those pieces or parcels of agricultural lands consisting of coconut grove and vegetable plantation one known as NONGO LANCO DE PRAIS, situated in the village of Cavellossim, Taluka and Sub-District of Salcete, within the limits of the Village Panchayat area of Cavellossim of District of Goa, described in the Land Registration Office of Salcete under No. 25176 and Land Revenue Records under No. 935 bearing Survey No. 113, containing by ammeasurement 30250 sq. mtrs. or thereabout and the other known as LANCO DAS PRAIS also situated in the Village of Cavellossim Taluka and Sub-District of Salcete, within the limits of the Village Panchayat area of Cavellossim of District of Goa described in Land Registration office of Salcete under No. 41856 and Land Revenue Records under No. 936 bearing Survey No. 113 containing by admeasurement 6875 sq. mts. or thereabout, and marked on the plan annexed hereto and shown thereon surrounded by red coloured boundary lines.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 15-1-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 21st January 1987

No. DR.1770/86-87/ACQ/B.—Whereas, I,
R. BHARDWAJ,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000,- and bearing
Survey No. 127/9
situated at Alto Betim, Village Panchayat of Penha de Franca,
Taluka Bardez, Sub-District of Ilhas, District of Goa
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been registered with the competent authority under
Section 269AB in his office at
Bangalore on 17-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the tax
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

- (1) Miss Leonor Rangel Ribeiro,
Porvorim, Bardez, Goa. (Transferor)
(2) M/s. Zenith Magnetics Pvt. Ltd.,
Represented by its Director,
Shri J. K. Saraf,
Shri J. K. Saraf,
No. 106, Mittal Chambers,
Nariman Point,
Bombay-21. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective per-
sons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1323/86-87 Dated 17-6-86)
All that part and parcel of the property at survey No. 127/
9, situated at Alto Betim, Panchayat of Penha de France,
Taluk Bardez, Sub-District of Ilhas, District of Goa and the
area of the land admeasuring 2000 s.p mts. and more fully
described in the schedule to the agreement dated 29-11-1985.

R. BHARDWAJ,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 21-1-1987
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 21st January 1987

C.R. No. 62/DR.1771/86-87/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Known as 'Malbata', situated at Margao, Salcete, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered with the competent authority under Section 269AB in his office at Bangalore on 25-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Y. D. Sadekar & Bros.
New Market, Margao,
Goa

(Transferor)

(2) M/s. Kutharkar Real Estates,
No. 322-A, Malbrat,
Margao, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1332/86-87 Dated 25-6-86)

All that piece of land denominated 'Maleabata' or 'Malbata', situated at Margao, Salcete, Goa, registered under No. 17,400 at Land Registration Office of Salcete and more fully described in the agreement deed dated 12-5-1986.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 21-1-1987
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 21st January 1987

Ref. No. R.2219/86-87/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 14, situated at M.G. Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered with the competent authority under Section 269AB in his office at Bangalore on 2-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri T. N. Krishna Reddy
2. Shri T. N. Ananda Reddy
3. T. N. Ramakrishna Reddy
4. Mrs. T. N. Sreelatha
5. Shri T. N. Vijayanarayana Reddy
No. XVI-613 M. G. Road, Madanapalle,
Chittoor District,
Andhra Pradesh (Sl. Nos. 1 to 5)
Rep. by Power of Attorney Holder,
Shri T. N. Krishna Reddy
6. Shri P. Chenga Reddy
7. Shri P. Varada Reddy
8. Mrs. P. Rajeshwaramma
9. Mrs. P. Jyothi Reddy
10. Shri P. Pradyumna Reddy
No. 4, 4th Street, Rutland Gate,
Nungambakkam,
Madras-6 (Sl. Nos. 6 to 10).
Rep. by Power of Attorney Holder
Sri P. Chenga Reddy

(Transferor)

- (2) M/s. Naveen Hotels Ltd.,
No. 4, Ashokanagar Road,
Hubli.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No 1769/86-87 Dated 2-6-1986)

All that part and parcel of the vacant land at No. 14, M. G. Road, Bangalore, measuring about 12,215 sq. ft.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 21-1-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 21st January 1987

C.R. No. 62/DR-1774/86-87/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Survey Nos. 276 and 277 situated at Panjim, Sub-District of Ilhas, District of Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered with the competent authority under Section 269AB in his office at Bangalore-560001 on 4-7-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
20—486G1/86

- (1) M/s. Sousa Towers,
Dr. Doingos Ropue De Souza Road,
Opp. Municipal Garden,
Panjim, Goa. (Transferor)
- (2) Shri Agnelo D'Souza,
C.S. Laxmi Housing Society Comba,
Margao, Goa. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1343, 85-87 Dated 4-7-1986)
All that part of piece of one shop No. G-5 of 24.82 sq. mts. on the ground floor of the said "Casa Dr. Goingos Rouque de Sousa" on the ground floor of the said "Casa Dr. Doingos Roque de Sousa" building together with 35 sq. mtrs. of basement area situated at Panaji, Sub-District of Ilhas, District of Goa and more fully described in the Schedules to the agreement for sale dated 18-4-1986

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 21-1-1987
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 21st January 1987

C.R. No. 62/50133/86-87/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 49/1 and 49/3 situated at Garvebhair Polya, Hongasandra Dakhale, Begur Hobli, Bangalore, South Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Bangalore on 4-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Ramarathnamma,
W/o Shri Rajagopal
No. 355, V Main, III Block,
III Stage, Basaveshwaranagar,
Bangalore-560079.

(Transferor)

(2) Shri K. S. Mohd. Shabbir,
S/o Syed Mohideen Saheb,
"Syed Manzil", P.O. Kukundoor,
Karkala (S.K.)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION S—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning to given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1566 Dated 4-6-1986)
Converted land in Sy. No. 49/1 and 49/3 of Garvebhair Polya, Hongasandra Dakhale, Begur Hobli, Bangalore South Taluk.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 21-1-1987
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 21st January 1987

C.R. No. 62/50186/86-87/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 8 Old No. 3/5) Millers Tank Bund Road situated at Cauverappa Lay out, Civil Stations, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Shivajinagar on 13-8-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

* Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Nelufferzeb,
No. 1, Cleveland Road,
Bangalore-560005. (Transferor)
- (2) Smt. Jayanthi Shyam & 2 others,
No. 18, Kasturbai Road,
Bangalore-560001. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No 1204/86-87 Dated 13-8-86)

All that property bearing Municipal Corporation No. 8, Old No. 3/5 at Millers Tank Bund Road, Cauverappa Lay out, Civil Stations, Bangalore-560052 under Corporation Division No. 59.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 21-1-1987
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Y. Ramachandra Naidu,
No. 102/2, II Main Road,
Tata Silk Farm,
Bangalore-560004.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

(2) 1 Shri R. A. Sanjeeva Murthy,
2. Shri R. A. Harish,
No. 10, Sannidhi Road,
Basavanagudi,
Bangalore-560004.

(Transferee)

Bangalore-560001, the 21st January 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

C.R. No. 62/50195/86-87/ACQ/B.—Whereas, I,
R. BHARDWAJ,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 43/2
situated at Subbarama Chetty Road, Basavanagudi, Bangalore-
560004.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
the Office of the Registering Office at
Basavanagudi on 7-8-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons;
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1305

Dated 7-8-1986)

All that piece and parcel of house property No. 43/2
situated in Subbarama Chetty Road Basavanagudi, Bangalore-
560004 consisting of ground and first floors. More fully des-
cribed in the schedule to the sale deed dated 7-8-1986.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 21-1-1987
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
BANGALORE

Bangalore-560001, the 21st January 1987

C. R. No. 62/50176/86-87/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 10/2 (T-115) situated at Thigalara Perianagalli Sardar Patappa Road Cross, Bangalore-560002 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Gandhinagar on 29-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimathi Sydanabi,
10/2, I Floor,
Thigalara Perianagalli,
Sardar Patappa Road cross,
Bangalore-560002.

(Transferor)

(2) M/s Sree Enterprises,
Rep. by Managing Partner,
S. A. Vasudeva Murthy,
Regd. Office at No. 4/C,
North Public Square Road,
Basavanagudi,
Bangalore-560004.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the nforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1408/86-87 Dated 29-8-86].
All that Property bearing No. 2 (old No. 10) (T-115) in Thigalara Perianagalli, Sardar Patappa Road Cross Bangalore-2. More fully described in the Schedule to the sale deed dt. 22-8-86.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date : 21-1-87
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BANGALORE

Bangalore-560 001, the 20th January 1987

C. R. No. 62/50126/144/86-87 'ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Cardamon Plantation bearing survey number 63, situated at Mudur Village, Kundapur Taluk, Dakshina Kannada Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Shankaranarayana, South Kannara on 6-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Sri Mukambika Agricultural Estates and Forest Industries Private Limited,
Rep : by its Managing Director,
Shri N. M. Mohamed Haje,
S/o Late Sri Koya Kut ty Hajee, Balmatta,
Mangalore.

(Transferor)

(2) M/s. Diamond Valley Enterprises,
Regd. Office at Ramapuram House,
Nagori, Mangalore, Rep;
by its Partner, Shri ABE T. Ramapuram,
S/o Sri Thomas F. Ramapuram,
'Ramapuram House',
Hill Garden Nagori,
Kankanady, Mangalore-575002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 89/86-87 Dated 6-6-1986)

Immoveable property consisting of Cardamon Plantation situated at Mudur Village, Kundapur Taluk, Dakshina Kannada District, bearing the following survey numbers and extent described herebelow:

S. No.	Kissam	Extent
63	Punja	261 acres
(North-west	(Cardamon)	
Boundaries --		
South	S. No. 63	
West	S. No. 62	
North	Gunbina Holo	
East	S- No. 63	

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Bangalore

Date : 20-1-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
BANGALORE

Bangalore-560001, the 9th January 1987

C. R. No. 62/DR.1766/86-87/ACQ/B.—Whereas, I,
R. BHARDWAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Chalta No. 251 of P.T. Sheet No. 237 situated at Comba, Margao, Goa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered with the competent authority under Section 269AB, in his office at Bangalore-560001 on 2-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (1) M/s. V. Naik & Associates,
Builders & Estates Developers,
Represented by its partners—
(1) Shri Venkatesh Vassudeo Naik,
(2) Smt. Durgabai Vassudeo Naik,
No. 393, Comba, Margao, Goa-403601.
Transferor (S)
- (2) M/s. Ruby Builders,
Off. at 5th Floor, Ni ari Bhavan,
Panjai, Goa-403001.
Transferee (S)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

[Registered Document No. 1314/86-87 Dated 2-6-1986].

The land agreed to be sold is the Southern portion of the property hereinbelow described and was duly disannexed by the erstwhile owners as per the laws in force. The description of the erstwhile entire property is as under :

Property known as "Botancho Dando" or "Comba" (half of the northern side of 16th lote) of cultivation of coconut trees and other fructiferous trees, situated at Comba, Margao Goa, within the Margao Municipal Council Area, Taluka and Sub-District of Salcete, District of Goa, described in the and Registration Office of Comarca of Salcete at Margao under No. 33118 at pages 95 of Book B.85, New series, bounded on the East by road, on the West by property of heirs of Miguel Antonio Lobo, on the North by property of Joaquim Fernandes and on the South by property of the said Lobo and by property of the same designation (half of southern side of 16th lote) described under No. 24689, New Series, of Xembu Atmarama Poi Palondicar. The said property is half of northern side of the property described under No. 8011, old series.

R. BHARDWAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-1-1987
Seal :

FORM LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
BANGALORE

Bangalore-560 001, the 9th January 1987

Ref. No. 1725/86-87/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, have a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Survey Nos. 101/1 & 101/2 situated at Mabor, Cavelossim Village, Salcete Taluka, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Salcete Taluk, Goa on 10-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Acacio Camara,
S/o Shri Rosario
Francisco Amarante Camara and
2. Smt. Delia Gerson Rebello Camara,
D/o Shri Francisco Xavier Gerson ebello.
Borda, Margao, Salcete, Goa. (Transferor)
- (2) M/s. Averina International Resorts Private Ltd.,
Regd. Office at House No. 194,
Veroda-Cuncolim,
Salcete, Goa. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 119/86-87 Dated 10-6-86].

All that agricultural property known as "SETIMO LOTF DE FRAIAS" alias "MILAAGROSA SANTA CRUZ" situated at Mabor within limits of the Village Panchayat of Cavelossim, Taluka and Sub-District of Salcete, District of Goa, described in the Land Registration Office of Salcete under number 2080 at folios 46 V of Book B-6 new, and enrolled in the Taluka Revenue Office of Salcete under Matriz number 1787 bearing survey numbers 101/1 and 101/2 of the Village of Cavelossim of Salcete Taluka and bounded as follows:—

on the East—By river Sal and aforamento of Paulo Dias;
on the West—By the water of Arabian Sea;
on the North—By public Gomes and property of Paulo Dias; and
on the South—By eight lote of Joaquim Roque Correia Afonso.

The said property admeasures about 142,500 (one hundred forty two thousand and fifty five) square metres and is indicated in the plan hereto annexed and admeasuring about 92 000 (ninety two thousand) square metres identified in the plan hereto annexed under letter A1A2, B and C delineated in the plan hereto annexed in red boundary and shaded in green and yellow respectively. The said property hereby conveyed is bounded as follows :—

On the North—By the property bearing survey nos. 103/1, 103/6 & 102/7.
On the South—By remaining portion of the said property described in Schedule I belonging to the vendors.
On the East—By river Sal; and
On the West—By the Arabian Sea.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date : 9-1-1987
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1987

Ref. No. IAC/Acq.III/37EF/6-86/35.—Whereas, 1, ASHOK KACKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. A-1001 & 1002 on situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Office at New Delhi Range-III in June, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1927 (9 of 1927).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
21—486GI/86

(1) M/s. Skipper Sales (P) Ltd.,
22, Barakhamba Road,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Meera Kumari,
Miss Nalini Khanna and
Miss Virbhani Khanna,
8 Sector, 9, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A 1001 & 1002 on A 10th floor at 22, Barakhamba Road, New Delhi. Area 1100 sq. ft.

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date : 12-2-1987
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1987

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/6-86/36.—Whereas, I, ASHOK KACKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing Rented flat No. 4/12th floor, New Delhi House situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Office at IAC Range, New Delhi Range-III in June, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Tej Properties (P) Ltd.,
22, Barakhamba Road,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Km. Sandip Kaur &
Mrs. Inderit Kaur,
C-139, Defence Colony,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Rented flat No. 4/12th floor, leased to RITES, Building New Delhi House, 27, Barakhamba Road, New Delhi. Area 1004 sq. ft.

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date : 12-2-1987
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1987

(1) Mrs. Tushar Bhargava,
A-21, Oberoi Apartments,
Civil Lines,
Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Amrit Lal, Sarna
Mrs. Promilla Sarna,
Mr. Dharminder Sarna,
Sh. Dhiraj Sarna,
Master Ashish Sarna,
R/o B-4/39, Safdarjung Enclave,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/6-86/37.—Whereas, I, ASHOK KACKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat at 3rd floor, Space No. 33 Arunachal, 19, Barakhamba Road, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Office at IAC Range, New Delhi Range-III in June, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at 3rd floor, Space No. 313, Arunachal, 19, Barakhamba Road, New Delhi (500 s. ft.).

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-2-1987
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1987

Ref. No. IAC/ACQ.III/37EE/6-86[3284]37-A.—Whereas, I, ASHOK KACKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Property No. M-1, Conn. Circus, New Delhi. (situated at New Delhi/Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred registered under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registration Officer/I.A.C. Acquisition Range III Delhi on June 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) The Printers House (P) Ltd.,
10, Scindia House, New Delhi-110001.
(Transferor)
(2) Indo Graphic Art Machinery Co. (P) Ltd.,
M-1, Connaught Circus,
New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block 'M' Plots No. 1, Connaught Circus, New Delhi-110001.
(

(ASHOK KACKER,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, New Delhi

Date : 12-2-1987
Seal :

FORM ITN

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) M/s Suresh Chand Jain HUF,
B1/30A, Hauz Khas Enclave,
New Delhi-16. (Transferor)
- (2) Mrs. Bindu Gupta,
K-4/9, Model Town,
Delhi-9. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
4 14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1987

Ref. No. IAC/Acq III SR/III/6-86/10-A.—Whereas, I, ASHOK KACKER,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Portion no. 103, Building known as DIF House, F Block Con. Place, New Delhi situated at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Office at Range, New Delhi () on June 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Portion No. 103, mg. 416.86 sq. ft, first floor of the Front Building known as DIF House, F Block Con. Place, New Delhi-1. ()

() ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date . 12-2-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE-III
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1987

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/6-86/10-B.—Whereas, I, ASHOK KACKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Portion No 104, F Block situated at Con. Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on June 86, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Kusum Jain
B1/30A, Hauz Khas Enclave,
New Delhi. (Transferor) *
- (2) Sh. Sunil Gupta,
K-4/9, Model Town,
Delhi-9. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion no. 104, mg. 461.22 sq. ft. first floor of the front building known as DLF House F Block, Con. Place, New Delhi-1.

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, New Delhi

Date : 12-2-1987
Seal :

FORM ITNS

* NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1987

Ref. No. IAC/ACQ.VI/SR.I/6-86/652.—Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Mpl. No. 4405/Part-III situated at 5, Darya Ganj, New Delhi-2, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 11-1-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Dhan Pal Singh Jain & Sons (HUF)
Through Sh. Dhan Pal Singh Jain, S/o
Sh. Jagan Lal Jain, R/o 4455-60/7,
Daryaganj, New Delhi-2.
((Transferor)
- (2) Shri Anil Kumar Jain
(2) Sh. Navin Kumar Jain
Both sons of Shri Parkash Chand Jain,
R/o 4378/4, Darya Ganj,
New Delhi-2.
((Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Mpl. No. 4405/Part-III with land underneath measuring about 255 sq. yds. situated at 5-Darya Ganj, New Delhi-2".

T. K. SAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Delhi/New Delhi.

Date : 12-2-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI
4 14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1987

Ref. No. IAC/ACQ.VI/SR.I/6-86/654.—Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair value market exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property No. 4221 Gali Ahiran, Pahari Dhiraj, Delhi-6, situated at New Delhi/Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Delhi on June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Surender Kumar,
Vijender Kumar, Madan Mohan
Rakesh Mohan sons of Gopi Chand
R/o 4221, Gali Ahiran, Pahari Dhiraj,
Delhi.

(Transferor)

(2) Smt Alka Gupta
wife of Sh Satish Chand Gupta,
R/o 4705, Gali Umrao Singh,
Pahari Dhiraj, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Portion of Property No. 4221, Gali Ahiran Pahari Dhiraj, Delhi-6".

T. K. SAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Delhi/New Delhi.

Date : 12-2-1987
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi the 12th February 1987

Ref. No. IAC/ACQ.VI/SR I/6-86/655.—Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

4221, Gali Ahiran Pahari Dhiraj, Delhi, situated at New Delhi/Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred/registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on June 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

22—486GI/86

- (1) Shri Surender Kumar,
Sh. Vijender Kumar, Madan Mohan,
Rakesh Mohan sons of Gopi Chand
R/o 4221, Gali Ahiran Pahari Dhiraj,
Delhi-6.

(Transferor)

- (2) Shri Satish Chand Gupta
S/o Shri Shyam Lal Gupta
R/o 4705, Gali Umrao Singh,
Pahari Dhiraj, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Portion of Property No. 4221, Gali Ahiran, Pahari Dhiraj, Delhi-6".

T. K. SAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Delhi/New Delhi.

Date : 12-2-1987
Seal :

FORM I.T.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VI
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1987

Ref. No. IAC/ACQ.PI/SR.I/6-86/665.—Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. A-43, Kirti Nagar, New Delhi, situated at New Delhi/Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Surender Kumar Bhatia
So Late Shri C. L. Bhatia,
R/o A-43, Kirti Nagar
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri S. Satnam Singh
S/o S. Arjun Dass
R/o 45-A/4, Punjabi Bagh,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"1 Undivided share measuring 209.3 sq. mtrs. Part property No. A-43, Kirti Nagar, New Delhi".

T. K. SAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Delhi/New Delhi.

Date : 12-2-1987
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI,
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1987

Ref. No. LAC/ACQ. VI/SR. 1/6-86/666.—Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. A-43, Kirti Nagar, New Delhi. (One fourth undivided share) situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of be disclosed by the transferee for (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Surender Kumar Bhatia
S/o Late Sh. C. L. Bhatia
R/o A-43, Kirti Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Santokh Singh
S/o Sh. Satnam Singh
R/o 45-A/4, Punjabi Bagh
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"1/4 Undivided share measuring 209.3 sq. mtrs. in Property No. A-43, Kirti Nagar, New Delhi".

T. K. SAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI
New Delhi

Date : 12-2-1987
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VI,
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1987

Ref. No. IAC/ACQ. VI/SR.1/6-86/667.—Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. A-43, Kirti Nagar, New Delhi (One fourth undivided share) situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sudershan Kumar Bhatia
S/o Late Sh. C. L. Bhatia
R/o A-43, Kirti Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) S. Harnam Singh
S/o Satnam Singh
R/o 45-A/4, Punjabi Bagh,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4 Undivided share and 1/4 Undivided in the land part property No. A-43, Kirti Nagar, New Delhi.

T. K. SAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI
New Delhi

Date : 12-2-1987
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VI,
4/14-A ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi the 12th February 1987

Ref No IAC/ACQ VI/SR I/6 86/668 —Whereas I, T K SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No A 43, Kirti Nagar New Delhi (One fourth undivided share) situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sudershan Kumar Bhatia
S/o Late Sh C L Bhatia
R/o A-43, Kirti Nagar,
New Delhi

(Transferor)

(2) S Awtar Singh
S/o Satnam Singh
R/o 45-A/4, Punjabi Bagh,
New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

'1/4 Undivided share and 1/4 Undivided share in the land part property No A-43, Kirti Nagar New Delhi'

T K SAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range VI
New Delhi

Date 12.2.1987
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VI,
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1987

Ref. No. IAC/ACQ, VI, SR. 1/6-86/685—Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. one fourth share in Plot No. 37, now known as property bearing No. WZ-36, situated in the Abadi of DLF Indl. Estate on Najafgarh Rd. an approved colony, New Delhi, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Surinder Singh Ghambir
S/o Shri Trilochan Singh Chaudhary R/o
47/6, East Patel Nagar,
New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s. Dimple Overseas Ltd. at No. 10/60, Indl.
Area, Kirti Nagar, New Delhi through its
Managing Director Shri Virender Kumar S/o
Shri Kanshi Ram. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

"1/4 share of property constructed on piece of land measuring 4070 sq. ft. bearing No. 37 constructed on Plot No. 37, now known as property bearing No. WZ-36, Out of 2014 sq. yds. situated in the Abadi of D.L.F. Industrial Estate, on Najafgarh Road, an approved colony, New Delhi".

T. K. SAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI
New Delhi

Date : 12-2-1987
Seal :

FORM ITN- ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE VI,
4/14-A, AZAD NAGAR ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1987

Ref. No. IAC/ACQ. VI/SR-1/6-86/686 — Whereas, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing one fourth share in No. 37, constructed on Plot No. 37, now known as Property bearing No. WZ-36, situated in the Abadi of D.L.F. Industrial Estate, on Najafgarh Road, New Delhi, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Avtar Singh Ghambir
S/o Late Sh. Trilochan Singh Ghambir
R/o 47/6, East Patel Nagar,
(Transferor)
- (2) M/s. Dimple Overseas Ltd.
at No. 10/60, Industrial Area, Kirti Nagar,
New Delhi-15.
Through its Managing Director
Shri Virendra Kumar
S/o Shri Kanshi Ram.
(Transferee)

and request, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"1/4th (One fourth) share of Property constructed on Piece of land measuring 4,070 sq. ft bearing No. 37, constructed on Plot No. 37, now known as property bearing No. WZ-36, out of 2014 sq. yds, situated in the Abadi of D.L.F. Inds Estate on Najafgarh Road, on approved colony, New Delhi".

T. K. SAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI
New Delhi

Date : 12-2-1987
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VI,
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1987

Ref. No. IAC/ACQ.VI/SR.1/6-86/687.—Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. D-5/1, Model Town, Delhi, situated at Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ved Parkash S/o
Shri Mohana Ram R/o.
D-5/1, Model Town,
Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Arun Kumar Jain
S/o Shri Damodar Dass Jain at present R/o
C-5/20, Model Town, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Property No. D-5/1, Model Town, Delhi, Area of the land underneath measuring 293.75 sq. yds. (i.e. 245.613 sq. mts.)"

T. K. SAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI
New Delhi

Date : 12-2-1987
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI,
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1987

Ref. No. IAC/ACQ. VI/SRI/6-86/692.—Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 26/99, Shakti Nagar, Delhi-7 situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
23—486G1/86

(1) Smt. Ram Piari
26/99, Shakti Nagar,
Delhi-7.

(Transferor)

(2) Shri Surendra Kumar Gupta
26/10 Shakti Nagar,
Delhi-7.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"1st floor and Barasati of Property known as 26/99, Shakti Nagar, Delhi-7 including 50% Undivided share in the land."

T. K. SAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI
New Delhi

Date : 12-2-1987
Seal :

FORM ITNS

- (1) Renox Commercial Limited. (Transferor)
 (2) Bihai Agents Limited. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
 CALCUTTA-16

Calcutta, the 22nd January 1987

Ref. No. AC-75/R-II/Cal/86-87.—Whereas, I, S. N. TEWARI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 8 situated at Raja Santosh Road, Calcutta-27 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act 1908 (16 of 1901) in the office of the Registering Officer at Competent Authority under Registration No. 37EE/7/A-II/Calcutta/86-87 dated 11-6-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or this said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2294 sft. situated at 8, Raja Santosh Road, Calcutta-27. More particularly described in deed no. 37EE/14/R-II/Cal/86-87 dated 11-6-86 registered by the Competent Authority.

S. N. TEWARI
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-II,
 54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
 Calcutta-16

Date : 22-1-1987
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

ACQUISITION RANGE VI, NEW DELHI

New Delhi the 12th February 1987

Ref No IAC/ACQ VI/SR I/7 86/711—Whereas, I, T K SAH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No 26/99, Shakti Nagar Delhi-7 situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely —

- (1) Smt. Ram Prati
R/o 26/99, Shakti Nagar, Delhi-7 (Transferor)
- (2) Sh. Vijay Kumar Gupta
26/10, Shakti Nagar, Delhi 7 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Ground floor of Property known as 26/99, Shakti Nagar, Delhi—7 including 50% Undivided share in the land

T K SAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI, New Delhi

Date 12-2-1987
Seal

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE VI, NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1987

Ref. No. IAC/ACQ.VI/SR.III/6-86/252.—Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'Said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Mpl. No. XVI/10033, Plot No. 11, Block No. 16, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi (1/3 Undivided share) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Puran Chand Sondhi
S/o Late Shri Hans Raj R/o 16/11,
W.E.A. Karol Bagh, New Delhi, (Transferor)
- (2) M/s. Khāndan Properties Pvt. Ltd.
through its Director Sh. Subhash Chander
Kathuria
Karol Bagh, New Delhi Regd. Office 404,
Pudam Tower, Rajendra Palace
New Delhi. (Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3 Undivided Share in Property bearing Mpl. No. XVI/10033, Plot No. 11, Block No. 16, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi.
Mg. About 338 sq. yds. falling in Khasra No. 813/767."

T. K. SAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI, Delhi/New Delhi.

Date : 12-2-1987
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE VI, NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1987

Ref. No. IAC/ACQ.VI/SR.III/6-86/253.—Whereas, I, T. K. SAH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Mpl. No. 9051-52 (New) situated at Pahar Ganj, New Delhi, Ward No. XV Gali No. 1 & 2, situated at New Delhi/Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Dharam Pal Gumbhir
S/o Shri Sain Dass Gambhir R/o
H. No. XV/9054-56 (New), Multain Dhanda
Pahar Ganj, New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Sharda Bubna w/o
Sh. Chandra Prakash Bubna (2) Smt. Deep
Malika Bubna w/o Sh. Prabhat Kumar
Bubna and (3) Sh. Sandeep Bubna s/o
Late Sh. Ram Awtar Bubna C/o
Suprabhat Pvt. Ltd., New Dek Banglow
Road, Patna-1. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Municipal No. 9051-52 (New) mg. 125 sq. yds. situated at Pahar Ganj, New Delhi, Ward No. XV Gali No. 1 & 2.

T. K. SAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI, Delhi/New Delhi.

Date : 12-2-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE VI, NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1987

Ref. No. IAC/ACQ.VI/SR.III/6-86/254.—Whereas, I, T. K. SAH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Mpl. No. XVI/10038, Plot No. 11, Block No. 16, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi. (One third undivided share situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Kamal Sondhi (2) Sachid Anand Sondhi both sons of Late Sh. Satya Prakash (3) Ms. Pamella Sondhi d/o Late Satya Prakash through Attorney Smt. Neelam Sondhi (4) Ms. Preeti Sondhi d/o Late Satya Prakash (5) Smt. Neelam Sondhi w/o Late Satya Prakash and (6) Master Sundeep Sondhi (Minor) through his Mother and N/G. Smt. Neelam Sondhi, 16/11, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s. Khandan Properties Pvt. Ltd. through its Director Sh. Subash Chander Kathuria, Karol Bagh, New Delhi, Regd. Office at 404, Padam Tower, Rajendra Place, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"1/3rd Undivided share in Property bearing Mpl. No. XVI/10033, Plot No. 11, Block No. 16, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi, measuring about 338 sq. yds. falling in Khastia No. 813/767".

T. K. SAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI, New Delhi

Date : 12-2-1987
Seal :

FORMS ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE VI, NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1987

Ref. No. IAC/ACQ.VI/SR.III/6-86/255.—Whereas, I, T. K. SAH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Mpl. No. XVI/10033, Plot No. 11, Block No. 16 W.E.A. Karol Bagh, New Delhi (one third undivided share) situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitate the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Raj Kumar Sondhi S/o Late Sh. Hans Raj R/o 16/11, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi.
(Transferor)
- (2) M/s. Khandan Properties Pvt. Ltd. through its Director Sh. Subash Chander Kathuria, Regd. Office 404, Padam Tower, Rajindra Place, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

"1/3rd Undivided share in property Mpl. No. XVI/10033, Plot No. 11, Block No. 16, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi. Mg. about 338 sq. yds. falling in Khasra No. 813/767".

T. K. SAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI, New Delhi

Date : 12-2-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE VI, NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1987

Ref. No. IAC/ACQ.VI/SR.II/6-86/256.—Whereas, I,
T. K. SAH
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Plot No. 6, on Road No. 28 situated at
Punjabi Bagh, New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred registered under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Delhi on June 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely:—

- (1) Smt. Kaushalya Sharma
W/o Late Sh. Ram Lal Sharma
(2) Brig. Madan Mohan Lal Sharma
(3) Shri Chander Mohan Sharma
(4) Sh. Varinder Mohan Sharma All R/o 28/20,
Punjabi Bagh, New Delhi. (Transferor)
(2) Sh. Vishan Dass (2) Hira Nand,
(3) Jai Ram Dass sons of Late Shri Tola Ram
Advani All residents of 13/28,
Punjabi Bagh, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in the writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

"Property Built on Plot No. 6, on Road No. 28, situated
at Punjabi Bagh, New Delhi".

T. K. SAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI, Delhi/New Delhi.

Dated: 12-2-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE VI, NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1987

Ref. No. IAC/ACQ.VI/SR.II/6-86/257.—Whereas, I, T. K. SAH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 10/61, situated at Punjabi Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

24—486GI/86

- (1) Smt. Promila Gulati
W/o Sh. S. K. Gulati R/o D-26, Naraina Vihar
New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Binila Bansal W/o
Sh. K. C. Bansal R/o 10/66, Punjabi Bagh,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Property No. 10/61, Punjabi Bagh, New Delhi, Area mg. 552.78 sq. yds."

T. K. SAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI, Delhi/New Delhi.

Dated: 12-2-1987
Seal ;

FORMS ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
KUMAR ESTATE NEAR DHOBI GUARD
PUNE

Pune, the 6th January 1987

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/1930/1986-87 —
Whereas, I, ANJANI KUMAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Lease of property bearing F.P. No. 887/B/2 CTS No.
1206/B/2 Shivajinagar, Pune-4.
situated at Pune
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred & registered u/s 269AB of the said
Act in the office of the Competent Authority at I.A.C., Acqn.
Range, Pune on 11th Aug 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
Instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitate the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act 1922
(11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Pune City Hindu Municipal Servants,
Co-operative Housing Society Ltd.
13 Municipal Colony, Shivajinagar,
Pune-4. (Transferor)
(2) Mrs. Kaveri Bhananjaya Dhadphale,
1206/B/2 Shivajinagar, Pune-4. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective per-
sons, whichever period expires later :

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement of sale regis-
tered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune,
under document No. 37EE/1930/1986-87 in the month of
11th August 1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kumar Estate Near Dhobi Guard Pune.

Date : 6/1/1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
KUMAR ESTATE, NEAR DHOBI GUARD
PUNE

Pune, the 6th January 1987

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/2134 1986-87.—

Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 191A (Part) Survey No. 102, 102-1 and 103 (Part) of B-Ward, Village Fungavali, Lonavala situated at Lonavala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred & registered u/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at I.A.C., Acqn Range, Pune on 18th Aug 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Vatsala Pratap Mehta,
Shri Dadu Pratap Mehta,
Shri Nanu Pratap Mehta,
Mrs. Vijaya Pradyumnasingh, Pardeshi,
Jayashree Dilipsinh Pardeshi,
Ujwala Ravisingh Pardeshi,
At Post Lonavala, Dist. Pune.

(Transferor)

- (2) Shri Hariamm Khemchand Kukreja,
at & Post Lonavala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 37EE/2134/1986-87 in the month of 18th August 1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kumar Estate, Near Dhobi Guard, Pune.

Date : 6/1/1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
KUMAR ESTATE, NEAR DHOBI GUARD
PUNE

Pune, the 6th January 1987

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/1536/1986-87.—

Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing bearing S. No. 13, Hissa No. 2/1/B/2/1 situated at Dhankawadi, Tal. Haveli, Dist. Pune. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred & registered u/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at I.A.C., Acqn. Range, Pune on 25th July 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Padmaratna Co-operative Housing Soc. Ltd.
at S. No. 13, H. No. 2, Dhankawadi, Pune-43.
(Transferor)
- (2) M/s. Karia Construction Combine,
16 Onlooker Building, S. P. Mehta Road,
Fort, Bombay.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 37EE/1536/1986-87 in the month of 25th July 1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kumar Estate, Near Dhobi Guard, Pune.

Date : 6/1, 1987
Seal :

FORM INS—

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Mrs. Zenobia H. Eduljee,
Mr. Sorab (SOLI) J. Madan,
1 Parvati Vilas, Pune.
- (2) Atur Sangtani & Associates,
Atur Foundation House,
4 Dr. Ambedkar Road, Pune.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
KUMAR ESTATE, NEAR DHOBI GUARD
PUNE

Pune, the 8th January 1987

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/2768/1986-87.—

Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 7 & 6 with tenanted buildings/plot No. 5 & 4 carved out of S. No. 548 & 554, Gultekadi, TPS, Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred & registered u/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at I.A.C., Acqn. Range, Pune on 15th Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 7 & 6 with tenanted buildings/Plot No. 5 & 4 carved out of S. No. 548 & 554 Gultekadi, TPS, Pune-3.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 37EE/2768/1986-87 in the month of 15th Sept. 1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kumar Estate, Near Dhobi Guard, Pune.

Date : 8-1-1987
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
KUMAR ESTATE, NEAR DHOBI GUARD
PUNE

Pune, the 8th January 1987

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/2595/1986-87.—

Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 6 out of S. No. 32/1 Erandwane, Pune-4, situated at Pune, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred & registered u/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Sept. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Ganesh Shridhar Vaidya, Prop. of M/s. Vaidya Industries, 425 Chaturshringi Road, Pune.
2. Bhalchandra G. Vaidya, 438/3 Gokhale Road, Pune.
(Transferor)
(2) Shri Mahila Gruh Udyog Lijjat Papad.
A trust registered under Bombay Public Trust Act 1950, Prabhat Road, Road No. 4, Pune-4.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 37EE/2595 in the month of September 1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kumar Estate, Near Dhobi Guard, Pune.

Date : 8-1-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
KUMAR ESTATE, NEAR DHOBI GUARD
PUNE

Pune, the 8th January 1987

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/2871/1986-87.—

Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value and more fully described in the Schedule annexed hereto exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 38, S. No. 129, Kothrud, Pune-29, situated at Pune.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred & registered u/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at I.A.C., Acqn. Range, Pune on 19th Sept. 1986

for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Mr. Sukumar Dattatrey Shidore,
8 Hari Niwas, Prabhat Colony,
Santacruz, Bombay-55.

(Transferor)

(2) M/s. Parshwa Builders,
619 Sadashiv Peth, Pune-30

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 37EE/2871/1986-87 in the month of 19th September 1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kumar Estate, Near Dhobi Guard, Pune.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 8-1-1987
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
PUNE

Pune, the 8th January 1987

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/154/1986-87.—
Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1317/1A & 1317/1B Kasba Peth, Pune-11, situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred & registered u/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at I.A.C., Acqn. Range, Pune on 11th Aug. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Jay Alias Yeshwant Raghavendra Purandare & (Power of Attorney) Vijay Alias Khaderao Raghavendra Purandare, 5 Ashokban, Model Colony, Pune-16.

(Transferor)

(2) 1. Dr. Prasad Narayan Honap, 592/2 Rudhwar Peth, Pune-2.
2. Dr. Jaising Krishnarao Shinde, 244 Sai Niwas Sahakar Nagar No. 1, Pune-9.
3. Dr. Prakash Vishwanath Bhawe, 2042 Sadashiv Peth, Pune

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) By any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 37EE/154/1986-87 in the month of 6th June 1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Date : 6/1/1987
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Gopinath Manikchand Dharla,
"Manik" Nipani,
Belgaum.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Butala-Dadhe Associates,
Yeshwant Apartments,
Pune-2.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 8th January 1987

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/2660/1986-87.—

Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to be the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing F.P. No. 31/7 T.P.S. No. 3, S. No. 2164/65/10 Vijaynagar Colony, Sadashiv Peth, Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred & registered u/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at I.A.C., Acqn Range, Pune on 12th Sept., 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 37EE/2660/1986-87 in the month of 12th Sept., 1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
25-486GI/86

Date : 6-1-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 6th January 1987

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37G/280/1986-87.—

Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land bearing final plot No. 318 plus 319 City Survey No 934 plus 935A Shivajinagar, Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Haveli-I on September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act to the following aforesaid property by the issue of this notice under sub-persons, namely :—

- (1) Smt. Durgdevi Anandrao Gandekar,
Shri Ravindra Anandrao Gandekar,
934 plus 935A Shivajinagar,
Pune.
(Transferor)
- (2) Shri Vithalrao Joshi Charities Trust,
a Public Trust registered under the Bombay Public Trust Act, 1950 bearing PTR No. C-28, Suyash,
Gokhale Road, North Dadar, Bombay-28.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the Sub-Registrar, Haveli-I under document No. 37G/280/1986-87 in the month of Sept., 1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Date : 6-1-1987
Seal :

FORM ITN—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 6th January 1987

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37G/278/1986-87.—

Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land bearing P. No. 6, S. No. 81-A/1/1 Aundh, Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), S. R. Haveli-I on August, 1986 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Gulabchand K. Punglia and 4 Others
81-A/1/1 Aundh,
Pune-7.

(Transferor)

- (2) Saraswat Bank Employees Co-operative Housing society Ltd,
81-A/1/1 Aundh,
Pune-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing P. No. 6, S. No. 81-A/1/1 Aundh.
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the Sub Registrar, Haveli-I, under document No. 37G/278/1986-87 in the month of August, 1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Date : 6-1-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 8th January 1987

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37G/247/1986-87.—

Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Survey No. 15/1-B, 2, C.T.S. No. 681 (Parts) Kothrud, Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Bombay on 15th September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Mrs. Nalini G. Katre,
Flate No. 22,
Neeltarang,
200, Veer Savarkar Marg,
Bombay-16.

2. M/s. Reliable Builders,
3 Trivedi Bhavan,
R.R.T. Road,
Mulund (W),
Bombay-80.

3. M/s. Prathamesh Constructions,
6 Kannaway House,
63, Proctor Road,
Bombay-4.

(2) M/s. Walchandnagar Industries Limited, (Transferor)
16, M. G. Road,
Pune-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the Sub Registrar, Bombay, under document No. 37/G/247/1986-87 in the month of 15th September, 1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Pune

Date : -8-1-1987
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 7th January 1987

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37G/246/86-87.—
Whereas, I, ANJANI KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. No. 111(Pt) & S. No. 112/1 (Pt) C. S. Nos. 2271 and 2774 Bhiwandi Kalyan Rd., Tal. Kalyan Dist. Thane situated at Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range, Pune on 1st September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri Jayant Raghunath Phatak & Others,
Smruti, Tilak Path,
Dombivli (E).
(Transferor)
- (2) Shree Mangal Murti Co-op. Hsg. Society Ltd.
Bhiwandi-Kalyan Rd.,
Kalyan,
Dist. Thane.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 37/G/246/86-87 dt. 1st Sept., 1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Pune

Date : 7-1-1987
Seal :

FORMS ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 6th January 1987

Ret. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/3384/86-87.—

Whereas, I, ANJANI KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. Nos. & Hissa Nos. as shown in Schedule at P.T.O. situated at Village Majiwade, Dist. Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered U/s 269 AB of the said Act in the office of the Competent Authority at I.A.C. Acqn. Range, Pune on 11-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) There is no Transferor,
Only the Licensor,
Gleitlager (India) Ltd. & Others,
16 S. Baghat Singh Road, Bombay-23,
(Transferor)
- (2) There is no Transferee,
only the Licencee, Viz.
Mr. Lalit C. Gandhi & Others of
Lok Holdings,
14, Vishal Shopping Centre,
Sir M. V. Road,
Andheri (East),
Bombay-69.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property at S. Nos. & Hissa Nos. are 165, 166(1) (1-A), (1-AP), 167(3), 167(5), 168(1), 168(7), 169(2), 170(1), 170(3), 307(3), 342(Pt) and S. Nos. and Hissa Nos. 167 (4), 307 (2), 168 (3 pt), 169 (4 pt), 167 (6) at Village Majiwade in the Taluka and Dist. Thane.

(The property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 37EE/3384/86-87 dt. 11-8-1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Pune

Date : 6-1-1987
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D.(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 6th January 1987

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/5147/1986 87.—

Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. Nos. 286, 343 & 347, Hissa No. village Vnar, Taluka, Vasai situated at Dist. Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered u/s 254 AE of the said Act in the office of the Competent Authority at I.A.C. Acquisition Range, Pune on 21st September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of this liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Navbharat Construction Co.,
Sanket Bavani Shankar Road,
Dadar,
Bombay-28. (Transferor)
- (2) Govindji Shivaji Shah & Others,
C/o Gokul,
Opp. Petrol Pump,
Agashi Rd.,
Vihar West,
Tal. Vasai,
Dist Thane. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of this said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 37EE/5147 86-87 dt 21st September, 1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Pune

Date : 6-1-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 7th January 1987

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/5242/86-87.—Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. UNIT/Gala Nos. 32 to 36 (Ground floor), Gala No. 71 to 76 (1st floor) Gala No. 109 to 114 (2nd floor) at new Modella Industrial Estate situated at Panchpakhadi, Thane 64 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered U/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at IAC. Acqn. Range, Pune on 26th Sept 86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Modella Woollens Ltd.,
Resham Bhavan, 7th Floor,
Veer Naiman Road,
Bombay-20.

(Transferor)

- (2) 20th Century Finance Corporation Ltd. 25/26,
Maker Chambers III, 2nd Floor,
Nuriman Point,
Bombay-21.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range Pune under document No. 5242 '86-87 dt 26th Sept. 1986)

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 7-1-1987

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 9th January 1987

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/4504/86-87 —Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. No. 139, Hissa No 2 of Santoshi Mata Temple Lane off Kalyan Bhiwandi Rd., Kalyan, Dist. Thane, situated at Bhiwandi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered U s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at IAC. Acqn. Range, Pune on 10th September 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
26—486GI/86

- (1) Sri Chintaman Sadashiv Aagalave
Aagalave Wada, Aagalwe Ali, Kalyan,
Dist. Thane. (Transferor)
- (2) M s Vikas Enterprises,
9 Umiya Niwas, Maneklal Estate, Agara Road,
Ghatkopar, Bombay-86. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range Pune under document No. 4504/86-87 dated 10th September 1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 9-1-1987
Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s Sharat Promoters,
2 East Street, Pune-1.

(Transferor)

(2) Golden Granite Pvt. Ltd.,
202 Beena Apartments, Opp. M.S.F.B.
Senapati Barot Road, Pune-16.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
PUNE

KUMAR ESTATE, SHANKERSHET ROAD, PUNE

Pune, the 5th January 1987

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/2026/1986-87.—

Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 11 on ground floor in Amora Towers, 9 Moledina Road, Pune, situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered U/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at IAC, Acqn. Range, Pune on 15th August 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 371-F 2026 1986-87 in the month of 15th August 1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Date : 5-1-1987
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(1) Kalpataru Constructions,
111 Maker Chamber IV,
Nariman Point, Bombay-21.

(Transferor)

(2) Kalpataru Gardens Pvt. Ltd.
111 Maker Chamber IV,
Nariman Point, Bombay.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
PUNE

KUMAR ESTATE, NEAR DHOBI GUARD, PUNE

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Pune, the 6th January 1987

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/940 1986-87.--
Whereas, J. ANJANI KUMAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. Office Nos. A 16, 17, 18 and B 16 & 17 on 1st floor
at Kalpataru Plaza, 224 Bhavani Peth, Pune-2,
situated at Pune,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered U/s 269AB of the said
Act in the office of the Competent Authority at IAC, Acqn.
Range, Pune
on 2nd July 1986,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of the
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

(Property as described in the agreement to sale registered
in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under
document No. 37EE/940 1986-87 in the month of 2nd
July 1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 6-1-1987
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
PUNE
KUMAR ESTATE, PUNE

Pune, the 6th January 1987

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/1431/1986-87.—
Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing C.T.S. No. 1143-B Bhamburda, Shivajinagar, Pune-16 Final Plot No. 519, Sub Plot No. 519-B, situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered U/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at IAC. Acqn. Range, Pune on 19th July 1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gunendra Alias Vinay Anand Parkar, Shri Anand Shankar Parkar, Mrs. Pratibha Anand Parkar, 1143 B Shivajinagar, Pune-16. (Transferee)
(2) M/s Prabin Gupte and Associates, Vishnu Darshan, 1132/3 Shivajinagar, F.C. Road, Pune-16. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 37FF 1431A/1986-87 in the month of 19th July 1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 6-1-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
PUNE
KUMAR ESTATE, PUNE.

Pune, the 6th January 1987

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/371-F/1685, 1986-87. —

Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. Sub Plot No. 19, C.S. No. 49-A F.P. No. 72, Erandwane, T.P.S.—I, situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered U/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at IAC, Acqn. Range, Pune on 2nd Aug. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S.N.D.T. Women's University
Nathibai Thackersey Road,
Bombay-20.

(Transferor)

- (2) M/s Leela Constructions Pvt. Ltd.,
836 Sadashiv Peth,
Pune-30.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 371-F 1685 1986-87 in the month of 2nd August 1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 6-1-1987
Seal :

FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Upendra Keshav Kanitkar & Others,
917/17 Shivajinagar, Ganeshwadi,
Pune-4.

(Transferee)

(2) Shri Balvayak Joshi,
20 Jaydeo Prashantnagar,
Pune-30.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 7th January 1987

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/4531/1986-87.—
Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C.T.S. No. 917, 17 Shivajinagar, Ganeshwadi, Pune-4 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered U s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at IAC. Acqn. Range. Pune on 28th Nov. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acqn. Range. Pune, under document No. 4531/1986-87 on 28th November 1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Date : 7-1-1987
Scale

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, KUMAR ESTATE,
NEAR DHOBI GUARD, PUNE

Pune, the 5th January 1987

Ref. No. IAC ACQ CA-5/37EE/2100/1986-87 —

Whereas, I. ANJANI KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269AB of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat Nos. 4, 6, 7, 9 & 10 Mash Apartments, Plot No. 17,

S. No. 163, Aundh, Pune situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred & registered u/s 269AB of the said Act
in the office of the Competent Authority at I.A.C., Acqn
Range, Pune on 17th August, 1986for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub sec
tion (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

(1) M/s. Devi Construction Co.
Dev Niwar, 1161/10, Shivajinagar,
Pune-5.

(Transferor)

(1) Assistant General Manager,
Industrial Finance Corporation of India,
1120, Model Colony, Shivajinagar, Pune-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered
in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under
document No 37EE/2100/1986-87 on 17th August, 1986)

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Date : 5-1-1987
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KUMAR ESTATE,
NEAR DHOB! GUARD, PUNE

Pune the 5th January 1987

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/2428/1986-87 --
Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Piece & Parcel of Land situated at Village Handwane, Tal. Pune, bearing sub-Plot No. 20, City Survey No. 494, Original S. No. 85-86 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred & registered u/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at I.A.C., Acqn. Range, Pune on 26th August, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Dhiraj Iron & Steel (P) Ltd.,
Dhirajlal House, Sindhu Lane, Nanubhai
Desai Road, Bombay 4. (Transferor)
- (2) M. S. Kay Pee Enterprises,
98, Marine Drive, Neel
Kanth, 6th floor, Bombay. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acqn. Range, Pune, under document No 37EE/2428/1986-87 on 26th August, 1986)

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Date : 5-1-1987
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, KUMAR ESTATE,
NEAR DHOB1 GUARD, PUNE

Pune, the 5th January 1987

Ref. No. IAC ACQ./CA-5/37EE/1682/1986-87.—
Whereas, I, ANJANI KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Sub Plot No. 39, C. S. No. 49-A, F. P. No. 72, Erandwane, T. P. S.-I, Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred & registered u/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at I.A.C., Acqn. Range, Pune on 1st August 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S. N. D. T. Women's University,
Nathibai Thackersey Road,
Bombay.

(Transferor)

(2) M/s. Leela Constructions Pvt. Ltd.,
836, Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 37EE/1682/1986-87 on 1st August, 1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Date : 5-1-1987
Seal;

FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, KUMAR ESTATE,
NEAR DHOBII GUARD, PUNE

Pune, the 5th January 1987

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/2958/1986-87.—

Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 2 on the ground floor in Building No. 2 in Boat Club Garden CHS at 13 Boat Club Road at S. No. 349-A, Pune-1 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred & registered u/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at I.A.C., Acqn Range, Pune on 22nd September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Meharoo Razaat, Woodlands,
Flat No. 12A, Salisbury Park, Pune-1
(Transferor)

(2) Smt. S. S. Basrur & Smt. Indu M. Pandit,
C/o Mr. A. V. Fedade, "Amrita" Off Law
College Road, Pune-5
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No 37EE/2958/1986-87 on 22nd September, 1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Date : 5-1-1987

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) S. N. D. T. Women's University,
Nathibai Thackersey Road,
Bombay.

(Transferor)

(2) M/s. Leela Constructions Pvt. Ltd.,
836, Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KUMAR ESTATE,
NEAR DHOBI GUARD, PUNE

Pune, the 5th January 1987

Rcl. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/1683/1986-87.—

Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Sub Plot No. 17, C.S. No. 49-A, F.P. No. 72, Erandwana, T.P.S.-I situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred & registered u/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at I.A.C., Acqn. Range, Pune on 1st August, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 37EE/1683/1986-87 on 1st August, 1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-1-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(1) Major Hanmantrao Naryanrao Jagtap,
Tadiwala Road, Pune-1.

(Transferor)

(2) M/s. A. V. Mulay Construction Co.,
1231/A, Shivajinagar, F. C. Road, Pune-4.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, KUMAR ESTATE,
NEAR DHOBIGUARD, PUNE

Pune, the 5th January 1987

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/2795/1986-87.—
Whereas, I, ANJANI KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. City Survey No. 2712 D/2 its S. No. 134/2/2 of Bhamburda, Shivajinagar, Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred & registered u/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at I.A.C., Acqn. Range, Pune on 15th September, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 37EE/2795/1986-87 on 15th September, 1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Date : 5-1-1987
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, KUMAR ESTATE,
NEAR DHOBI GUARD, PUNE

Pune, the 5th January 1987

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/2492/1986-87.—

Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House Property at No. B-42, Ashwini Co-operative Society, Bombay Pune Road, Pune situated at Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred & registered u/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at I.A.C., Acqn. Range, Pune on 2nd September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Suresh Narayan Kolhapure,
C-11, Devankush, Ashwini Co-operative
Housing Society, Bombay Pune Road, Pune-5.
(Transferor)
- (2) Mrs. Usha Prabhakar Pargaonkar,
C/8 Ushakal Apartments, Pushpamala
Co-operative Housing Society Ltd.,
1010 Shivajinagar, Pune-16.
(Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 37-E/2492/1986-87 on 2nd September, 1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Date : 5-1-1987

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, KUMAR ESTATE,
NEAR DHOBIGUARD, PUNE

Pune, the 5th January 1987

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/3083 1986-87.—

Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat No. A-6 in Parmar Paradise in Second floor, 3/4 B.J. Road, Pune-1 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred & registered u/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at I.A.C., Acq. Range, Pune on 26th September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Ishwar Constructions Pvt. Ltd.,
3/4, B. J. Road, Pune-1.
(Transferor)
- (2) Miss Ishwari T. Jotwani,
Miss Nirmala T. Jotwani,
Mr. Bharat T. Jotwani,
12/B, Shanti Kunj, Opp. G.P.O., Pune-1.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 37EE/3083/1986-87 on 26th September, 1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Date : 5-1-1987
Seal:

FORM ITNS

(1) Chittaranjan Das.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M/s. Conquest Commercial Company Pvt. Ltd.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—ACQUISITION RANGE-II,
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA-16

Calcutta, the 22nd January 1987

Ref. No. AC-72/R-II Cal/86-87.—Whereas, I,
S. N. TEWARI,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 33 situate at Kankurgachi Road,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the Registration
Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Competent Authority
under Registration No. 37EE/7/A-II/Calcutta/86-87 dated
6-6-86
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to be-
tween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Constructed five storied building (in-complete) together with
land measuring 273.42 square meter, situated at 33, Kankur-
gachi Rd., C.I.T. Scheme No. VIM(S), Calcutta. More parti-
cularly described in deed no 37EE/7/R-II/Cal/86-87
dated 6-6-86 registered by the Competent Authority.

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

S. N. TEWARI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commission of Income-tax
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 22-1-1987

Seal:

